खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 22 मई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-140

मुर्शिदाबाद दंगे पर कलकत्ता हाईकोर्ट की जांच रिपोर्ट से सनसनीखेज खुलासा

वक्फ कानून का विरोध हिंदुओं के सफाये का बहाना था

कोलकाता, 21 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ कानून के खिलाफ हुए प्रदर्शन के दौरान हुए सुनियोजित दंगे की जांच के लिए कलकत्ता हाईकोर्ट द्वारा गठित तीन सदस्यीय समिति ने सनसनीखेज खुलासा किया है। समिति ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि वक्फ कानून के विरोध के नाम पर हिंदुओं के सफाये की योजना थी। पूर्व नियोजित योजना के तहत 11 अप्रैल को धुलियान में हुए मुख्य हमले के समय स्थानीय पुलिस पूरी तरह से निष्क्रिय और अनुपस्थित थी।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में पिछले महीने हुई हिंसा की जांच के लिए हाईकोर्ट ने कमेटी बनाई थी, जिसने अपनी रिपोर्ट दे दी है। कलकत्ता हाईकोर्ट द्वारा बनाई गई जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि इस हिंसा में ममता बनर्जी की सत्ताधारी पार्टी टीएमसी के स्थानीय नेताओं की अहम भूमिका रही। यह हिंसा वक्फ संशोधन बिल के पास होने के दौरान शुरू हुई थी, जिसमें हिंदुओं को निशाना बनाया गया। जब पीड़ित लोगों ने मदद के लिए पुलिस को फोन किया, तो पुलिस ने कोई जवाब नहीं दिया और पूरी तरह निष्क्रिय रही। रिपोर्ट में बताया गया कि

हिंसा एवं लूटपाट का नेतृत्व सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने किया

हिंसा में बड़े पैमाने पर आ-गजनी और लूटपाट हुई। दुकानों और मॉल्स को बेरहमी से नष्ट किया गया। जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा, हमले स्थानीय पार्षद मेहबूब आलम के इशारे पर हुए। स्थानीय पुलिस गायब रही और उसने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। रिपोर्ट के अनुसार, मुख्य हमला शुक्रवार 11 अप्रैल 2025 को दोपहर 2:30 बजे के बाद हुआ। जिसमें बताया गया है कि यहां स्थानीय पार्षद मेहबूब आलम हमलावरों के साथ आया। उसके साथ समसेरगंज, हिजलतला, शिउलीतला और डिगरी के नकाबपोश मुस्लिम थे। उन्होंने हमला कर सब कुछ जला दिया। इसके बाद विधायक अमीरुल इस्लाम आया और उसने देखा कि कौन से घर अभी तक नहीं जले। इसके बाद हमलावरों ने उन घरों में आग लगा दी।

पहलगाम पर बोलने वाले बंगाल हिंसा पर साधे हैं चतुर चुप्पी

हिंसा पीड़ित बेटबोना गांव के लोगों ने पुलिस को फोन किया, लेकिन पश्चिम बंगाल पुलिस ने कोई जवाब नहीं दिया। रिपोर्ट में बताया गया है कि स्थानीय विधायक अमीरुल इस्लाम वहीं मौजूद था, लेकिन उसने हिंसा रोकने की कोशिश तक नहीं की, बल्कि वो चुपचाप वहां से खिसक गया। हिंसा पीड़ित ग्रामीणों के जख्मों पर नमक डालते हुए हमलावरों ने पानी की पाइपलाइन भी काट दी, ताकि वो अपने घरों में लगी आग को बुझा तक न सकें। इसी बेटबोना गांव में 113 घर सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। इन घरों को इतना नुकसान हुआ कि अब वे रहने लायक नहीं हैं। इन्हें पूरी तरह दोबारा बनाना होगा। गांव की महिलाएं डर के मारे अपने रिश्तेदारों के पास रहने को मजबूर हैं। ▶10पर

देश को अस्थिर करने का एजेंडा चल रहा है : भाजपा

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में हुए दंगों को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट ने प्रदेश की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। हाईकोर्ट द्वारा गठित जांच समिति की रिपोर्ट पर भाजपा के राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा है कि टीएमसी सरकार की हिंदू विरोधी क्रूरता अपने पूरे वीभत्स रूप में सामने आ गई है। जांच रिपोर्ट ने टीएमसी, इंडी गठबंधन और तथाकथित धर्मनिरपेक्षता के स्वयंभू नायकों का मुखौटा पूरी तरह उतर गया है।

भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, इस समय देश में जिस तरह से एक खास तरह की राजनीति चल रही है, उससे ऐसा लगता है कि कुछ लोग देश की आंतरिक सुरक्षा और ढांचे को नष्ट करने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। ऐसी स्थिति कई बार पश्चिम बंगाल में देखी जा चुकी है। हाईकोर्ट द्वारा गठित एसआईटी की रिपोर्ट आने के बाद पश्चिम बंगाल में टीएमसी सरकार की यही मानसिकता फिर सामने आई है, जिसमें उसकी हिंदू विरोधी क्रूरता अपने पूरे वीभत्स रूप के साथ उजागर हुई है।

ईडी ने नेशनल हेराल्ड केस के तथ्यों से कोर्ट को अवगत कराया

सोनिया और राहुल ने मनी-लॉन्ड्रिंग से बनाए 142 करोड़ रुपए

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग केस के सारे तथ्य अदालत में पेश कर दिए हैं। इन तथ्यों के आधार पर दो जुलाई से दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में लगातार सुनवाई चलेगी। ईडी ने कोर्ट को बताया है कि कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने मनी लॉन्ड्रिंग के जरिए 142 करोड़ से अधिक रुपए बनाए। मनी लॉन्ड्रिंग के जरिए की गई कमाई में सोनिया राहुल के अतिरिक्त सैम पित्रोदा और सुमन दुबे भी शामिल थे। यह राशि यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड के जरिए नेशनल हेराल्ड अखबार चलाने वाली कंपनी एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) से प्राप्त किराए की आय से जुड़ी है। प्रवर्तन निदेशालय ने अदालत को बताया है कि नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी तथा अन्य के खिलाफ पहली नजर में धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) का मामला बनता है।

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले की सुनवाई बुधवार (21 मई 2025) को हुई। इस हाई-प्रोफाइल मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा और सुमन दुबे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ईडी ने कोर्ट को बताया कि आरोपियों ने अपराध की आय से 142 करोड़ रुपए का फायदा उठाया। यह राशि यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड के जरिए नेशनल हेराल्ड अखबार चलाने वाली कंपनी एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) से प्राप्त किराये की आय से जुड़ी है। ईडी के विशेष वकील जोहेब हुसैन ने कोर्ट में दावा किया कि यंग इंडियन के 76 प्रतिशत मालिक सोनिया और राहुल गांधी ने केवल 50 लाख रुपए का भुगतान करके 90.25 करोड़ रुपए की सम्पत्ति हासिल की।

मनी-लॉन्ड्रिंग मामले की 2 जुलाई से होगी रोजाना सुनवाई

ईडी ने कोर्ट में यह भी कहा कि गांधी परिवार ने न सिर्फ मनी लॉन्ड्रिंग की, बल्कि अपराध की आय को अपने पास रखकर इस अपराध को और बढ़ाया। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कोर्ट को बताया कि यंग इंडियन ने एजेएल के शेयरों का दुरुपयोग किया, जिसके जरिए भारी मुनाफा कमाया गया। नवंबर 2023 में ईडी ने नेशनल हेराल्ड से जुड़ी 751.9 करोड़ रुपए की सम्पत्तियों को जब्त किया था, जिसके बाद यह मामला और सुर्खियों में आ गया। राजू ने कोर्ट में यह भी स्पष्ट किया कि आरोपियों ने तब तक इस आय का लाभ उठाया, जब तक ईडी ने कार्रवाई नहीं की।

यह मामला मूल रूप से 2012 में सुब्रमण्यम स्वामी की शिकायत से शुरू हुआ था। स्वामी ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि गांधी परिवार ने यंग इंडियन के जरिए एजेएल को धोखाधड़ी, आपराधिक दुरुपयोग और विश्वासघात के जरिए हासिल किया। 2010 में एजेएल में 1,057 शेयरधारक थे, लेकिन स्वामी का दावा है कि यंग इंडियन ने गलत तरीके से कंपनी पर नियंत्रण हासिल कर लिया। ईडी ने इस मामले की जांच 2014 में मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत शुरू की थी, जब एक ट्रायल कोर्ट ने स्वामी की निजी आपराधिक शिकायत के आधार पर आयकर जांच में अनियमितताओं का संज्ञान लिया।

कोर्ट में सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष के वरिष्ठ वकीलों अभिषेक मनु सिंघवी और आरएस चीमा ने दस्तावेजों की जांच के लिए और समय मांगा। ▶10पर

वक्फ कानून पर भारत सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया

वक्फ इस्लाम का हिस्सा नहीं और न मौलिक अधिकार है

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। भारत सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि वक्फ इस्लामी अवधारणा है, लेकिन यह इस्लाम का आवश्यक हिस्सा नहीं है, इसलिए इसे मौलिक अधिकार नहीं माना जा सकता और न संविधान के तहत मौलिक अधिकार के रूप में इस पर दावा किया जा सकता है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि वक्फ सम्पत्ति का अधिकार विधायी नीति के तहत दिया गया है, जिसे वापस लिया जा सकता है।

भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, वक्फ एक इस्लामी अवधारणा है, जिसे नकारा नहीं जा सकता, लेकिन जब तक इसे इस्लाम का आवश्यक हिस्सा नहीं मान लिया जाता, तब तक अन्य दलीलों का कोई मतलब नहीं है। 2025 के वक्फ (संशोधन) अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में यह जवाब दिया है। मेहता ने अधिनियम का बचाव करते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति को सरकारी जमीन पर दावा करने का अधिकार नहीं है, भले ही वह जमीन वक्फ के रूप में घोषित की गई हो।

मेहता ने कहा, कोई भी व्यक्ति सरकारी जमीन पर दावा नहीं कर सकता। सुप्रीम कोर्ट का एक फैसला है, जो कहता है कि अगर सम्पत्ति सरकारी है और वक्फ के रूप में घोषित की गई है, तो सरकार उसे बचा सकती है। सॉलिसिटर जनरल ने कहा, वक्फ सम्पत्ति मौलिक अधिकार नहीं है। इसे कानून द्वारा मान्यता दी गई थी। अगर कोई

सरकारी जमीन पर दावा करने का किसी को अधिकार नहीं

अधिकार विधायी नीति के तहत दिया गया है, तो उसे हमेशा वापस लिया जा सकता है। चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच इन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को अप्रैल में संसद से पारित किया गया था और पांच अप्रैल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इसे मंजूरी दे दी थी। जिसे बाद यह कानून बन गया। लोकसभा में इसके पक्ष में 288 और विपक्ष में 232 मत पड़े थे, जबकि राज्यसभा ने समर्थन में 128 और विरोध में 95 मत पड़े थे।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट का इस तथ्य की ओर खास तौर पर रेखांकित करते हुए ध्यान दिलाया कि वक्फ एक इस्लामी विचार है, लेकिन यह इस्लाम का मूल या अनिवार्य हिस्सा नहीं है। यह केवल इस्लाम में दान देने की व्यवस्था है। जैसे ईसाई धर्म में चैरिटी, हिंदू धर्म में दान और सिख धर्म में सेवा की परंपरा होती है, वैसे ही वक्फ है। तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि वक्फ-बाइ-यूजर (यानी लंबे समय तक धार्मिक उपयोग के आधार पर किसी जमीन को वक्फ घोषित करना) का प्रावधान अब नए कानून में हटा दिया गया है। उन्होंने कहा कि किसी को भी सरकारी जमीन पर स्थायी अधिकार नहीं मिल सकता। सरकार ऐसी जमीन को पुनः प्राप्त कर सकती है, चाहे वह वक्फ ही क्यों न घोषित कर दी गई हो। अगर कोई सम्पत्ति सरकारी हो और उसे वक्फ-बाइ-यूजर के तहत घोषित किया गया हो, तो सरकार उसे वापस लेने का कानूनी अधिकार रखती है। यह कोई मौलिक अधिकार नहीं है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि 1923 से चली आ रही वक्फ से जुड़ी समस्याएं अब नए कानून से हल की गई हैं। लिहाजा अब हर पक्ष की बात सुनी गई है। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि हमें 96 लाख सुझाव मिले। ▶10पर

आंध्र के डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने कहा

घुसपैठिए छीन रहे स्थानीय लोगों की नौकरियां

विजयवाड़ा, 21 मई (एजेंसियां)।

आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम के पवन कल्याण ने कहा कि आंध्र प्रदेश में रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के अवैध प्रवास से बेरोजगारी बढ़ रही है। डीप्टी सीएम एवं जन सेना पार्टी के प्रमुख पवन कल्याण ने कहा कि घुसपैठियों का प्रवास रोकने और आंतरिक खतरों के प्रति सतर्क रहने के लिए उन्होंने राज्य पुलिस को कड़ी निगरानी रखने के लिए कहा है।

पवन कल्याण ने कहा कि जिस तरह सैनिक सीमाओं पर सुरक्षित रूप से देश की रक्षा कर रहे हैं, उसी तरह यह भी जरूरी है कि पुलिस विभाग देश के भीतर आंतरिक सुरक्षा के मामले में भी लगातार सतर्क रहे। रोहिंग्या प्रवास बेरोजगारी का कारण बन रहा है और आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर रहा है। सिस्टम में कुछ लोग उन्हें यहां स्थायी रूप से बसाने में मदद करने में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस को सीमा पर तैनात सैनिकों से ज़्यादा सतर्क रहना चाहिए। हम जानते हैं कि दक्षिणी राज्य आतंकवादियों के लिए संवेदनशील लक्ष्य हैं। तट पर आने वाले अजनबियों की गतिविधियों पर नजर रखी जानी चाहिए। ▶10पर

100 से ज्यादा अमृत स्टेशनों का उद्घाटन आज

अमृत स्टेशनों से रेल का सफर और आसान हो जाएगा: मोदी

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि वह गुरूवार को 100 से ज्यादा अमृत स्टेशनों का उद्घाटन करेंगे जिससे यात्रियों का रेल का सफर और अधिक आसान हो जायेगा।

प्रधानमंत्री ने राजस्थान में कई सड़क परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास किये जाने का भी उल्लेख करते हुए कहा कि इससे सीमावर्ती क्षेत्रों में रक्षा ढांचागत सुविधाओं को मजबूती मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि श्री मोदी गुरूवार को एक दिन के राजस्थान दौरे पर जा रहे हैं जहां वह 26 हजार करोड़ रूपये की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास या उद्घाटन करेंगे। इससे पहले उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्ट में कहा कि भारतीय रेल के लिए गुरुवार का दिन ऐतिहासिक और अविस्मरणीय होने जा रहा है। राजस्थान के बीकानेर में सुबह साढे ग्यारह बजे अब तक रिडेवलप किए गए 100 से ज्यादा अमृत स्टेशनों के उद्घाटन का सौभाग्य मिलेगा। इनसे देशवासियों के लिए रेल का सफर और आसान होने वाला है। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा कि राजस्थान के अपने दौरे में कई और परियोजनाओं के लोकार्पण ▶10पर

बार-बार उजागर हो रहा सुप्रीम कोर्ट का पक्षपात

कैश वाले जज वर्मा पर एफआईआर नहीं होगी

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट का पक्षपात बार-बार बड़े ही विद्रूप तरीके से उजागर हो रहा है। दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर से मिले नोटों के जखीरे की लीपापोती में सुप्रीम कोर्ट की भूमिका पूरे देश के सामने उजागर हो चुकी है। सुप्रीम कोर्ट उस कैश वाले जज के खिलाफ एफआईआर नहीं होने दे रही। जबकि देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ तक इस पर आपत्ति उठा चुके हैं। बुधवार को फिर सुप्रीम कोर्ट ने कैश भंडार वाले दिल्ली हाईकोर्ट के जज रहे यशवंत वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी।

यह याचिका देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में उनके आवास से अवैध नकदी बरामद होने के आरोपों की इन हाउस इंक्वायरी के आधार पर दाखिल की गई थी। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने की। बेंच ने कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश ने पहले ही इन हाउस इंक्वायरी कमेटी की रिपोर्ट और जस्टिस वर्मा का जवाब राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेज दिया है। ▶10पर

मुठभेड़ में 27 नक्सली ढेर, एक जवान भी शहीद

एक करोड़ का इनामी नक्सल नेता मारा गया

नारायणपुर, 21 मई (एजेंसियां)।

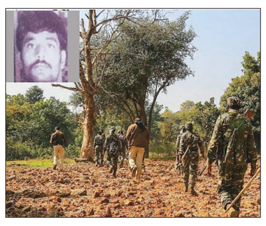

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच जोरदार मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में अब तक 27 नक्सली मारे गए हैं। ऑपरेशन के दौरान एक जवान शहीद हो गया, जबकि एक जवान घायल हुआ है। यह मुठभेड़ सुबह अबूझमाड़ के माड़ डिवीजन इलाके में हुई। नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और कोंडागांव जिलों से जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) की टीमें एक साथ नक्सल विरोधी अभियान पर भेजी गई थीं। नारायणपुर के पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने बताया कि जवानों ने बहुत बहादुरी से नक्सलियों का मुकाबला किया और कई नक्सलियों को मार गिराया। राज्य के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा, एक जवान घायल हुआ है, लेकिन अब वह खतरे से बाहर है। जवानों ने बहुत साहस दिखाया है। अभी तक 27 से ज्यादा नक्सली मारे जा चुके हैं और अंतिम तलाशी अभियान जारी है। यह मुठभेड़ सुरक्षाबलों की नक्सल प्रभावित इलाके में अब तक की बड़ी सफलता मानी जा रही है। ▶10पर

अमेरिका के मशहूर टेलीविजन अभिनेता जॉर्ज वेंड्ट का 76 वर्ष की आयु में निधन

सैकरामेंटो, 21 मई (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका के मशहूर टेलीविजन अभिनेता जॉर्ज वेंड्ट (76) का मंगलवार को यहां निधन हो गया। उन्होंने कैलिफोर्निया के स्टूडियो सिटी में अपने घर पर अंतिम सांस ली।

अभिनेता जॉर्ज वेंड्ट को टेलीविजन पर प्रसारित हास्य धारावाहिक चीयर्स में नॉर्म पीटरसन की भूमिका के लिए याद किया जाता है।

सिटकॉम के चीयर्स धाराविहक में बीयर पीने वाले एवरीमैन नॉर्म पीटरसन की भूमिका के लिए उन्हें लगातार छह प्राइम टाइम एमी अवार्ड प्राप्त हुए। उनके प्रवक्ता ज्योफ चेड्डी ने उनकी मृत्यु की पुष्टि की। उन्होंने चार दशक से अधिक समय तक टेलीविजन इंडस्ट्री में पूरी धमक से काम किया। जॉर्ज वेंड्ट लगभग 170 से अधिक धारावाहिकों में नजर आए।

परिवार ने बयान में कहा है कि वह बहुत प्यारे इंसान थे। उन्हें वह कभी नहीं भूल सकते। वेंड्ट टेलीविजन की दुनिया के सबसे पहचाने जाने वाले चेहरों में से एक थे। उनका किरदार नॉर्म एक खुशमिजाज बीयर प्रेमी का था। शिकागो के मूल निवासी वेंड्ट ने अपना करियर द सेकंड सिटी कॉमेडी थियेटर से शुरू किया था। वेंड्ट ने मिसौरी के कैनसस सिटी के रॉकहर्स्ट कॉलेज से अर्थशास्त्र की पढ़ाई की।

वेंड्ट को 1970 के दशक के अंत और 1980 के दशक की शुरुआत में हार्ट टू हार्ट और मेकिंग द ग्रेड जैसे शो में अतिथि भूमिकाओं में लिया गया। 1982 में उन्हें चीयर्स में बड़ा ब्रेक मिला। चीयर्स का प्रसारण 1993 तक हुआ। इसमें उनके सह कलाकारों में टेड डैनसन, रिया पर्लमैन, वुडी हैरेलसन, क्रिस्टी एली, शेली लॉन्ग और केल्सी ग्रामर रहे हैं।

डैनसन ने कहा कि यकीन नहीं हो रहा कि वेड्स नहीं रहे। हम उन्हें कभी नहीं भुला सकते। उन्होंने कई फिल्मों में भी काम किया और छोटे-छोटे पलों को भी खास बनाया। 1994 की फिल्म द लिटिल रास्कल्स में वेंड्ट ने लकड़ी बेचने वाले एक व्यक्ति की भूमिका निभाई और शोहरत बटोरी।

न्यूज ब्रीफ

कान्स रेड कार्पेट पर जाह्नवी कपूर का जलवा

वाशिंगटन। फिल्म निर्माता बोनी कपूर और दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की बड़ी बेटी जाह्नवी कपूर ने अपने अभिनय और मेहनत के दम पर बॉलीवुड में खास पहचान बनाई है। कम समय में ही उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी मजबूत जगह बना ली है और अब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी उनका प्रभाव देखने को मिल रहा है। अब जाह्नवी ने कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 में शिरकत की है। रेड कार्पेट पर उन्होंने अपने देसी अंदाज से सभी का ध्यान खींचा और अपनी खूबसूरती व आत्मविश्वास से हर किसी का दिल जीत लिया। जाह्नवी कपूर अपनी आने वाली फिल्म होमबाउंड के प्रीमियर के मौके पर कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 में पहुंचीं। रेड कार्पेट पर उनके साथ फिल्म की पूरी टीम नजर आई, लेकिन सारी लाइमलाइट जाह्नवी ने अपने दिलकश लुक से बटोर ली। उन्होंने हल्के गुलाबी रंग की बेहद खूबसूरत ड्रेस पहनी थी, जिसमें वह किसी परी जैसी लग रही थीं। ड्रेस के साथ जुड़ी दुपट्टे जैसी ड्रेप ने उनके पूरे लुक को शाही और अनोखा बना दिया। यह शानदार ड्रेस डिजाइनर तरुण तहिलियानी ने डिजाइन की गई थी और इसे रिया कपूर ने स्टाइल किया था। कान्स के रेड कार्पेट पर जाह्नवी कपूर के इस दिलकश लुक ने न सिर्फ लोगों का ध्यान खींचा, बल्कि कई प्रशंसकों को उनकी मां श्रीदेवी की याद भी दिला दी।

घुटनों पर आया पाकिस्तान, दुश्मनी भूल दोस्ती की देने लगा दुहाई, चीन बन रहा चौधरी

बीजिंग। अमेरिका के बाद अब चीन को चौधरी बनने का शौक चर्राने लगा है। तभी उसने भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में दखल देने की कोशिश की, जबकि भारत ने बार-बार कहा है कि दोनों देशों के बीच जो भी मुद्दा है, उसे आपस में ही निपटाया जाएगा। बता दें कि चीन खुद के सीमा विवाद सुलझाने में पूरी तरह नाकाम रहा है और भारत पाकिस्तान के विवाद को सुलझाने की दम भर रहा है। चीन ने कहा कि वह भारत और पाकिस्तान के बीच 'स्थायी संघर्षविराम' सुनिश्चित करने के लिए एक रचनात्मक भूमिका निभाएगा। पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार के शीर्ष चीनी राजनयिक वांग यी के साथ वार्ता के लिए यहां पहुंचने पर बीजिंग की ओर से यह बयान दिया गया। डार तीन दिवसीय यात्रा पर बीजिंग पहुंचे। भारत द्वारा सात मई को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में स्थित आतंकी ढांचों पर 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत सटीक हमले किए जाने के बाद चीन का दौरा करने वाले डार पहले उच्च स्तरीय पाकिस्तानी अधिकारी हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में चलाया गया था जिसमें 26 लोगों की मौत हो गई थी।

टेक्सास में भारतीय मूल के उद्यमी की बस में नृशंस हत्या, आरोपित भारतीय नागरिक गिरफ्तार

ऑस्टिन (टेक्सास)। अमेरिका के टेक्सास राज्य की राजधानी ऑस्टिन में एक भयावह घटना में भारतीय मूल के 30 वर्षीय उद्यमी अक्षय गुप्ता की एक सार्वजनिक बस में बेरहमी से हत्या कर दी गई। घटना 14 मई की शाम उस समय हुई जब गुप्ता बस में सफर कर रहे थे। पुलिस के अनुसार, उन पर एक अन्य भारतीय नागरिक ने अचानक हमला कर दिया। अक्षय गुप्ता एक स्वास्थ्य-तकनीक स्टार्टअप के सह-संस्थापक थे और ऑस्टिन में सक्रिय उद्यमियों में शामिल थे। ऑस्टिन पुलिस विभाग के मुताबिक, उन्हें एक बस में चाकू से हमला किए जाने की सूचना मिली थी। घटनास्थल पर पहुंचने पर गुप्ता को गंभीर चोटों के साथ पाया गया। हालांकि प्राथमिक उपचार और जीवन रक्षक प्रयास किए गए, लेकिन उन्हें घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया। इस हमले का आरोपित 31 वर्षीय दीपक कंडेल नामक व्यक्ति है, जो भारतीय मूल का ही है और फिलहाल बेघर था। जांच में सामने आया कि वह बस में अक्षय के पास बैठा था और बिना किसी उकसावे के उसने उनकी गर्दन पर बुचर स्टाइल चाकू से हमला कर दिया।

पनामा सम्मेलन में यूएन का स्पष्ट संदेश- आर्थिक विकास के लिए जरूरी है नई राष्ट्रीय जलवायु योजना

पनामा सिटी, 21 मई (एजेंसियां)।

संयुक्त राष्ट्र के जलवायु परिवर्तन कार्यकारी सचिव साइमन स्टीएल ने नेचर समिट 2025 में कहा कि मौजूदा वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, व्यापार युद्ध और भौगोलिक बदलावों के बीच अब समय आ गया है कि देश अपनी राष्ट्रीय जलवायु योजनाओं (एनडीसी) को नवीनीकृत करें और उन्हें आर्थिक विकास से जोड़ें।

एनडीसी (नेशनली डिटरमाइंड कंट्रीब्यूशन) किसी देश द्वारा जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए निर्धारित किए गए लक्ष्य, नीतियां और उपाय होते हैं। अब तक संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) के 195 सदस्य देशों में से 178 देश सीओपी30 की तैयारी के तहत अपनी नई योजनाएं प्रस्तुत करने की तैयारी कर चुके हैं।

साइमन स्टीएल ने कहा कि अब हमें ऐसी योजनाओं की जरूरत है जो केवल उत्सर्जन में कटौती न करें, बल्कि नए उद्योगों को बढ़ावा दें, रोजगार के अवसर बढ़ाएं और प्रकृति की रक्षा करते हुए लोगों के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर जलवायु संकट पर तुरंत कार्रवाई नहीं की गई, तो इसकी आर्थिक और मानवीय लागत कहीं अधिक होगी।

सम्मेलन में स्टीएल ने पनामा नहर का उल्लेख करते हुए बताया कि जल स्तर में कमी के कारण मालवाहक जहाज़ों की आवाजाही धीमी हो गई है, जिससे वैश्विक व्यापार पर असर पड़ा है। इसका सीधा प्रभाव आम लोगों की जेब पर पड़ रहा है, वस्तुएं महंगी हो रही हैं, आपूर्ति बाधित हो रही है और कुछ क्षेत्रों में तो जीवनरक्षक दवाएं भी समय पर नहीं पहुंच पा रही हैं। उन्होंने कहा, सूखा और जल संकट अब केवल पर्यावरणीय संकट नहीं हैं, यह आर्थिक और मानवीय आपदा बन चुके हैं।

स्टीएल ने जोर देते हुए कहा कि जलवायु नीति को व्यापार और निवेश का उपकरण बनाकर देखा जाना चाहिए। इससे सरकारों, बाजारों और निवेशकों को स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि वे सतत भविष्य के लिए गंभीर निवेश करें। उन्होंने कहा कि जलवायु योजनाओं को अब एक अलग विषय के तौर पर नहीं, बल्कि आर्थिक पुनर्निर्माण के केंद्र के रूप में देखा जाना चाहिए। यदि हम 02 ट्रिलियन डॉलर के स्वच्छ ऊर्जा बाजार का लाभ उठाना चाहते हैं, तो सरकारों, निजी क्षेत्रों और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है।

भारत और वैश्विक व्यापार पर प्रभाव – पनामा नहर भारत के लिए भी व्यापारिक दृष्टि से बेहद अहम है, क्योंकि यह भारत को अमेरिका, यूरोप और प्रशांत क्षेत्र से जोड़ने वाला सबसे छोटा समुद्री मार्ग है। इससे भारतीय निर्यात को प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलती है, लेकिन नहर की बिगड़ती स्थिति से भारतीय उद्योगों और आपूर्ति श्रृंखला पर भी खतरा मंडरा रहा है। भारत की मौजूदा एनडीसी में 2030 तक बिजली उत्पादन का 50 फीसदी हिस्सा गैर-जीवाश्म स्रोतों से प्राप्त करने और 2005 की तुलना में उत्सर्जन तीव्रता में 45 फीसदी की कटौती का लक्ष्य है।

बलूचिस्तान में स्कूल बस पर आत्मघाती हमला, 4 बच्चों की मौत, 38 घायल

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक दर्दनाक आतंकी हमला हुआ, जब एक स्कूल बस को आत्मघाती कार बम से निशाना बनाया गया। इस हमले में कम से कम चार बच्चों की मौत हो गई और 38 अन्य घायल हो गए हैं। स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, यह हमला दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान क्षेत्र में उस समय हुआ, जब एक स्कूल बस बच्चों को लेकर स्कूल की ओर जा रही थी। आत्मघाती हमलावर ने तेज रफ्तार कार से बस को टक्कर मार दी, जिससे जोरदार विस्फोट हुआ। प्रांतीय अधिकारी ने पुष्टि की है कि घायलों में अधिकांश बच्चे हैं, जिन्हें पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटनास्थल पर सुरक्षा बल और बचाव टीमें तुरंत पहुंच गईं और इलाके को सील कर दिया गया है। हमले की जिम्मेदारी अभी तक किसी आतंकी संगठन ने नहीं ली है, लेकिन बलूचिस्तान में लंबे समय से सक्रिय उग्रवादी संगठनों और अलगाववादी समूहों पर संदेह जताया जा रहा है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने इस कायराना हमले की निंदा की है और दोषियों को जल्द पकड़ने का आश्वासन दिया है।

इजराइल का लक्ष्य हमास के आतंकी पंजों से 58 बंधकों को छुड़ाना

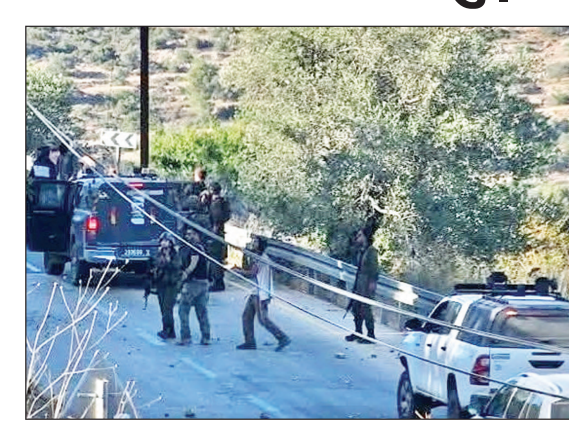

तेल अवीव, 21 मई (एजेंसियां)।

इजराइल सुरक्षा बल (आईडीएफ) ने कहा है कि उसका पहला लक्ष्य फिलिस्तीन के आतंकी समूह हमास के कब्जे से 58 बंधकों को छुड़ाना है। इसके लिए भले ही चाहे जो करना पड़े। आईडीएफ ने एक्स पर कहा कि उसकी स्थापना 77 साल पहले स्पष्ट मिशन के तौर पर की गई थी। आईडीएफ ने कहा कि सात अक्टूबर, 2023 को इजराइल ने अपने इतिहास के सबसे खूनी हमले का अनुभव किया।

हमारे नागरिकों का नरसंहार किया गया। महिलाओं से बलात्कार किया गया। लोगों को जिंदा फूंक दिया गया।बंधक बना लिया गया। उनमें से 58 अभी भी गाजा में हमास के आतंकवादियों के कब्जे में हैं। इन लोगों को मुक्त कराना आईडीएफ की पहली प्राथमिकता है।

आईडीएफ ने एक अन्य पोस्ट में जानकारी दी है कि हमारे सुरक्षा बलों ने हमास के मिसाइल और रॉकेट सरणी के कमांडर मोआताज देब को उत्तरी गाजा में ढेर कर दिया। आईडीएफ ने पिछले दिनों में गाजा में 100 से अधिक आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया है। इन्हीं हमलों में मोआताज देब को मार गिराया गया। फिलिस्तीन की न्यूज वाफा के अनुसार, मंगलवार शाम वेस्ट बैंक के शहर रामल्लाह के उत्तर-पश्चिम के बेतिल्लू गांव में इजराइली सेना की गोलीबारी में तीन फिलिस्तीनी घायल हो गए। इसके अलावा गांव के बाहरी इलाके में एड-दाहदर क्षेत्र में कई घरों पर हमला किया। ग्रामीणों पर गोलियां चलाईं। घायलों को रामल्लाह सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

शख्स ने प्राकृतिक चिकित्सा से जीती कैंसर से जंग

बावन साल के एक शख्स ने कैंसर से लड़ने के लिए पारंपरिक इलाज नहीं चुना बल्कि प्रकृति की गोद में जाकर जीवन को गले लगाया -और परिणाम चमत्कारी रहे। शख्स को ल्यूकेमिया (ब्लड कैंसर) और लिंफोमा (लसीका ग्रंथि का कैंसर) का पता चला। डॉक्टरों ने तुरंत कीमोथेरेपी और रेडिएशन का सुझाव दिया, लेकिन उन्होंने यह रास्ता नहीं चुना। उन्होंने खुद पर भरोसा किया और प्रकृति के साथ एक अनोखा प्रयोग शुरू किया। उन्होंने करीब 300 किलोमीटर की दूरी 4 डिग्री सेल्सियस के बर्फीले पानी में तैरकर पूरी की। हर हफ्ते एक रात जंगल में अकेले बिताई और खुद को बीमारी से लड़ने के बजाय जीवन से प्रेम करने के लिए तैयार किया। उनका विश्वास था कि शरीर में बीमारी से लड़ने की प्राकृतिक शक्ति होती है, बस उसे सही वातावरण चाहिए। पहली बर्फीली तैराकी के बाद उनके खून की जांच में पाया गया कि ल्यूकेमिया पूरी तरह गायब हो चुका है। इसके बाद 10 महीने तक जंगल में समय बिताने के बाद लिंफोमा का भी कोई निशान नहीं बचा।

गाजा की सुरंगों से मिले दस्तावेजों से हुआ खुलासा, ये है हमास के हमले की मूल वजह

गाजा, 21 मई (एजेंसियां)।

इजरायल करीब तीन साल से हमास को मिटाने के लिए जंग लड़ रहा है। इसकी शुरुआत हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल के एक शहर में निर्दोष लोगों की हत्या करके की थी। अब गाजा पट्टी में सुरंगों में मिले दस्तावेजों से पता चला है कि हमास ने इजरायल पर हमला क्यों किया था। इस आतंकी कार्रवाई में, हमास ने जमीन, हवा और समुद्र के रास्ते इजरायल पर हमला किया और देश के बड़े हिस्से में हत्याओं का सिलसिला शुरू कर दिया।

इजरायली सेना द्वारा हासिल दस्तावेजों में 2 अक्टूबर, 2023 की बैठकों के विवरण शामिल हैं। इससे पता चलता है कि याह्या सिनवार सहित हमास के नेता इजरायल-सऊदी के सामान्य संबंधों को अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानते थे। उस समय गाजा में हमास के प्रमुख रहे सिनवार, हमास के तत्कालीन सैन्य प्रमुख मोहम्मद देइफ के साथ 7 अक्टूबर के हमले के मुख्य साजिशकर्ता थे। ईरान की राजधानी तेहरान में हमास के प्रमुख इस्माइल हनीया की हत्या के बाद, सिनवार हमास के प्रमुख बन गए। चल रहे युद्ध में सिनवार और देइफ दोनों मारे गए हैं। सिनवार को जमीनी सैनिकों ने गोली मार दी थी और देइफ हवाई हमले में मारा गया था।

सभी आतंकवादियों को बेअसर करने या खदेड़ने में इजरायली सुरक्षा बलों को कई दिन लग गए। आतंकवादियों ने लगभग 1,200 लोगों की हत्या कर दी और हजारों लोगों को घायल कर दिया, और लगभग 250 लोगों का अपहरण कर उन्हें बंधक बनाकर गाजा ले गए।

रिपोर्ट के अनुसार, गाजा की सुरंगों में इजरायली बलों द्वारा पाए गए दस्तावेजों से अब यह पता चला है कि 7 अक्टूबर के हमले का उद्देश्य इजरायल और सऊदी अरब के बीच सामान्य होते संबंधों को पटरी से उतारना था।

वर्षों से, अमेरिका इजरायल और अरब दुनिया के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के लिए प्रयास का नेतृत्व कर रहा था। 2020 में पहले डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन के तहत अब्राहम समझौते ने इजरायल और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), बहरीन और मोरक्को के बीच संबंधों को सामान्य बनाने का नेतृत्व किया। जो बाइडेन प्रशासन ने प्रयासों को संभाला और इजरायल और सऊदी अरब के बीच सामान्य बनाने के समझौते पर काम कर रहा था। तभी 7 अक्टूबर के हमले ने वार्ता को पटरी से उतार दिया।

ट्रंप ने की 175 बिलियन डॉलर की गोल्डन डोम मिसाइल रक्षा परियोजना की घोषणा

वाशिंगटन, 21 मई (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को गोल्डन डोम मिसाइल रक्षा परियोजना की घोषणा की। यह एक परिष्कृत नई मिसाइल रक्षा ढाल बनाने की योजना है। यह अंतरिक्ष से खतरों को रोकने में सक्षम होगी। अनुमान है कि इस पर लगभग 175 बिलियन डॉलर खर्च होंगे। यह परियोजना तीन वर्ष में पूरी होगी।

गोल्डन डोम परियोजना की पूरी देखरेख स्पेस फोर्स जनरल माइकल गुएटलीन करेंगे। यह परियोजना पूर्व राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के असफल स्टार वार्स कार्यक्रम की याद दिलाती है। व्हाइट हाउस ने प्रौद्योगिकी में प्रगति का हवाला देते हुए कहा कि रीगन की कुछ दृष्टि अब संभव हो सकी है।

ट्रंप ने कहा कि गोल्डन डोम परियोजना उनके कार्यकाल के अंत से पहले शुरू हो जाएगी। गोल्डन डोम अंतरिक्ष और दुनिया के किसी भी हिस्से से दागी गई मिसाइलों को रोकने में सक्षम होगा।

ट्रंप ने सालभर पहले चुनाव प्रचार के दौरान इजराइल के आयरन डोम के समान अमेरिकी मिसाइल रक्षा कवच का विचार देश के सामने रखा था। वह कहते हैं कि ईरान के हमलों के दौरान इजराइल ने लगभग 300 मिसाइलों और ड्रोन को विफल कर दिया था। मिसाइल रक्षा विशेषज्ञ टॉम कराको ने कहा कि वर्तमान अमेरिकी प्रणाली मुख्य रूप से उत्तर कोरिया जैसे दुष्ट राज्यों से अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों को मार गिराने की क्षमता पर केंद्रित है। ड्रोन, क्रूज मिसाइल और हाइपरसोनिक हथियारों जैसे अन्य खतरों के मामले में अमेरिका को बेहतर सुरक्षा की आवश्यकता है।

मिसाइल रक्षा परियोजना के निदेशक और सामरिक और अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र में रक्षा और सुरक्षा विभाग के वरिष्ठ फेलो कराको ने कहा कि सच्चाई यह है कि हम बहुत कमजोर हैं। ट्रंप के गोल्डन डोम से अमेरिकी सामरिक दृष्टि से बेहद सुरक्षित हो जाएगा।

रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने कहा कि राष्ट्रपति हर हाल में मातृभूमि को रक्षा कवच में रखना चाहते हैं। और हम क्रूज मिसाइलों, बैलिस्टिक मिसाइलों, हाइपरसोनिक मिसाइलों और ड्रोन से मातृभूमि की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उल्लेखनीय है कि दूसरा कार्यकाल शुरू करते ही 27 जनवरी को ट्रंप ने इस आशय के एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। ट्रंप ने लिखा था कि बैलिस्टिक, हाइपरसोनिक और क्रूज मिसाइलों तथा अन्य उन्नत हवाई हमलों संयुक्त राज्य अमेरिका के सामने सबसे भयावह खतरा बना हुआ है। इसलिए रक्षा विभाग को और मजबूत प्रणाली विकसित करनी होगी।पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता और हेगसेथ के वरिष्ठ सलाहकार सीन पार्नेल ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि रक्षा विभाग इस प्रस्ताव पर काम कर रहा है।

इस समय अमेरिकी वायुसेना 1970 के दशक में निर्मित अपनी 400 अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों को नई मिसाइलों से बदलने की प्रक्रिया में है। हेगसेथ ने कहा कि अंतरिक्ष में कुछ अमेरिकी तकनीक जैसे कि अंतरिक्ष-आधारित सेंसर और वायु और मिसाइल रक्षा भी मौजूद हैं, लेकिन गोल्डन डोम संपूर्ण रक्षा कवच होगा।

एलओसी पर अपने घर लौट रहे लोगों की मुश्किलें थम नहीं रहीं

पाकिस्तान से फेंके गए गोलों के फटने का डर

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 21 मई।

नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर शांति लौटने के कुछ दिनों बाद, उत्तरी कश्मीर के सीमावर्ती इलाकों में ग्रामीण अपने बिखर चुके जीवन को फिर से संवारने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। गोलाबारी, मिसाइल हमलों और कम ऊंचाई पर उड़ने वाले ड्रोन की भयावह यादें अभी भी उन्हें परेशान करती हैं, क्योंकि वे दशकों में हिंसा के सबसे बुरे दौर के बारे में सोचते हैं।

टंगधार के अमरोही गांव में, 62 वर्षीय नूर दीन अपने पुश्तैनी घर के खंडहरों के पास खड़े हैं। छत में एक बड़ा छेद, झुलसी हुई दीवारें और फटे हुए फर्श 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की सैन्य प्रतिक्रिया के बाद पाकिस्तानी गोलाबारी से हुई तबाही की गवाही देते हैं। मलबे को घूरते हुए नूर दीन कहते हैं कि उसने पहले कभी युद्ध नहीं देखा था, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं देखा था। वे कयामत की रात को याद करते हुए कहते हैं कि आसमान में आग लगी हुई थी। लगातार गोले बरस रहे थे। हम अपनी जान बचाकर भाग रहे थे, प्रार्थना कर रहे थे कि हम ज़िंदा बच जाएं।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सीमा पार से गोलाबारी के बीच टंगधार, टीटवाल, करनाह और केरन जैसे गांवों के सैकड़ों निवासियों को अपने घरों से भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। क्योंकि भारत ने एलओसी और पाकिस्तान के पार आतंकी ढांचे पर इन्हीं इलाकों से निशाना साधा था। अब, जब निवासी धीरे-धीरे नुकसान का आकलन करने के लिए वापस लौट रहे हैं, तो कई लोगों का कहना है कि उन्होंने पहले कभी इतना कमजोर महसूस नहीं किया। चमकोट गांव के निवासी शब्बीर हुसैन ने इस अनुभव को न्याय का दिन बताया। वे कहते हैं कि घर हिल रहे थे, खिड़कियां टूट रही थीं और लोग चीख रहे थे। मेरे जीवन में पहली बार, मुझे लगा कि हम सब मर जाएंगे। वे उस दिन को याद कर कहते हैं, मेरा घर मलबे में बदल गया था। कुछ भी नहीं बचा।

कई घर आंशिक रूप से या पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं। जो परिवार कभी स्थिर छतों के नीचे रहते थे, वे अब गौशालाओं या अस्थायी तंबुओं में शरण लेने को मजबूर हैं। अन्य लोगों ने क्षतिग्रस्त स्कूलों या सामुदायिक हालों में शरण ली है। एलओसी अर्थात नियंत्रण रेखा से कुछ ही किमी दूर उड़ी के दचिन गांव में, 45 वर्षीय सलीमा बेगम ने कहा, गोलाबारी के दौरान हमारा एकमात्र बंकर ढह गया। लोग चीख रहे थे, बच्चे रो रहे थे। हमने कई संघर्ष विराम उल्लंघनों का सामना किया है, लेकिन इस बार यह युद्ध जैसा लग रहा था। मिसाइलें ऊपर से उड़ रही थीं और हमारे इलाके में कोई भी लगातार पांच रात तक नहीं सोया। उड़ी के नंबा गांव के शब्बीर हुसैन कहते हैं कि वर्षों से जीवन शांतिपूर्ण था। यहां तक कि हमारे इलाके में पर्यटन भी बढ़ने लगा था।

कुपवाड़ा और बारामुला जिलों में स्थानीय प्रशासन ने आवासीय घरों, स्कूलों और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए सर्वेक्षण शुरू कर दिया है। अस्थायी आश्रय और राहत सामग्री प्रदान की गई है, लेकिन कई परिवार बारामुल्ला और सोपोर जैसे शहरों में किराए के मकानों में रहना पसंद कर रहे हैं, जो अभी घर लौटने के लिए तैयार नहीं हैं।

शारीरिक क्षति से ज्यादा यह मनोवैज्ञानिक आघात है, जिसके ठीक होने में लंबा समय लग सकता है। 12 मई को युद्धविराम की घोषणा की गई, लेकिन घाव अभी ताजा है। निवासियों को डर है कि शांति अल्पकालिक हो सकती है। वे मांग कर रहे हैं कि दोनों देश तनाव कम करें और बातचीत करने के लिए प्रतिबद्ध हों।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि जान-माल के लिए गंभीर खतरा पैदा करने वाले कई अप्रयुक्त आयुधों (यूएक्सओ) अर्थात अनफूटे गोलों के सफल निपटान के बाद, उत्तरी कश्मीर के अधिकांश इलाकों से लोग बारामुल्ला और कुपवाड़ा जिलों में अपने इलाकों में लौट आए हैं। उन्होंने कहा कि ये यूएक्सओ कमलकोट, मधान, गौहलान, सलामाबाद (बिजहामा), गंगरहिल और गवाल्टा सहित कई गांवों में पाए गए और उन्हें सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया गया। बम निरोधक दस्तों द्वारा पूरी तरह से सफाई अभियान के बाद, जिला प्रशासन ने इन गांवों से निकाले गए लोगों को अपने घरों को लौटने की हरी झंडी दे दी। उन्होंने आगाह किया कि अतिरिक्त अप्रयुक्त गोले अभी भी खतरा पैदा कर सकते हैं। वे निवासियों को सतर्क रहने की सलाह देते थे क्योंकि ये यूएक्सओ जान-माल के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं। विस्फोटक खोल या उपकरण जैसी किसी भी संदिग्ध वस्तु को छुआ या छेड़छाड़ नहीं किया जाना चाहिए। इसके बजाय, उन्हें तुरंत पुलिस या निकटतम सुरक्षा कर्मियों को इसकी सूचना देनी चाहिए। इन क्षेत्रों में अनधिकृत प्रवेश निषिद्ध है, क्योंकि अप्रयुक्त आयुध को गलत तरीके से संभालने से घातक परिणाम हो सकते हैं।

आठ बच्चों समेत 29 अवैध बांग्लादेशी घुसपैठिए गिरफ्तार

रोहतक, 21 मई (एजेंसियां)।

रोहतक के कलानौर में एक ईंट भट्ठे से 29 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें 8 बच्चे भी शामिल हैं। ये सभी खरकिया ईंट भट्ठे पर काम कर रहे थे। पकड़े गए एक बांग्लादेशी नूर इस्लाम ने कहा कि वह 22 साल से भारत में अवैध रूप से रह रहा है। उसने बताया कि ठेकेदारों ने सीमा पार कराने के लिए 25 हजार रुपए लिए थे और भारत में आसानी से मजदूरी मिलने के कारण वे पैसा कमाने आ गए थे।

जांच में यह भी सामने आया कि ठेकेदारों ने गिरफ्तार किए गए बांग्लादेशियों के नकली आधार कार्ड भी बनवा दिए थे। पूछताछ से पता चला है कि एजेंट मोटा मुनाफा कमाने के लालच में 5 से 10 लोगों के समूहों में अवैध रूप से पश्चिम बंगाल के रास्ते भारत में प्रवेश करवा रहे हैं। भिवानी पुलिस और सीआईडी पिछले चार दिनों से घुसपैठियों का पता लगाने के लिए एक बड़ा सर्च अभियान चला रही है। कलानौर थाना प्रभारी सतपाल ने बताया कि गिरफ्तार किए गए 29 लोगों को रोहतक सिविल लाइन भेजा जाएगा।

विकसित भारत के लिए सुरक्षित सीमाएं आवश्यक: धनखड़

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए राष्ट्रवाद के प्रति अडिग प्रतिबद्धता और निरंतर तैयारी की आवश्यकता पर बल देते हुए बुधवार को कहा कि 'विकसित भारत' का लक्ष्य हासिल करने के लिए सीमाओं पर शांति की आवश्यकता है।

श्री धनखड़ ने गोवा के मोरमुगाओ बंदरगाह पर आयोजित एक समारोह को आज संबोधित करते हुए कहा कि युद्ध जैसी स्थितियों में आर्थिक विकास संभव नहीं है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र, विकसित भारत बनना है। इसके लिए प्रति व्यक्ति आय में आठ गुना वृद्धि की आवश्यकता है। इसके लिए हमारी सीमाओं पर शांति की आवश्यकता है। यदि युद्ध जैसी परिस्थितियां हैं तो आर्थिक विकास नहीं हो सकता। शांति विकास और प्रगति का मूल है। शांति शक्ति से आती है। राष्ट्रीय सुरक्षा राष्ट्रवाद और अथक तैयारी के प्रति अडिग प्रतिबद्धता की मांग करती है।

फिल्म वॉर 2 के टीजर ने फाइटर और एनिमल को पछाड़ा

अयान मुखर्जी की डायरेक्टेड और आदित्य चोपड़ा की प्रोड्यूस्ड फिल्म वॉर 2 का टीजर 20 मई को जारी किया गया। ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के एक्शन के बीच कियारा आडवाणी के ग्लैमर ने सबका ध्यान खींचा लेकिन काफी आलोचना का भी शिकार हुईं। हिंदी, तमिल और तेलुगू में आ रही ये पैन इंडिया फिल्म, रिलीज से पहले ही कुछ फ्लॉप फिल्मों से एक मामले में पीछे रह गई है। वह उनका रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाई है। हम बात कर रहे हैं इसके टीजर की। यूट्यूब पर सबसे ज्यादा देखे जाने वाले टॉप 10 टीजर में इस फिल्म की गिनती कहां पर हो रही है, आइए बताते हैं।

दरअसल, कोई भी फिल्म अपनी रिलीज से पहले उसका पोस्टर और टीजर जारी करके दर्शकों के बीच अपनी जगह बनाने की कोशिश करती है। वॉर की अपार सफलता के बाद वॉर 2 को लेकर लंबे समय से हाइप क्रिएट हो रहा था। पहले इस मूवी के एक्शन सीन्स की बातें हो रही थीं और फिर कास्ट एक्साइटमेंट बढ़ा रही थीं। जब पहली झलक देखने को मिली तो कुछ खास कमाल नहीं कर पाई।

ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी स्टारर थरी 2 के टीजर को 24 घंटे के अंदर कुल 25.75 एम व्यूज मिले हैं। इसने तमिल भाषा में 404के, तेलुगू में 3.53एम और हिंदी में 21.81च् व्यूज हासिल किए हैं। जो कि ऋतिक, दीपिका पादुकोण स्टारर फाइटर से ज्यादा हैं। उसके टीजर को 24 घंटे में 23.1 मिलियन व्यूज यूट्यूब पर मिले थे। ऐसे में ऋतिक ने अपनी फिल्म को पीछे छोड़ दिया, मगर प्रभास से लेकर अल्लू अर्जुन और यश को पछाड़ नहीं सके।

अगर टॉप 10 फिल्मों की बात करें तो इसमें पहले नंबर पर है प्रभास और पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म सालार पार्ट 1- सीजफायर, इसके टीजर को 24 घंटे में 83 मिलियन व्यूज मिले थे। दूसरे नंबर पर भी प्रभास का ही राज है। उनकी और कृति सेनन की फिल्म आदिपुरुष ने भी रिकॉर्ड बनाया था और 68.9 मिलियन व्यूज हासिल किए थे। तीसरे नंबर पर यश और श्रीनिधि शेट्टी स्टारर केजीएफ चैप्टर 2 है, जिसके टीजर को 68.8 मिलियन व्यूज मिले थे।

पांचवे नंबर पर भी प्रभास का कब्जा है। उनकी राधे श्याम भले फ्लॉप हुई। लेकिन टीजर को 42.7 मिलियन व्यूज 24 घंटे के अंदर मिले थे। अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 छठवें नंबर पर है क्योंकि उसके टीजर को 39.3 मिलियन व्यूज मिले और सातवें नंबर पर शाहरुख खान की डंकी है, जिसे 36.8 मिलियन व्यूज मिले थे। इनके अलावा, आठवें पर अजय देवगन की मैदान है, जिसको 29.5 मिलियन व्यूज मिले थे।नौवें पर फाइटर को रिप्लेस करते हुए वॉर 2 आ गई है और दसवें पर रणबीर कपूर की एनिमल आ गई है, जिसे 22.6 मिलियन व्यूज मिले थे। इस लिस्ट में सलमान खान भी शामिल हैं, जिनकी 2019 में आई फिल्म भारत के टीजर को 21.4 मिलियन व्यूज मिले थे।

अदिति राव हैदरी ने कान फिल्म फेस्टिवल में लगाया भारतीय नारी का तड़का

उर्वशी रौतेला, अनुष्का सेन, जान्हवी कपूर समेत अन्य के बाद अब अदिति राव हैदरी भी 78वें कान फिल्म फेस्टिवल पहुंची हैं। उन्होंने इंटरनेट पर अपनी तस्वीरें शेयर की हैं, जिसे देख हर कोई उनकी तारीफ कर रहा है। उनके पति और एक्टर सिद्धार्थ भी उनसे नजरें नहीं हटा पा रहे हैं। हालांकि फोटोज रेड कार्पेट की नहीं हैं, बल्कि समंदर के किनारे की है, जहां वह एकदम भारतीय नारी के रूप में सबका दिल जीत रही हैं।

कान फिल्म फेस्टिवल में हर बार एक्ट्रेसेस को गाउन में देखा जाता है। लेकिन अदिति राव हैदरी ने भारतीय साड़ी को चुना। लाल रंग की साड़ी पहने हुए वह समंदर किनारे पोज दे रही हैं। इसके साथ ही उनकी मांग में लगा सिद्धार्थ के नाम का सिंदूर भी सबको अपनी दीवाना बना रहा है। उन्होंने माथे पर बिंदी भी लगाई हौ और मैचिंग ज्वैलरी भी कैरी की है।

इस पोस्ट पर हर किसी ने प्यार लुटाया है। पति सिद्धार्थ ने तो रेड हार्ट इमोजी से एक्ट्रेस पर प्यार बरसाया है। उनके एक फैन पेज ने भी एक खूबसूरत कमेंट किया है, जिसमें लिखा, 'अदू ने आपके लिए सिंदूर लगाया है।' एक्टर अभय वर्मा, नितांशी गोयल, अर्पिता चक्रवर्ती समेत अन्य ने एक्ट्रेस की सुंदरता की तारीफ की। एक यूजर ने लिखा, सिंदूर आपकी खूबसूरती को और बढ़ा रहा है। एक ने लिखा, आपने जो सिंदूर लगाया है, वो इस पूरे लुक में जान फूंक रहा है। एक ने हैरानी जताते हुए लिखा, वाह सिंदूर। बहुत सुंदर। एक ने लिखा, इस सिंदूर लुक के साथ आप बहुत खूबसूरत लग रही हैं। अदिति राव हैदरी ने सिद्धार्थ से 2024 में तेलंगाना के वानापार्थी में शादी की थी। दोनों की ये दूसरी शादी थी। इनका पहले पार्टनर से तलाक हो गया था और ये लंबे समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। अदिति राव हैदरी को आखिरी बार हीरामंडी सीरीज में देखा गया था।

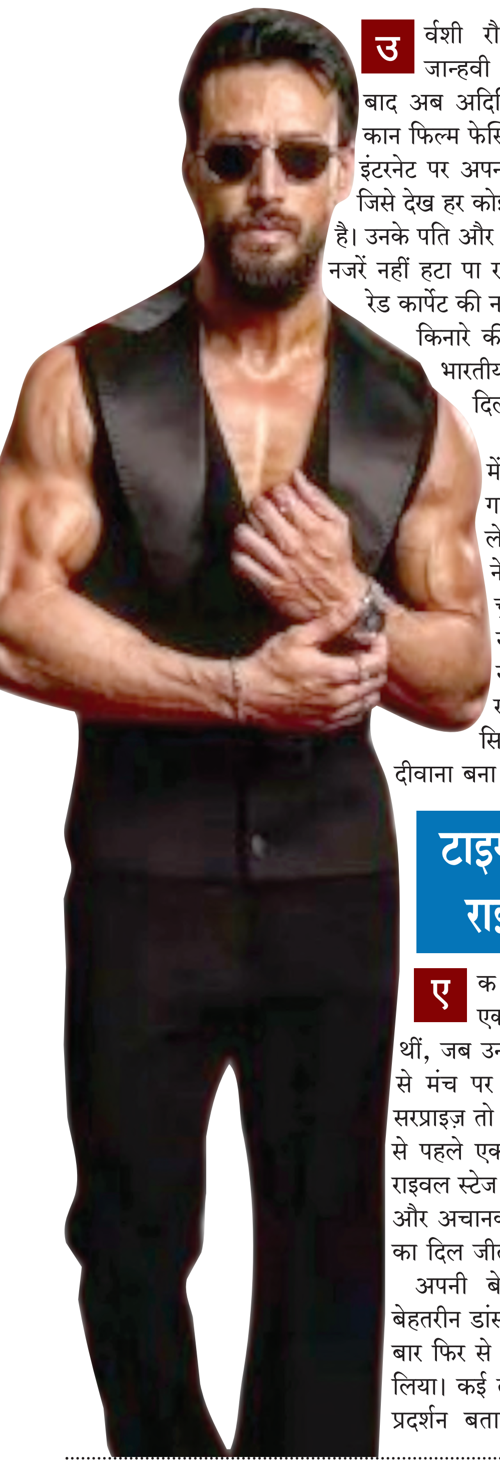

टाइगर श्रॉफ की सबसे छोटी और सबसे प्यारी डांस राइवल के साथ धांसू परफ़ॉर्मेंस ने लूटा महफिल

एक अवॉर्ड शो के दौरान सभी की निगाहें एक्शन सुपरस्टार टाइगर श्रॉफ पर टिकी थीं, जब उन्होंने अपने धमाकेदार डांस परफॉर्मेंस से मंच पर धूम मचा दी थी। लेकिन असली सरप्राइज़ तो तब आया जब उनके धमाकेदार डांस से पहले एक नन्ही फैन और उनकी छोटी डांस राइवल स्टेज पर उनके साथ शामिल हुईं। इस प्यारे और अचानक हुए डांस फेस-ऑफ़ ने पूरे दर्शकों का दिल जीत लिया।

अपनी बेजोड़ फुर्ती, दमदार एक्शन और बेहतरीन डांस मूव्स के लिए मशहूर टाइगर ने एक बार फिर से अपने डांस से दर्शकों का दिल जीत लिया। कई लोगों ने इसे रात का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन बताया। हवा में कलाबाज़ियाँ हो या म्यूज़िक पर उनका स्मूद डांस, टाइगर ने स्टेज पर सचमुच धमाका कर दिया।

लेकिन जिस पल ने सबका दिल छू लिया, वह था उस नन्ही डांसर के साथ टाइगर का साझा किया गया मनमोहक पल। टाइगर, जिन्हें हमेशा से बच्चों से लगाव रहा है और जिन्हें अक्सर अपने सबसे छोटे प्रशंसकों के साथ बातचीत करते हुए देखा जाता है, टाइगर ने इस छोटे फैन के साथ मस्तीभरे अंदाज़ में डांस किया-एक ऐसा लम्हा जिसने साबित कर दिया कि वे सिर्फ़ एक्शन के किंग ही नहीं, बल्कि बच्चों के चहेते भी हैं।

मोहम्मद रफी ने मेरे करियर को दिया आकार : सोनू निगम

गायक सोनू निगम ने म्यूजिक इवेंट सौ साल पहले 2.0 - एक बार फिर से के साथ मोहम्मद रफी को श्रद्धांजलि दी। मशहूर गायक ने दिवंगत रफी साहब को अपना गुरु बताया और उन्हें अपनी सफलता का श्रेय दिया। शो में सोनू निगम ने अपने जज्बात साझा किए। उन्होंने कहा, मैं अपने पहले गुरु मोहम्मद रफी साहब और अपने माता-पिता का बहुत आभारी हूं। मेरे पिता ने ही मुझे रफी साहब की गायकी और संगीत से परिचित कराया, फिर रफी साहब ने मेरे करियर को आकार दिया, मुझे वह बनाया जो मैं आज हूं।

उन्होंने आगे कहा, रफी साहब की वजह से मैं हूं, मेरा वजूद है। इसलिए, यह संगीत कार्यक्रम मेरे दिल में खास जगह रखता है। क्योंकि यह अपने गुरु के प्रति भक्ति या श्रद्धा व्यक्त करने का भी एक शानदार मौका है।

एनआर टैलेंट ने इस संगीत कार्यक्रम का आयोजन मोहम्मद रफी के सम्मान में रखा था, जिसमें सोनू ने अपने माता-पिता के साथ मोहम्मद रफी को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में मोहम्मद रफी के कई गानों को शामिल किया गया।

सोनू निगम ने तू कहां ये बता, तुम मिल गए हो, मैं जिंदगी का साथ, रंग और नूर की बारात, परदा है परदा, पुकारता चला हूं मैं, दर्द-ए-दिल, सुहानी रात, क्या हुआ तेरा वादा जैसे क्लासिक गाने पेश किए। सोनू ने रफी के क्लासिक फिर मिलोगे कभी, एहसान तेरा होगा मुझ पर, अभी ना जाओ छोड़कर, जाने क्या ढूंढती रहती हैं, जो वादा किया वो, चौदहवीं का चांद समेत अन्य गाने गाए। कॉन्सर्ट में सोनू ने अपने दोनों गुरुओं - मोहम्मद रफी और उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान के बच्चों को मंच पर आमंत्रित किया।

मोहम्मद रफी के बेटे शाहिद रफी के साथ उनकी पत्नी फिरदौस भी थीं, उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान के बेटे रब्बानी मुस्तफा खान के साथ उनकी पत्नी नम्रता गुप्ता खान भी थीं। भावुक शाहिद रफी ने जब चांद मेरा दिल और गुलाबी आंखें गाने गाए तो दर्शकों ने खड़े होकर तालियां बजाईं। एनआर टैलेंट एंड इवेंट मैनेजमेंट के होस्ट रब्बानी मुस्तफा खान और नम्रता गुप्ता खान ने संयुक्त रूप से कहा, हम सम्मानित महसूस करते हैं कि ईश्वर ने हमें इस तरह का कार्यक्रम आयोजित करने के लिए चुना। 24 दिसंबर, 2024 को रफी साहब की 100वीं जयंती पर सौ साल पहले की शानदार सफलता को देखते हुए हमने यह फैसला लिया।

सोफी चौधरी ने बांधे ऋतिक रोशन की तारीफों के पुल, कहा

ग्रीक गॉड जैसा है उनका लुक

मशहूर सिंगर और एक्ट्रेस सोफी चौधरी इन दिनों ऋतिक रोशन की फिल्म वॉर 2 के रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। इस कड़ी में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें वह ऋतिक की तारीफ करते हुए कह रही हैं कि उन्हें एक्टर की एक्टिंग और स्क्रीन पर उनकी मौजूदगी काफी पसंद है। साथ ही ऋतिक के लुक को ग्रीक गॉड जैसा बताया ने कहा कि वह वॉर 2 में ऋतिक का जबरद एक्शन देखने के लिए बेहद उत्साहित है शेयर किए गए वीडियो में सोफी और ऋतिक एक साथ नजर आ रहे हैं। दोनों फिल्म बैंग बैंग के गाने तू मेरी पर डांस कर रहे हैं। बता दें कि इस गाने को विशाल ददलानी ने गाया है।वीडियो में सोफी औ ऋतिक की जोड़ी के अलग-अलग ड परफॉर्मेंस का कंपाइलेशन है।इस वीडियो शेयर करते हुए सोफी चौधरी ने कैप्शन में वह प्रेरणादायक हैं। उनके अंदर टैलेंट, कड़ी और सादगी का बेहतरीन संतुलन है। ग्रीक गॉड जैसी खूबसूरत लुक के साथ, वह मजेदार व्यक्ति भी हैं। वह हर दिन खुद को और बेहतर बनाना चाहते हैं। इन खास लम्हों को संजो रही हूं। मैं वॉर 2 में उन्हें शानदार प्रदर्शन करते हुए देखने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।इससे पहले सोफी ने अपने एक लाइव परफॉर्मेंस का वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो में उन्होंने अपनी खुशी और उत्साह को दिखाया। वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा - हंगामाज् यह एनर्जी मैं इस वीकेंड और हर बार स्टेज पर लाती हूं। क्या शानदार रात थी। इसके साथ ही मैं उन सभी सिक्योरिटी टीम्स का धन्यवाद करना चाहती हूं जो हमेशा हमें इवेंट्स में सुरक्षित रखते हैं।फिल्म वॉर 2 की बात करें तो इसमें एनटीआर खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं। वहीं ऋतिक रॉ एजेंट मेजर कबीर धालीवाल के अपने पुराने किरदार में लौट रहे हैं। दोनों

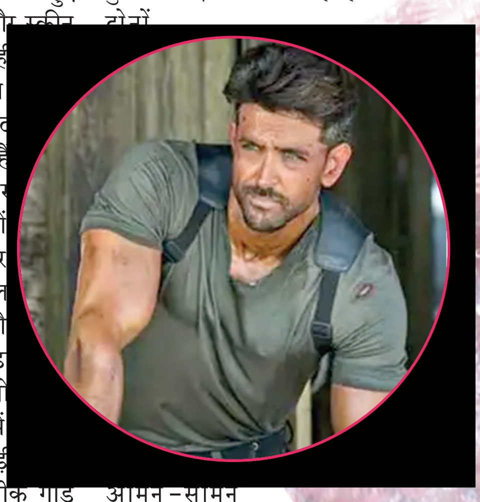

आमने-सामने एक-दूसरे को टक्कर देंगे। इस फिल्म में कियारा आडवाणी भी अहम भूमिका में नजर आएंगी।फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी कर रहे हैं, जो ब्रह्मास्त्र जैसी फिल्म के लिए जाने जाते हैं। यह 14 अगस्त को हिंदी, तमिल, तेलुगू, मलयालम और कन्नड़ में सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।यह फिल्म यशराज स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है, जिसमें पहले एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है, वॉर और पठान जैसी दमदार फिल्में आ चुकी हैं।

मासिक शिवरात्रि के दिन करें ये उपाय, घर में जल्द बजेगी शहनाई

मासिक शिवरात्रि के दिन विधिपूर्वक भगवान शिव और मां पार्वती की विशेष पूजा-अर्चना होती है। साथ ही अन्न और कपड़े समेत आदि चीजों का दान किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, मासिक शिवरात्रि व्रत और पूजा करने से साधक को महादेव की कृपा प्राप्त होती है। साथ ही जीवन में खुशियों का आगमन होता है।

अगर आप भी महादेव को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो मासिक शिवरात्रि के दिन पूजा के साथ उपाय जरूर करें। ऐसा माना जाता है कि मासिक शिवरात्रि के दिन उपाय करने से विवाह में आ रही बाधा से छुटकारा मिलता है। साथ ही सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

वैदिक पंचांग के अनुसार, 25 मई को दोपहर में 03 बजकर 51 मिनट पर ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 26 मई को दोपहर में 12 बजकर 11 मिनट पर होगा। ऐसे में मासिक शिवरात्रि व्रत 25 मई को किया जाएगा।

इस दिन शिव जी की पूजा करने का शुभ मुहूर्त दोपहर में रात 11 बजकर 58 मिनट से 12 बजकर 38 मिनट तक। इस दौरान किसी भी समय पूजा कर सकते हैं।

मंगल दोष को ऐसे करें दूर

मंगल दोष की समस्या से छुटकारा पाने के लिए मासिक शिवरात्रि का दिन शुभ माना जाता है। इस दिन

सुबह स्नान करने के बाद महादेव के संग मां पार्वती की पूजा-अर्चना करें। गंगाजल में लाल फूल, लाल चंदन डालकर शिवलिंग का अभिषेक करें। इस दौरान महादेव के मंत्रों का जप करें। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस उपाय को करने से कुंडली में मंगल दोष दूर होता है। साथ ही साधक को जीवन में सभी सुख मिलते हैं।

मिलेगा मनचाहा वर

अगर आप मनचाहा वर पाना चाहते हैं, तो मासिक शिवरात्रि के दिन गंगाजल और शहद से शिवलिंग का अभिषेक करें। साथ ही मनचाहा वर की प्राप्ति के लिए प्रार्थना करें। आखिरी में आरती करने के बाद भोग लगाएं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस टोटके को करने से मनचाहा वर मिलता है।

शादी में आ रही बाधा होगी दूर

शादी में आ रही बाधा को दूर करने के लिए मासिक शिवरात्रि के दिन शिवलिंग का केसर और दूध से अभिषेक करें। इस उपाय को करने से शादी में आ रही बाधा दूर होती है। साथ ही जल्द ही विवाह के योग बनते हैं।

प्रदोष व्रत के दिन इन जगहों पर जलाएं दीपक, घर में बनी रहेगी सुख-शांति

हर महीने में दो बार प्रदोष व्रत किया जाता है। इस खास तिथि पर देवों के देव महादेव और मां पार्वती की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। साथ ही कुछ जगहों पर दीपक जलाने का विधान है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस उपाय को करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का आगमन होता है और सुख-शांति बनी रहती है। प्रदोष व्रत करने से भगवान शिव की कृपा से साधक को कारोबार में सफलता मिलती है। ऐसे जानते हैं कि प्रदोष के दिन किन जगहों पर दीपक जाना शुभ माना जाता है।

महादेव की कृपा होगी प्राप्त

सनातन धर्म में रोजाना घर के मुख्य द्वार दीपक जलाना शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, घर के मुख्य द्वार पर दीपक जलाने से नकारात्मक ऊर्जा से छुटकारा मिलता है। साथ ही घर में सुख-शांति बनी रहती है। ऐसे में आप प्रदोष व्रत के दिन संध्याकाल में घर के मेन गेट पर तेल या देसी घी का दीपक जरूर जलाएं। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से महादेव साधक को महादेव की कृपा प्राप्त होगी।

कभी खाली नहीं होगी तिजोरी

धार्मिक मान्यता के अनुसार, तुलसी के पौधे में मां लक्ष्मी का वास माना जाता है। इस पौधे को अधिकतर हिंदुओं के घरों में देखने को मिलता है। ऐसा माना जाता है कि इस पौधे को घर में लगाने से मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। साथ ही तिजोरी कभी खाली नहीं होती है, तो ऐसे में आप भी प्रदोष व्रत के दिन तुलसी के पास देसी घी का दीपक जलाएं। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय करने से मां लक्ष्मी की कृपा से रुके हुए काम पूरे होंगे और धन लाभ के योग बनेंगे।

जरूर करें दीपदान

प्रदोष व्रत के दिन सुबह पवित्र नदी में स्नान करें और सूर्य देव को अर्घ्य देने के बाद दीपदान जरूर करें। धार्मिक मान्यता के अनुसार, प्रदोष व्रत के दिन दीपदान करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। साथ ही उनकी कृपा से जीवन में खुशियों का आगमन होता है।

प्रदोष व्रत शुभ मुहूर्त

ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि की शुरुआत- 24 मई को सुबह 07 बजकर 20 मिनट पर ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि का समापन- 25 मई को दोपहर 03 बजकर 51 मिनट पर ऐसे में 24 मई को प्रदोष व्रत किया जाएगा।

राहु कर चुके हैं कुंभ राशि में गोचर जानिए किन दो राशियों को मिलेगा लाभ

वर्तमान में राहु देव मीन राशि में गोचर कर रहे हैं तथा पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र में स्थित हैं। यह नक्षत्र बृहस्पति देव के आधिपत्य में आता है। 18 मई 2025 को राहु देव कुम्भ राशि में प्रवेश किया, किंतु तब भी वे पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र में ही स्थित रहेंगे।

इसके बाद, 25 नवम्बर 2025 को राहु देव शतभिषा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे, जो स्वयं राहु देव के ही स्वामित्व वाला नक्षत्र है। इस समय के दौरान राहु देव की शक्ति अत्यंत प्रबल रहेगी और वे अपने कारकत्वों के अनुसार परिणाम देने में सक्षम होंगे।

मिलेंगे ये परिणाम

राहु देव यहां लगभग 9 माह तक स्थित रहेंगे, इसके उपरांत वे धनिष्ठा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे, जिसका स्वामी मंगल देव हैं। चूंकि राहु और मंगल देव के बीच शत्रुता मानी जाती है, इसलिए इस काल में राहु देव की स्थिति से उत्पन्न विपरीत परिणाम, शुभताओं पर हावी हो सकते हैं। वहीं दूसरी ओर, केतु देव इस समय कन्या राशि में उत्तर फाल्गुनी नक्षत्र में स्थित हैं।

इस राशि पर होगा प्रभाव

18 मई 2025 को केतु देव सिंह राशि में प्रवेश किया, किंतु वे 20 जुलाई 2025 को पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे, जिसका स्वामी शुक्र देव हैं। इसके पश्चात अगले वर्ष, 29 मार्च 2026 को केतु देव मघा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। यह नक्षत्र स्वयं केतु देव के अधीन होता है, जिससे यह समय उनके लिए आत्मबल और परिणाम देने की दृष्टि से अत्यंत प्रभावकारी हो सकता है।

कुंभ राशि में राहु देव

राहु देव को कुंभ राशि में अत्यंत स्वाभाविक और अनुकूल अनुभव होता है। इस राशि के सह-स्वामी स्वयं राहु देव माने जाते हैं। राहु देव मोह, भ्रांतियों, सीमाओं को तोड़ने, भविष्यवादी सोच, विदेशी तत्वों तथा विद्रोही प्रवृत्तियों के प्रतीक माने जाते हैं। कुंभ राशि स्वयं अपारंपरिक चिंतन, सामूहिकता (जैसे समूह में कार्य करना), नवाचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे भविष्यमुखी विषयों एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़ी होती है।

जैसे ही राहु देव इस वर्ष के अंत में अपने ही नक्षत्र शतभिषा में प्रवेश करेंगे, कृत्रिम बुद्धिमत्ता या ऐसी किसी अन्य तकनीकी क्रांति से संबंधित कुछ महत्व-पूर्ण वैश्विक घटनाएं घट सकती हैं।

सिंह राशि में केतु देव

यह स्थिति अत्यंत तीव्र और उग्र मानी जाती है, क्योंकि केतु देव स्वयं एक अग्नितत्व प्रधान ग्रह हैं और सिंह राशि भी अग्नि तत्व की ही एक प्रमुख राशि है। हालाँकि, यह स्थान एक आंतरिक विरोधाभास भी उत्पन्न करता है। केतु देव का स्वरूप वैराग्य, त्याग, अहं के विसर्जन और आत्म-निवृत्ति से जुड़ा है, जबकि सिंह राशि आत्म-प्रदर्शन, अहंभाव, नेतृत्व और पहचान के उत्कर्ष की प्रतीक मानी जाती है।

ऐसे में सिंह राशि में केतु देव का गोचर आत्मविश्वास में किसी प्रकार की गिरावट ला सकता है, किन्तु यह अवस्था व्यक्ति को अपने जीवन का उद्देश्य, नेतृत्व की शैली और पहचान को बिना बाहरी मान्यता या प्रशंसा के पुनर्परिभाषित करने की ओर भी प्रेरित कर सकती है।

इन उपायों से कुंडली में मजबूत हो सकता है शुक्र सुख-सुविधाओं की नहीं होती कोई कमी

माना जाता है कि जिस जातक की कुंडली में शुक्र ग्रह की स्थिति ठीक होती है, उसके जीवन में भौतिक सुखों की कोई कमी नहीं होती। साथ ही प्रेम संबंध भी मजबूत बने रहते हैं। ऐसे में अगर आप भी अपनी कुंडली में शुक्र ग्रह की स्थिति मजबूत करना चाहते हैं, तो इसके लिए ये उपाय कर सकते हैं।

अगर किसी जातक की कुंडली में शुक्र की स्थिति कमजोर होती है, तो इससे व्यक्ति के दांपत्य जीवन पर बुरा प्रभाव पड़ता है और जातक सुख नहीं रहता। साथ ही व्यक्ति को कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं भी घर लेती हैं। इसके साथ ही कुंडली में शुक्र कमजोर होने पर जातक का आत्मविश्वास कमजोर होता है और उसे मान-सम्मान की प्राप्ति नहीं होती।

इस दिन करें व्रत

शुक्र ग्रह को प्रसन्न करने के लिए शुक्रवार का दिन सबसे उत्तम माना जाता है। ऐसे में आपको इस दिन पर व्रत जरूर करना चाहिए। इससे भी कुंडली में शुक्र ग्रह को मजबूत किया

जा सकता है। लगातार इस व्रत को करने से व्यक्ति को सुख, सौभाग्य और समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है।

करें इन मंत्र का जप

शुक्र ग्रह की स्थिति मजबूत करने के लिए शुक्रवार के दिन सफेद रंग के कपड़े पहनने और शुक्र मंत्र ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः का 108 बार जप करें। इसके सथ ही आप शुक्रवार की पूजा के बाद किसी गरीब ब्राह्मण को सफेद रंग के कपड़े, सुगंधित वस्तुएं, सौदर्य की सामग्री और इत्र आदि का दान कर सकते हैं। ऐसा करने से जातक की कुंडली में शुक्र की स्थिति मजबूत हो सकती है।

करें इन चीजों का दान

कुंडली में शुक्र ग्रह की स्थिति मजबूत करने के लिए सफेद रंग वस्तुओं का दान जैसे सफेद वस्त्र, दूध, दही, चीनी, चावल, घी, मिश्री, कपूर और सफेद मिठाई आदि का दान कर सकते हैं। इससे आपको अपनी स्थिति में लाभ देखने को मिल सकता है।

रात में सोने से पहले अपनाएं ये वास्तु टिप्स नींद से जुड़ी समस्याएं होगी दूर

कहा जाता है कि अगर घर में वास्तु नियमों का ध्यान रखा जाए, तो इससे घर में सुख-समृद्धि का माहौल बना रहता है। आज हम आपको कुछ ऐसे वास्तु टिप्स बताने जा रहे हैं, जिनका पालन करने से आपको नींद न आने की समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

सोने की सही दिशा – उत्तर दिशा में सिर करके सोने से बचना चाहिए, क्योंकि ऐसा करने पर आपके पैर दक्षिण दिशा की ओर होंगे जिसे बिल्कुल भी शुभ नहीं माना जाता। इसके साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें आपका बिस्तर कभी भी उत्तर-पूर्व दिशा में नहीं होना चाहिए। इससे व्यक्ति को नींद संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

सिरहाने रखकर सोएं ये चीजें – वास्तु शास्त्र के नियमों के अनुसार, सोने से पहले एक तांबे के लोटे में पानी भरकर उसे अपने सिरहाने पर रख लें। सुबह उठकर इस पानी को किसी पौधे में डाल दें। ऐसा करना काफी शुभ माना जाता है। इसके साथ ही आप तकिए के नीचे हरी इलायची रखकर भी सो सकते हैं। ऐसा करने से नींद न आने की समस्या दूर होती है।

सोने से पहले करें ये काम – सोने से पहले अपने इष्ट देव का ध्यान करना चाहिए। इसी के साथ इस बात का भी ध्यान रखें कि सोते समय मन में किसी तरह के नकारात्मक विचार न लाएं, बल्कि हमेशा कुछ सकारात्मक विचारों के साथ ही सोना चाहिए। इसी के साथ हाथ-पैर धोकर सोने से भी अच्छी नींद आती है।

इन चीजों से बनाएं दूरी – अपने बिस्तर के पास कभी भी इलेक्ट्रॉनिक सामान जैसे फॉन, टेब आदि रखकर न सोएं और न ही सोने से पहले ज्यादा देर इनका इस्तेमाल करें। ऐसा करने से आपकी नींद में बाधा उत्पन्न हो सकती है। इसके साथ ही वास्तु शास्त्र में यह बताया गया है कि सोते समय कभी भी अपने सिरहाने के पास चमड़े से बनी चीजें नहीं रखनी चाहिए, यह भी आपके लिए नुकसानदायक साबित हो सकती हैं।

करते हैं शालिग्राम जी की पूजा, तो जरूर रखें इन बातों का ध्यान

आपने कई घरों में शालिग्राम भगवान को विराजते हुए होते हुए देखा होगा। विष्णु पुराण में इस बात का वर्णन किया गया है कि जिस घर में शालिग्राम स्थापित किए जाते हैं, वह घर किसी तीर्थ से कम नहीं होता। माना जाता है कि शालिग्राम जी की पूजा तभी सफल होती है, जब उनके नियमों का ध्यान रखा जाए।

इस तरह करें पूजा

सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि से निवृत हो जाएं।

शालिग्राम जी को पंचामृत (दूध, दही, शहद, शक्कर, घी) से स्नान कराएं।

इसके बाद चंदन का तिलक लगाएं और फूल व फल अर्पित करें।

शुद्ध घी का दीपक जलाएं और भगवान विष्णु की आरती करें।

भोग में तुलसी का पत्ता जरूर डालें।

अंत में सभी लोगों में प्रसाद बांटें।

इन बातों का रखें ध्यान

शालिग्राम जी की नियमित रूप से पूजा-अर्चना करने का विधान है। ऐसे में कोशिश करें कि पूजा का क्रम न टूटे। पूजा के दौरान पवित्रता और स्वच्छता का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए। शालिग्राम को तुलसी के पौधे के पास रखना ज्यादा शुभ माना जाता है। शालिग्राम जी भगवान विष्णु के ही स्वरूप हैं, ऐसे में उनके भोग में तुलसी

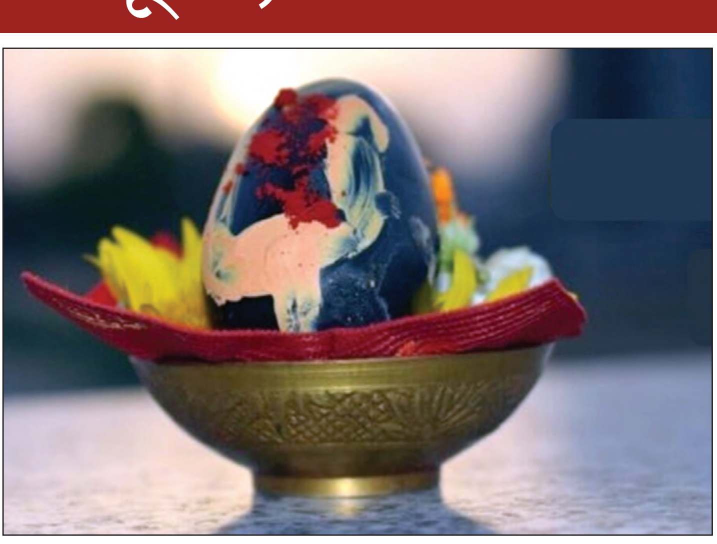

जरूर शामिल करें।

तभी मिलेगा पूर्ण फल

शालिग्राम जी की पूजा में कभी भी उन्हें अक्षत नहीं चढ़ाना चाहिए। जहां भी आपने शालिग्राम जी को स्थापित किया है वहां पर पवित्रता और स्वच्छता का जरूरी रूप से ध्यान रखें। घर में एक से ज्यादा शालिग्राम रखना भी शुभ नहीं माना जाता। शालिग्राम जी पूजा करने वाले साधक को मांस-मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए। इस बातों का ध्यान रखने पर ही आपको पूजा का पूर्ण फल मिल सकता है।

पूजा के मंत्र

आप शालिग्राम की पूजा में इन मंत्रों का जप कर सकते हैं, जिससे आपको प्रभु श्रीहरि की भी कृपा की प्राप्ति होती है –

1. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
2. श्रीकृष्ण गोविन्द हरे मुरारे।
हे नाथ नारायण वासुदेवाय।।
3. ॐ नारायणाय विद्महे। वासुदेवाय धीमहि। तन्नो विष्णु प्रचोदयात्।।
4. ॐ विष्णवे नम:
5. ॐ हूं विष्णवे नम:

संपादकीय

सामरिक चुनौतियों का बजट

भारत के लिए पाकिस्तान ही सामरिक और आतंकवादी समस्या नहीं है। चीन भी समान चुनौती है। बेशक भारत और चीन आपसी संबंधों को बेहतर बनाने में जुटे हैं। लद्दाख वास्तविक नियंत्रण रेखा वाले युद्ध-क्षेत्र से दोनों देशों की सेनाएं पीछे हट चुकी हैं। अमरीकी टैरिफ दबाव के मद्देनजर चीन भारत के साथ व्यापार को बढ़ाने के पक्ष में है, लेकिन चीन चुपचाप पीठ में छुरा घोंपने वाला देश रहा है। पाकिस्तान के साथ हालिया सैन्य संघर्ष में चीन ने उसे वायु रक्षा प्रणाली, मिसाइलें दीं, ड्रोन भी दिए और सैनिक भी पाकिस्तानी फौज के मुखौटे और लिबास में लड़े। पाकिस्तान हमारे लिए शाश्वत चुनौती है। युद्ध के आसार कभी भी बन सकते हैं। हालांकि भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान की सामरिक तैयारियों को ध्वस्त कर दिया है। उसके प्रमुख एयरबेस इतने तबाह कर दिए हैं कि वहां से किसी भी लड़ाकू विमान का उड़ान भरना नामुमकिन है। उन एयरबेस के पुनर्निर्माण के लिए पाकिस्तानी हुकूमत ने निविदाएं सार्वजनिक की हैं। बेशक वह सामरिक तौर पर तैयार रहना चाहता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पाकिस्तान को कर्ज की किस्त जारी करने से पहले 11 शर्तें तय की हैं, लेकिन उनमें एक भी ऐसी नहीं है, जो युद्ध और आतंकवाद को रोकने वाली हो। बेशक आईएमएफ ने विकास पर किए जाने वाले बजटीय खर्च को लेकर सवाल जरूर किए हैं।

> पाकिस्तान के साथ हालिया सैन्य संघर्ष में चीन ने उसे वायु रक्षा प्रणाली, मिसाइलें दीं, ड्रोन भी दिए और सैनिक भी पाकिस्तानी फौज के मुखौटे और लिबास में लड़े। पाकिस्तान हमारे लिए शाश्वत चुनौती है। युद्ध के आसार कभी भी बन सकते हैं। हालांकि भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान की सामरिक तैयारियों को ध्वस्त कर दिया है। उसके प्रमुख एयरबेस इतने तबाह कर दिए हैं कि वहां से किसी भी लड़ाकू विमान का उड़ान भरना नामुमकिन है। उन एयरबेस के पुनर्निर्माण के लिए पाकिस्तानी हुकूमत ने निविदाएं सार्वजनिक की हैं। बेशक वह सामरिक तौर पर तैयार रहना चाहता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पाकिस्तान को कर्ज की किस्त जारी करने से पहले 11 शर्तें तय की हैं, लेकिन उनमें एक भी ऐसी नहीं है, जो युद्ध और आतंकवाद को रोकने वाली हो। बेशक आईएमएफ ने विकास पर किए जाने वाले बजटीय खर्च को लेकर सवाल जरूर किए हैं।

बहरहाल समस्या भारतीय सेनाओं के यथाशीघ्र आधुनिकीकरण की है, जिसके लिए रक्षा बजट में 26 फीसदी अतिरिक्त पूंजी के आवंटन की घोषणा की गई है। यह 50,000 करोड़ रुपए की वित्तीय मदद पर्याप्त नहीं है। बेशक भारत का रक्षा बजट 7.30 लाख करोड़ रुपए से अधिक का हो गया है, लेकिन अब भी वह सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का मात्र 1.9 फीसदी ही है। जो भारत की जरूरतें हैं और सामरिक चुनौतियां हैं, उनके मद्देनजर रक्षा बजट जीडीपी का कमोबेश 2.5 फीसदी के बराबर या उससे अधिक होना चाहिए। सामरिक तैयारियां 20-25 साला परियोजना नहीं हो सकती। बजट में जो बढ़ोतरी की गई है, उसका अधिकतम हिस्सा महंगे, विदेशी हथियार और उपकरण खरीदने पर ही खर्च हो सकता है, लेकिन भारत को स्वदेशी रक्षा-उत्पादन तुरंत बढ़ाना चाहिए। उसके मद्देनजर रक्षा-क्षेत्र की निजी कंपनियों को आक्रामक समर्थन और सहयोग देकर रक्षा-खरीद को विस्तार देना बेहद जरूरी है। तुलना पाकिस्तान से नहीं, चीन की रक्षा तैयारियों के साथ करनी चाहिए। हमारी वायुसेना के पास बेहद आक्रामक और सटीक निशाने वाले लड़ाकू विमान हैं, लेकिन उनके दस्तों की संख्या 31 है, जबकि स्वीकृत संख्या 42 है। मौजूदा भारत-पाक संघर्ष में निर्णायक भूमिका हवाई हमलों ने ही निभाई। हालांकि एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सेनाएं परंपरागत लड़ाई लड़ती रहीं, लेकिन पाकिस्तान की तबाही हमारे लड़ाकू विमानों और सटीक मिसाइलों ने ही तय की। ब्रह्मोस मिसाइल ने तो रिकॉर्ड कायम किए, लिहाजा आज करीब 20 देश हमसे ब्रह्मोस मिसाइल खरीदना चाहते हैं। एस-400, स्वदेशी प्लेटफॉर्म, विमान-रोधी समर और आकाश मिसाइल सिस्टम आदि का प्रदर्शन कमाल का रहा। दुश्मन के ड्रोन और मिसाइलें आकाश में ही टुकड़ा-टुकड़ा करने में हम सफल रहे। ये हमारे रक्षा शोध और विकास के सफलतम परिणाम साबित हुए, लेकिन सरकार का निवेश और अनुबंध अभी और भी बढ़ाए जाने चाहिए। लड़ाकू विमान राफेल, सुखोई, मिग, मिराज आदि तक ही सीमित नहीं रहने चाहिए। हमें अपने 'अवाक्स सिस्टम' को अधिक अपग्रेड करने की जरूरत है। पाकिस्तान के पास चीन के विकसित लड़ाकू विमान भी हैं। बेशक हालिया संघर्ष में पाकिस्तान नाकाम रहा, लेकिन उसके पास सामरिक तैयारी तो है। यह ध्यान रहे।

आप का नजरिया

कुछ नया करने की खोज

सियासत के पहाड़ को जमीन पर पटकने की कोशिश में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का नाम भी अंकित होने लगा है। राजनीति को जो कबूल होता है, उसके विपरीत चलना महंगा सौदा है, लेकिन इस विधा का अपना एक साहस है। कड़े फैसलों के मुख्यमंत्री होने का सबब सुक्खू जोड़ रहे हैं, तो इस एहसास की अपनी कीमत है। जो कांग्रेस कल तक गारंटियों के मकडज़ाल में अपनी हस्ती जोड़ रही थी, वह आज प्रदेश की वास्तविकता में अपना पांव जमाना चाहती है। जाहिर है दफ्तरी माहौल में बाबू साम्राज्य, स्कूली माहौल में शिक्षक साम्राज्य और भू राजस्व के अंकगणित में पटवारी-कानूनगो साम्राज्य को नए दौर के दायित्व और जवाबदेही ने कुछ हद तक सीधा किया है, तो मलाल होगा। अब इसी दौर की अगली परिक्रमा में शिमला की भीड़ से उनींदे कार्यालयों को नई संगत में चलने की नसीहत दी जा रही है। कारवां बदलने को बस इक नई मंजिल चाहिए, तेरे मुकाम पे लिख दिया है उसने इक नया पैगाम। पैगाम यह कि अब शिमला के रचे बसे माहौल से रुखसत होंगे कुछ विभागों के मुख्यालय और कार्यसंस्कृति के तहखाने। वाइल्ड लाइफ और एचपीटीडीसी के मुख्यालयों की छंटनी के बाद अब रेरा, सूचना आयोग और राज्य शिक्षा विभाग जैसे कार्यालयों की जुंबिश में प्रशासनिक शहर धर्मशाला का दरबार सजेगा या यह कसरतें तोलने-मरोडऩे की ही साबित होंगी। कड़े फैसले इसलिए कि पहली बार सरकारी कार्यसंस्कृति का स्थानांतरण हो रहा है। शिमला से राज्य को देखना एक तयशुदा संस्कृति का हिस्सा बन चुका है, जो हर सरकार की किश्ती को पतवार से चलाता है, लेकिन अब पूरे राज्य को देखने की दिशा और दृष्टि बदल रही है। जाहिर है पर्यटन विकास निगम अगर निचले हिमाचल की आंख से देखेगा तो व्यावसायिक करवटें बदलेंगी और इसी के परिप्रेक्ष्य में घाटे की इकाइयों की थकान मिटेगी। राजधानी शिमला की एक अजीब सी थकान के भौगोलिक, सियासी मजमून रहे हैं, जिन्हें खंगाला तो जाता है, लेकिन हर सरकार को थका कर यह फिर से पसर जाती है हर बार। सरकारें बदलती हैं, लेकिन सरकारी मशीनरी का आचरण नहीं बदलता। इसलिए जब सुक्खू सरकार ने रुके हुए इंतकाल के लिए राजस्व विभाग को लक्ष्य दिए, तो इंकलाब आया। ऐसी क्रांतियां हर विभाग को थकान से बाहर लाने की चुनौती है। शिमला में रुकी हुई कार्यसंस्कृति को पूरे राज्य में घुमाने का इंतखाब एक अच्छी पहल हो सकती है, बशर्ते इसके साथ स्थानांतरण पद्धति की संरचना भी की जाए। सख्त फैसलों पर आसीन सरकारों की शिनाख्त करें, तो शांता कुमार, वीरभद्र सिंह के बाद सुखविंदर सुक्खू राजनीति के कवच के बाहर अपनी हस्ती तलाश रहे हैं। एक सरकार जिसे हर माह उधार के बजट पर पांव पसारने हों, उसके लिए राज्य के संसाधनों के इस्तेमाल को एक पैनी निगाह और बचत की दरगाह खोजनी ही पड़ेगी। एक अनूठी तफतीश जिसे व्यवस्था परिवर्तन का नारा बनाने की कोशिश हो रही है। यह नजरिया बदलने का इंतखाब है, जरा संभल के चलने का अभ्यास है। सरकारें अपनी फिजूलखर्चियों से बाहर निकलें, तो सामथ्र्य का हिसाब हो या न हो, लेकिन समर्थन का हाथ जरूर मिलेगा। नीतियां कड़वी होंगी, तो आलोचना के कांटे उगेंगे। बेशक इसी आलोचना के कुछ संदर्भ सुक्खू सरकार के मौजूदा हालात पर गौर फरमा रहे हैं, लेकिन प्रदेश को अगर चलना है तो सियासी शौक या प्रदर्शन पर अंकुश चाहिए। परिवहन सेवाओं में सियासी दलाली के बजाय घाटे पर नकेल और व्यवस्था में जवाबदेही चाहिए।

'हमने देखा है कि चीन ने अरुणाचल के कुछ स्थलों के नाम बदलने का खोखला एवं निरर्थक काम किया

चीन की हरकतों का सच

प्रमोद भार्गव

> भारत द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर में अपने बोकस हथियारों का हश्र देखने के बाद बौखलाए चीन ने युद्धविराम से पहले अपनी आत्मतुष्टि के लिए अरुणाचल प्रदेश के 27 स्थलों को चीनी नाम दे दिए। इनमें रहवासी बस्तियों समेत नदियां और पहाड़ शामिल हैं। चीन अरुणाचल में ऐसी हरकतें पहले भी कर चुका है। कुंठित तानाशाह अपनी विचलित मानसिकता को संतुष्ट करने के लिए अकसर ऐसी ही हरकतें करते हैं। चीन की यह कुंठा इसलिए जागृत हुई, क्योंकि भारतीय वायुसेना ने जब पाकिस्तान के आतंकी ठिकाने नेस्तनाबूद करने के लिए ब्रह्मोस और आकाश मिसाइलें दागीं तो चीन द्वारा पाकिस्तान को दी गईं प्रतिरक्षा प्रणाली खोखली साबित हुई।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर में अपने बोकस हथियारों का हश्र देखने के बाद बौखलाए चीन ने युद्धविराम से पहले अपनी आत्मतुष्टि के लिए अरुणाचल प्रदेश के 27 स्थलों को चीनी नाम दे दिए। इनमें रहवासी बस्तियों समेत नदियां और पहाड़ शामिल हैं। चीन अरुणाचल में ऐसी हरकतें पहले भी कर चुका है। कुंठित तानाशाह अपनी विचलित मानसिकता को संतुष्ट करने के लिए अकसर ऐसी ही हरकतें करते हैं। चीन की यह कुंठा इसलिए जागृत हुई, क्योंकि भारतीय वायुसेना ने जब पाकिस्तान के आतंकी ठिकाने नेस्तनाबूद करने के लिए ब्रह्मोस और आकाश मिसाइलें दागीं तो चीन द्वारा पाकिस्तान को दी गईं प्रतिरक्षा प्रणाली खोखली साबित हुई। इससे चीन के घटिया हथियारों की पोल डिजिटल साक्ष्यों के साथ पूरी दुनिया के सामने सार्वजनिक हो गई। परिणामस्वरूप उसके आयुध बाजार को जबरदस्त झटका लग गया। मिसाइल निर्माण करने वाली चीनी कंपनियों के शेयर जमीन पर आ गए। चीन की यह बचकानी हरकत है कि जब भी भारत कोई बड़ा काम करता है, तो चीन पूर्वोत्तर क्षेत्र के इस भारतीय प्रांत में ग्रामों, नगरों, नदियों और पहाड़ों के नाम चीनी भाषा मंदारिन में रख देता है और फिर बाकायदा आधिकारिक बयान अपनी सरकारी वेबसाइट 'ग्लोबल टाइम्स' पर कर देता है। चीन के प्रपंच की यह आदत आभासी या छद्म युद्ध छेडने जैसी बार-बार सामने आती रही है, लेकिन वह अपनी आदत से बाज नहीं आता है। इस हरकत के सामने आने के बाद विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा है कि 'हमने देखा है कि चीन ने अरुणाचल के कुछ स्थलों के नाम बदलने का खोखला एवं निरर्थक काम किया है। अपने पारंपरिक सैद्धांतिक नीति को जारी रखते हुए हम इस तरह की कोशिशों को सिरे से खारिज करते हैं। नाम बदलने की थोथी प्रक्रिया से जमीन पर हकीकत नहीं बदल जाती। अरुणाचल भारत का अभिन्न हिस्सा था, है और रहेगा। चीन ने ऐसी ही हरकत अरुणाचल प्रदेश में तब की थी जब 9 मार्च 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस प्रदेश की 13000 फीट की ऊंचाई पर निर्मित की गई सेला सुरंग का उद्घाटन करने पहुंचे थे। तब अरुणाचल के 30 स्थानों को नए नाम देने की हरकत की थी। डोकलाम विवाद के बाद से ऐसी हरकतें लगातार सामने आती रही हैं। 2017 में जब दलाई लामा अरुणाचल पहुंचे थे, तब भी चीन ने नाम बदले थे। इन नामों की सूची चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स में भी प्रकाशित की जाती है। चीनी नागरिक मामलों का मंत्रालय इन सूचियों को अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर भी डालता है। चीन अरुणाचल प्रदेश को जंगनान रहता है और इसे दक्षिण तिब्बत के हिस्से के रूप में इस राज्य पर अपना अनैतिक दावा जताता है। जबकि चीन

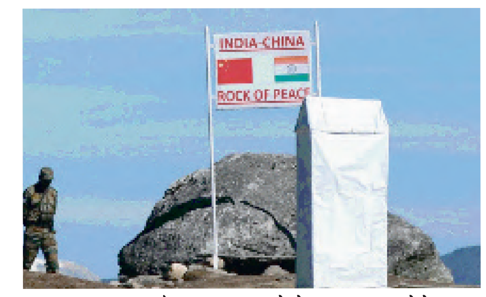

भली-भांति जानता है कि नाम बदलने से कुछ हासिल होने वाला नहीं है। चीन ऐसी हरकत 2017, 2021, 2023, 2024 और अब 2025 में कर रहा है। चीन ये नाम मंदारिन, तिब्बती या फिर पिनयिन भाषाओं में देता है। चीन जब भी भारत का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रुतबा स्थापित हो रहा होता है, तब रुतबे को आहत करने की हीनभावना से यह हरकत करता है। भारत ने जब 9-10 सितंबर 2023 में जी-20 शिखर सम्मेलन नई दिल्ली में आयोजित किया था, तब इस सम्मेलन की एक बैठक अरुणाचल में भी संपन्न हुई थी। तब भी चीन ने अरुणाचल में खिसियानी बिल्ली खंबा नोचे जैसी हरकत दिखाई थी। इस सम्मेलन में चीन शामिल नहीं हुआ था। चीन ने अरुणाचल क्षेत्र में अवैधानिक रूप से गांव बसाने के भी प्रयास किए हैं। चीन अपने मानचित्रों में भी अरुणाचल को अपना बताने की कोशिश करता रहा है। चीन की ये सब हरकतें उसकी विस्तारवादी नीति की कुटिल एवं नापाक इच्छाएं दर्शाती हैं। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में देखें तो साफ है, कि पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तानी आतंकवाद के विरुद्ध ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया तो चीन और तुर्किये खुले रूप में पाकिस्तान के साथ खड़े नजर आए थे। यही नहीं, चीन ने पाकिस्तान को वायु सुरक्षा प्रणाली और ड्रोण दिए थे। लेकिन भारतीय मिसाइलों ने सुरक्षा प्रणाली को ध्वस्त कर दिया। पाकिस्तानी सेना ने ड्रोनों के माध्यम से जो मिसाइलें भारतीय क्षेत्र में दागी, उन्हें वायु सैनिकों द्वारा छोड़ी गई ब्रह्मोस और आकाश मिसाइलों ने आसमान में ही नाकाम कर दिया था। चीन की पाकिस्तान के पक्ष में सीधी उपस्थिति के चलते भारत ने चीन के सरकारी मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स और सरकारी एजेंसी शिन्हुआ के एक्स खाते भारत में बंद कर दिए हैं। ग्लोबल टाइम्स ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कई मनगढ़ंत खबरें दीं और झूठे दावे भी किए थे। सरकार ने यह कदम ऐसे समय उठाया है, जब हाल ही में भारत सरकार ने पाकिस्तान के कई एक्स हैंडल के खिलाफ भी इसी तरह की कार्रवाई की है। साथ ही भारत ने तुर्किये के साथ भी अनेक व्यापार समझौते तोड़ते हुए पर्यटकों के वहां जाने पर रोक लगा दी। चीन की हमेशा ही कुटिल निगाह वास्तविक नियंत्रण रेखा को लांघने की भी रही है। चीन ने 15 जून 2020 को लद्दाख के पश्चिमी क्षेत्र गलवान घाटी में सीमा उल्लंघन का प्रयास किया था। जिसके चलते भारत और चीन की सेनाओं के बीच हिंसक झड़प हुई थी, जिसमें करीब 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे। चीन के भी बड़ी संख्या में सैनिक हताहत हुए थे। लंबे समय तक सैन्य गतिरोध बने रहने के बाद चीन नियंत्रण रेखा से पीछे हटने को मजबूर हुआ था। यहां मार खाने के बावजूद चीन का अरुणाचल में हस्तक्षेप का प्रयास निरंतर बना हुआ है। 1962 के युद्ध के समय चीन ने भारत के पूर्वोत्तर हिस्से में अपने सैनिकों की सबसे बड़ी टुकड़ी तवांग के मार्ग से असम तक पहुंचाई थी। भारत, चीन की इस चालाकी से अच्छी तरह से परिचित है। अतएव पिछले एक दशक में समूचे अरुणाचल प्रदेश में ढांचागत विकास को बहुत तेज किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस विकास को लगातार प्रोत्साहित कर रहे हैं। चीन के लिए यह विकास और भारत सरकार का दोटूक जवाब परेशानी का सबब बन रहा है। अरुणाचल प्रदेश से लगे सीमाई इलाकों में 63 सडक़ें भारत सरकार बना रही है। इनमें से कई सडक़ें व पुल तैयार होने के साथ आवागमन के लिए भी खोल दिए गए हैं। नतीजतन भारतीय सैनिकों की सीमा तक पहुंच आसान हो गई है। सनद रहे कि 1962 में सडक़ें नहीं होने के कारण ही भारतीय सेना को बहुत नुकसान उठाना पड़ा था। चीन की घुसपैठ रोकने के लिए तवांग समेत अरुणाचल के अन्य सीमा क्षेत्र में भारत ने अपने सैनिकों की संख्या और हथियारों के जखीरे बढ़ा दिए हैं। इसलिए चीन जिस रास्ते से भी घुसने की कोशिश करता है, उसे सेना तत्काल माकूल जवाब दे देती है। हालांकि चीन की तरफ से भी अपने इलाके में लगातार सडक़ें, पुल और सैनिक अड्डे बनाए जा रहे हैं। चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश के शिखर क्षेत्र त्सारी चू में गांव बसाने की कोशिश भी हुई थी। तिब्बत के दक्षिणी क्षेत्र जंगनान से जुड़ी नीति में भी कोई परिवर्तन नहीं किया है। चीन ने दृढ़तापूर्वक कहा है कि जंगनान क्षेत्र (जो कि भारत का अरुणाचल प्रदेश है), है, उसके साथ अरुणाचल प्रदेश के अस्तित्व को भी कोई मान्यता नहीं देता है। मसलन संपूर्ण अरुणाचल को चीन विवादित क्षेत्र मानकर चल रहा है। कुछ साल पहले चीन ने अरुणाचल की वास्तविक सीमा के करीब 4.5 किलोमीटर अंदर घुसकर 101 नए घर बनाकर पूरा एक गांव बसा लिया था। यह गांव अरुणाचल के सुबनसिरी जिले में था। इस गांव के बसाए जाने के रहस्य का खुलासा उपग्रह से ली गईं तस्वीरों से हुआ था। ये तस्वीरें 1 नवंबर 2020 की बताई गई थीं। इनमें यह गांव स्पष्ट दिखाई दे रहा था, जबकि इस समय से एक साल पहले लिए गए उपग्रह चित्रों में यह गांव नहीं था। मसलन गांव इसी समय सीमा के भीतर बसाया गया। साफ है, चीन पड़ोसी देशों की संपत्ति हड़पने की हरकतों से बाज नहीं आ रहा है।

देश दुनिया से

आतंक को हर हाल में करना होगा परास्त

जम्मू कश्मीर दशकों से आतंक के खौफनाक साये में जी रहा है। बीते कुछ दशकों में आतंकियों ने देश के अन्य हिस्सों में भी कभी किसी भरे बाजार में तो कभी किसी बस या ट्रेन में आतंकियों ने निर्दोषों के लहू से होली खेली है। यह एक ऐसी विकराल समस्या है, जिसने न केवल हजारों लोगों की जान ली है बल्कि अनगिनत परिवारों को तबाह किया है। बच्चे अनाथ हुए, माताएं-बेटियां विधवा हुईं और बुजुर्गों की जीवन-संध्या से सहारा छीन गया। आतंकवादी ऐसे नृशंस कृत्यों के जरिए लोगों के मन में भय भरते हैं, उनका उद्देश्य हिंसा, अस्थिरता और अव्यवस्था फैलाकर समाज को तोड़ना होता है। इन विभीषिकाओं के खिलाफ देश ने जो संघर्ष किया है, उसी के सम्मान में हर साल 21 मई को 'राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस' मनाया जाता है। यह दिन आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष में शहीद हुए जवानों और नागरिकों को श्रद्धांजलि देने का अवसर है। इस दिन देशभर में लोगों को यह शपथ दिलाई जाती है कि वे हर प्रकार की हिंसा और आतंकवाद का विरोध करेंगे, शांति, अहिंसा और सहिष्णुता के सिद्धांतों में विश्वास रखेंगे और देश की एकता, अखंडता व सामाजिक सद्भाव की रक्षा करेंगे। यह दिन इसलिए भी स्मरणीय है क्योंकि 21 मई 1991 को भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में एक महिला आत्मघाती हमलावर द्वारा हत्या कर दी गई थी। यह हमला लिट्टे जैसे आतंकी संगठन की सोची-समझी साजिश का परिणाम था, जिसने केवल एक नेता की जान ही नहीं ली बल्कि भारतीय लोकतंत्र की जड़ों को हिला कर रख दिया था। उसी दिन की स्मृति में राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस की शुरुआत हुई ताकि देशवासियों को यह अहसास कराया जा सके कि आतंकवाद किसी व्यक्ति, धर्म या समुदाय का दुश्मन नहीं बल्कि समूची मानवता का शत्रु है। हाल के वर्षों में भारत ने आतंकवाद के विरुद्ध जो नीति अपनाई है, वह पहले से कहीं अधिक कठोर, रणनीतिक और सशक्त हो चुकी है। विशेषकर जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों ने जिस बहादुरी से अभियान चलाए हैं, उन्होंने आतंकी नेटवर्क को बड़ा झटका दिया है। धारा 370 हटाए जाने के बाद घाटी में हालात में धीरे-धीरे सुधार आने लगा है। सैकड़ों आतंकी मुठभेड़ों में मारे गए हैं और सुरक्षाबलों ने सीमाओं पर घुसपैठ की अनेक कोशिशें विफल की हैं। हालांकि पूरी तरह से आतंक का खात्मा अब भी शेष है। इसकी ताजा

मिसाल 22 अप्रैल को अनंतनाग जिले के पहलगाम क्षेत्र में हुए आतंकी हमले में देखी जा सकती है। बैसरन घाटी में हुए इस हमले ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद की जड़ें अभी भी पाकिस्तान में मौजूद हैं और वहां से संचालित आतंकी संगठन भारत की शांति व्यवस्था को चुनौती देने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। इस हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की जान चली गई थी। यह हमला ऐसे समय में हुआ, जब घाटी में आतंकी घटनाओं में गिरावट दर्ज की जा रही थी, जो भारत की कूटनीतिक और सुरक्षा नीति की सफलता का संकेत थी। इस नृशंस कृत्य के बाद भारत सरकार ने 'ऑपरेशन सिंदूर' नामक सैन्य अभियान चलाकर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में स्थित आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की। रिपोर्टों के अनुसार, इसमें लगभग 100 से अधिक आतंकियों को मार गिराया गया और उनके अनेक अड्डों को नष्ट किया गया। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि अब भारत केवल रक्षात्मक रवैया नहीं अपनाएगा बल्कि आतंक के स्रोत पर आक्रमण करेगा। पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान पर चौतरफा दबाव बनाना शुरू किया और साथ ही सिंधु जल संधि को रद्द करने का भी बेहद निर्णायक फैसला लिया गया। यह समझौता 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ था, जिसके अंतर्गत भारत ने पाकिस्तान को सिंधु, झेलम और चेनाब नदियों का जल उपयोग करने का अधिकार दिया था। अब यह विचार प्रबल हो गया है कि जब पाकिस्तान बार-बार आतंकियों को शरण देता है और भारत की नागरिक आबादी को निशाना बनाता है तो ऐसे में इस ऐतिहासिक संधि को बनाए रखने का कोई औचित्य नहीं रह जाता। भारत के सैन्य अभियानों ने न केवल प्रत्यक्ष रूप से आतंकियों को नुकसान पहुंचाया है बल्कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भी पाकिस्तान को अलग-थलग करने में सफलता प्राप्त की है। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) ने उसे ग्रे लिस्ट में डालकर उसकी अर्थव्यवस्था पर जबरदस्त दबाव बनाया है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक संस्थानों के सामने भारत ने बार-बार पाकिस्तान के दोहरे रवैये को उजागर किया है, जहां एक ओर वह शांति की बातें करता है, वहीं दूसरी ओर अपनी धरती पर आतंकियों को संरक्षण देता है। घाटी में हो रहे सकारात्मक बदलावों की जड़ में सुरक्षा बलों की बहादुरी के साथ-साथ स्थानीय जनता की बदली मानसिकता भी है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अब घाटी में स्थानीय युवाओं की आतंकी संगठनों में भर्ती में काफी गिरावट आई है। पहले जहां एक साल में दर्जनों युवाओं के लापता होने की खबरें आती थी, अब वह संख्या इक्का-दुक्का रह गई है। भारत की वर्तमान नीति 'आतंक के प्रति शून्य सहनशीलता' की है और इस नीति के हर पहलू में क्रियान्वयन दिख भी रहा है।

कुछ अलग

उठे हैं मां के लाल...

मैंने सहमते हुए उनसे पूछा कि ऐसा भी क्या हो गया जो वह सरकार और मीडिया से इतना खफा हैं। वह मुझे घूरते हुए बोले, 'क्या अब भी कोई कसर बाकी है? या तुम विष्ठा में लोटते हुए उसे खाकर ही मानोगे। मियां! याद रखना जिस समाज में सवाल पूछने की हिम्मत और कुव्वत, दोनों खत्म हो जाएं, उसे तबाह होने में देर नहीं लगती। तुमने कभी सोचा है कि हमारे देश ने सैंकड़ों साल विदेशियों की जूतियां क्यों चाटीं? वर्तमान में तुम जीते नहीं, इतिहास तुम्हें याद नहीं, ऐसे में तुम्हारा भविष्य क्या खाक होगा। अवतारों की कल्पना में जीते हुए तुम्हें यह भी याद नहीं रहता कि किसी शासक की अक्षमता, नाकाबिलियत, उदासीनता या लापरवाही पर कोई सवाल भी उठाना है। जब तुम्हारी पात्रता जागरूक प्रजा होने लायक ही नहीं तो तुम गुलामी में ही जिओगे और गुलामी में ही मरोगे। तुम्हारे जैसे भी हालात हों तुम्हें अपनी निबेडऩे में ही आनंद आता है। जब डर लगता है तो दूसरों का हाथ थाम कर अपना पक्ष सुरक्षित कर लेते हो और निरपेक्षता की चादर ओढ़ कर आगे बढ़ जाते हो। न कत्तव्य का बोध है और न अधिकारों की चिंता। रही बात सत्ताखोरों की तो भेड़ की खाल पहन कर भी भेडिय़े शिकार ही करते हैं। जिनके जिस्म की हर कोशिका में झूठ, नफरत, स्वार्थ और ढोंग भरा हो, उनसे भलाई की उम्मीद करना, धतूरे के पेड़ से आम के फल की उम्मीद करने जैसा है। जब राजा बहरूपिया हो और प्रजा का अपना कोई चेहरा न हो तो प्रजा राजा के पाखंडों में खुद को ढूंढते हुए या कुंभ के मेलों में गुम हो जाती है या भगदड़ में मारी जाती है।' मैं उन्हें उन्हीं के अंदाज में घूरते हुए बोला, 'भगवान विष्णु के नरसिहांवतार के बारे में इस तरह की टिप्पणी करना आपको शोभा नहीं देता। अगर मैं डबल एंजिन वाले किसी राज्य के थाने में आपके खिलाफ देशद्रोह का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज करवा दूं तो उमर खालिद की तरह बिना किसी अपील, दलील या वकील के सालों जेल में सड़ते रहोगे। कोई अदालत, जज या वकील आपके केस की तरफ देखेगा भी नहीं। अमृत काल यह सुविधा उन सभी को उपलब्ध है जो कभी सत्ता से सवाल नहीं करते। राजा के रात को दिन कहने पर दिन कहते हैं और दिन को रात कहने पर रात कहते हैं।' वह तिरछी नजरों से मेरी ओर देखते हुए बोले, 'वाह क्या बात है? पुरानी कहावत है कि कौआ कितना भी सयाना हो जाए, खाएगा तो विष्ठा ही। कौआ चाहे ऊंची से ऊंची डाल पर भी बैठा हो लेकिन जब बोलने के लिए मुंह खोलता है तो कांव-कांव ही करता है। उसे न अपने पद की गरिमा का खयाल होता है, न व्यक्तिगत अस्मिता का और न ही देश की प्रतिष्ठा का। उसका हर कदम सत्ता की हवस में लिपटा होता है।'

दृष्टि कोण

कश्मीर पर विधवा विलाप करता रहेगा पाक

पाकिस्तान के हुक्मरानों तथा पाक सियासत के कद्दावर भुट्टो परिवार को भारत की मुखाल्फत का नजरिया अपने पुरखों से विरासत में मिला है। साबिक पाक वजीरे खारजा बिलावल भुट्टो के परनाना 'शाहनवाज भुट्टो' भारतीय जूनागढ़ रियासत के दीवान थे। भारत विभाजन के वक्त जूनागढ़ के नवाब 'महाबत खान' को जूनागढ़ रियासत का पाकिस्तान में विलय का मश्विरा शाहनवाज ने ही दिया था। हालांकि शाहनवाज का वो बगावती मश्विरा परवान नहीं चढ़ा। नतीजतन शाहनवाज तथा महाबत खान दोनों पाकिस्तान भाग गए। शाहनवाज के झांसे में आकर पाकिस्तान गए महाबत खान की हालत यह थी कि 'ना खुदा मिला न मिसाले सनम'! शाहनवाज भुट्टो के भारत विरोधी नजरिए को उनकी हिंदू बेगम 'लखी बाई' के बेटे 'जुल्फिकार अली भुट्टो' ने बसूबी आगे बढ़ाया। हमेशा कश्मीर को अपनी सियासत का मरकज बनाने वाले भुट्टो ने सन् 1963 में पाक विदेश मंत्री बनते ही कश्मीर हथियाने की वकालत शुरू कर दी थी। कश्मीर में भारत के खिलाफ विद्रोह भडक़ाने के लिए पाक सेना ने 'आपरेशन जिब्राल्टर' मंसूबाबंदी को अंजाम देकर सन् 1965 में पाक सैनिकों को सिविल लिबास में घुसपैठ कराई। उस जिब्राल्टर मंसूबे के मास्टरमाईंड जुल्फिकार भुट्टो ही थे। भुट्टो के जहन में कश्मीर हथियाने का खुमार इस कदर हावी था कि जिब्राल्टर मंसूबे के साथ एक और खुफिया मिशन का नाम भुट्टो ने अपनी ईरान के कुर्द वंश की बेगम 'नुसरत भुट्टो' के नाम पर 'आपरेशन नुसरत' रख दिया था। हिमाचल के शूरवीर कैप्टन 'चंद्र नारायण सिंह' 'महावीर चक्र' ने पुंछ सेक्टर में जिब्राल्टर मंसूबे को बेनकाब करके पांच अगस्त 1965 को अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। भारतीय सेना ने पलटवार करके सियालकोट पर कब्जा करके जब जिब्राल्टर को नाकाम किया तो शिकस्त से बौखला कर भुट्टो जंगबंदी के लिए 22 सितंबर 1965 को 'अक्वाम-ए-मुत्तहिदा' की 'सलामती कौंसिल' में अश्क बहाने लगे। भुट्टो ने ऐलान किया था कि पाकिस्तान हजार वर्ष तक भारत के खिलाफ जंग लड़ेगा। लेकिन इसे इत्तेफाक कहें या हिंदोस्तान के हुक्मरानों की दरियादिली, भुट्टो परिवार का ताल्लुक पाक के सिंध प्रांत से है। सन् 1971 की जंग में कर्नल 'भवानी सिंह' 'महावीर चक्र' ने सेना की '10 पैरा कमांडो' के नेतृत्व में सिंध के 'चाचरो' पर कब्जा कर लिया था। यदि भारत की तत्कालीन हुकूमत इच्छाशक्ति दिखाती तो हमारे राष्ट्रगान में जिस 'सिंध' का उल्लेख होता है वो सिंध दोबारा भारत में होता। दो जुलाई 1972 को हिमाचल प्रदेश की राजधानी उस पल की चश्मदीद बनी जब 1971 की जंग में शर्मनाक शिकस्त के बाद पाक राष्ट्रपति भुट्टो अमन का पैरोकार बनकर नब्बे हजार से अधिक पाक युद्धबंदियों की रिहाई के लिए शिमला में तशरीफ लाए थे। पाक जरनैल 'जिया उल हक' की दौरे हुकूमत में चार अप्रैल 1979 को जुल्फिकार अली भुट्टो को तख्ता-ए-दार पर चढ़ा दिया था। जुल्फिकार के छोटे बेटे का नाम भी शाहनवाज ही था। शाहनवाज का 18 जुलाई 1985 को फ्रांस के नीस में कत्ल कर दिया गया था। मरहूम भुट्टो की कश्मीर हथियाने की हसरत व भारत विरोधी विरासत को उनके बेटी 'बेनजीर भुट्टो' ने बखूबी आगे बढ़ाया। 1988 में बेनजीर पाकिस्तान की वजीरे आजम बनी। 13 मार्च 1990 को बेनजीर पीओके में तशरीफ ले गई तथा आवाम से मुखातिब होकर अपने वालिद की उसी तहरीर को दोहराया कि कश्मीर की आजादी के लिए पाकिस्तान हजार वर्ष तक जंग जारी रखेगा। दौराने तकरीर में बेनजीर ने कश्मीर की आजादी के नारे लगाकर जम्मू कश्मीर के तत्कालीन राज्यपाल 'जगमोहन मल्होत्रा' के खिलाफ मखसूस अंदाज में गैर जिम्मेदाराना व धमकी भरी टिप्पणी करके सुर्खियां बटोरी थीं। राज्यपाल जगमोहन पर मोहतरमा के जहर उगलते उन अभद्र अल्फाज को भारतीय चैनलों पर बैन कर दिया गया था। बेनजीर ने जनरल 'मिर्जा असलम बेग' को मश्विरा दिया था कि पाक वायुसेना को भारत के परमाणु ठिकानों पर हमले के लिए तैयार रहना चाहिए। अगस्त 1990 में पाक सदर 'गुलाम इशाक खान' ने बेनजीर की हुकूमत को बर्खास्त कर दिया था। अक्तूबर 1993 में दोबारा वजीरे आजम बनते ही बेनजीर ने अपने भाई 'मुर्तजा भुट्टो' को आतंकी वारदातों के इल्जाम में सलाखों के पीछे भेजा। 20 सितंबर 1996 को मुर्तजा भुट्टो को एक मुठभेड़ में हलाक कर दिया गया। बाद में मुर्तजा के कत्ल की तफ्तीश करने वाले पुलिस अधिकारी का भी कत्ल कर दिया गया था। 'बलूच रेजिमेंट' के जरनैल 'जहीरुल इस्लाम अब्बासी' तथा 'ब्रिगेडियर मुस्तानसिर बिल्ला' द्वारा 'ऑपरेशन खलीफा' के तहत सन् 1995 में बेनजीर के तख्तापलट की कोशिश नाकाम रही थी।

सैनिकों ने आतंकी ठिकानों को उनकी सर जमीन पर ही मिट्टी में मिलने का किया काम : नायब सैनी

चंडीगढ़, 21 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट कर ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की बधाई दी और सेना का आभार जताया। इसके उपरांत हरियाणा भवन नई दिल्ली में पत्रकारों को संबोधित करते हुए नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के जांबाज सैनिकों ने आतंकी ठिकानों को उनकी सर जमीन पर ही मिट्टी में मिलने का काम किया है। ऐसा ऐतिहासिक निर्णय प्रधानमंत्री ही ले सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहलगाम में आतंकवादियों ने कायराना हरकत कर निर्दोष लोगों को मौत के घाट उतारा। इस घटना से देश के लोग आहत थे और उनमें रोष था। देश के नागरिक आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई चाहते थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ कड़े कदम उठाते हुए ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया और हमारे सैनिकों ने आतंकियों को उन्हीं की सर जमीन पर जाकर धूल में मिलाने का काम किया।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले आतंकवादी देश में घुसकर घटनाओं को अंजाम देते थे। पूरे देश में भय का माहौल था कोई भी सुरक्षित नहीं था। लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ सख्त कदम उठाने का काम किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब समय आ गया है आतंकवाद की बची हुई जमीन को मिट्टी में मिलाने का। जहां से

आतंकवादी जन्म लेते थे और पाक उन्हें संरक्षण देता था उसी पाक की भूमि पर जाकर हमारे सैनिकों ने आतंकियों को मिट्टी में मिलाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश सुरक्षित है। प्रधानमंत्री ने ऐसी कार्यवाही करके देश को मजबूत, सुरक्षित और सशक्त बनाने की दिशा में काम किया है। अब देश में संतुष्टि का भाव है और आतंकियों में भय का माहौल बना है।

एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से पाक का असली चेहरा पूरे विश्व के सामने आ गया है। पाक भारत को बदनाम कर रहा था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाक का आतंकी चेहरा पूरी दुनिया के सामने लाकर खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कर दिया है कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री को हरियाणा में चल रही विकास योजनाओं के बारे में भी अवगत करवाया गया है। प्रधानमंत्री ने डा. भीमराव अम्बेडकर जयंती पर कई विकास परियोजनाओं को अमलीजामा पहनाने का काम किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब-जब प्रधानमंत्री का हरियाणा का दौरा होता है तो जनता को नई ऊर्जा और स्फूर्ति मिलती है। एक अन्य सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में जासूसी के मामलों की पुलिस गहनता से जांच कर रही है। ऐसे लोगों की गहनता से जांच के निर्देश दिए गए हैं।

धनखड़ परिवार से मिले पीएम मोदी

ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा- अत्यंत स्नेह, ममत्व व परिवार से भरे पल : हम हृदय से कृतज्ञ

चंडीगढ़, 21 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्नेहभाव के साथ अपने निवास पर भाजपा के राष्ट्रीय सचिव व पूर्व मंत्री औमप्रकाश धनखड़ के परिवार से मुलाकात की। पीएम मोदी ने औमप्रकाश धनखड़ के पौत्र तेजस को स्नेह व नवविवाहित छोटे बेटे एडवोकेट आशुतोष व पुत्रवधु एडवोकेट रिया को शादी की शुभकामनाएं देते हुए धनखड़ व राठी परिवार को बधाई दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरी आत्मीयता के साथ पूर्व मंत्री धनखड़ के पिताजी वैद्य मोहोबत सिंह और माता जी छोटो देवी से कुशलक्षेम पूछा। लम्बी गपशप की । उनके स्वस्थ रहने और दीर्घायु की कामना की। पुत्र वधु जीना व पुत्र आदित्य को जीवन परिश्रम व पुरुषार्थ के महत्त्व पर प्रेरित किया ।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री की धर्म पत्नी निरूपा धनखड़ , समधी , जज सुरेंद्र राठी, समधन प्रो अंजू रतन राठी उनके सुपुत्र और पुत्र वधु, एडवोकेट दिव्यांश हनु राठी और एडवोकेट सुमेधा सिंधु राठी।धनखड़ ने कहा कि परिवार की खुशियों के पलों में देश के प्रधानमंत्री का आशीर्वाद प्राप्त होना हमारे लिए अत्यंत गौरव का विषय है। यह अविस्मरणीय क्षण ताउम्र हमारी स्मृतियों में अंकित रहेंगे । प्रधानमंत्री ने तेजस को अत्यंत स्नेह और आशीर्वाद से अभिभूत किया - इसके लिए हम हृदय से कृतज्ञ हैं।

फतेहाबाद लघु सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी, तलाशी में नहीं मिला कुछ भी संदिग्ध

फतेहाबाद, 21 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के फतेहाबाद जिले में स्थित लघु सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिलने से प्रशासन में हड़कंप मच गया। धमकी भरे ईमेल के बाद प्रशासन तुरंत हरकत में आया और लघु सचिवालय की इमारत को सील कर तलाशी अभियान शुरू किया गया।

करीब एक घंटे तक स्थानीय पुलिस और प्रशासन ने स्वयं तलाशी अभियान चलाया। इसके बाद हिसार से बम निरोधक दस्ता (बम स्कायड) और सीआईडी हरियाणा की टीम फतेहाबाद पहुंची। टीम ने लघु सचिवालय की इमारत और आसपास के क्षेत्र में गहन तलाशी अभियान चलाया, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु या सामग्री नहीं मिली।

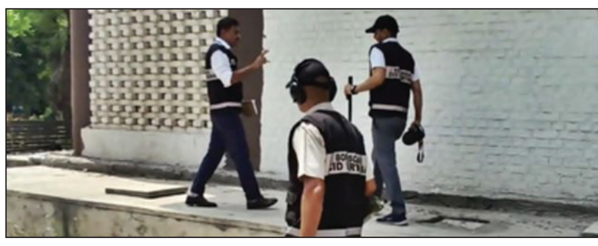

फतेहाबाद के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सिद्धांत जैन ने बताया कि बुधवार सुबह करीब सात बजे लघु सचिवालय के सरकारी ईमेल पते पर बम से इमारत को उड़ाने की धमकी दी गई थी। ईमेल में कुछ दक्षिण भारतीय व्यक्तियों के नाम भी थे, जिनका फतेहाबाद क्षेत्र से कोई संबंध प्रतीत नहीं होता। एसपी जैन ने बताया कि धमकी मिलने के बाद पुलिस और प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। लघु सचिवालय और उसके आसपास के क्षेत्र में गहन तलाशी अभियान चलाया गया, जिसमें कोई संदिग्ध वस्तु नहीं पाई गई।

उन्होंने कहा कि इस मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी गई है। ईमेल के स्रोत का पता लगाने के लिए जीमेल अधिकारियों से संपर्क किया गया है, ताकि इस शरारतपूर्ण कृत्य के पीछे शामिल तत्वों की पहचान की जा सके और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। एसपी ने आश्वासन दिया कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और आम जनता को घबराने की आवश्यकता नहीं है।पुलिस प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। साथ ही, अफवाहों पर ध्यान न देने की सलाह दी गई है। इस घटना के बाद लघु सचिवालय और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा-व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है। प्रशासन इस मामले को गंभीरता से ले रहा है और शरारती तत्वों को पकड़ने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है।

पीएम मोदी के बीकानेर दौरे पर अर्जुनराम मेघवाल बोले

वह जहां जाते हैं, विकास के द्वार खोलते हैं

बीकानेर, 21 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 मई को राजस्थान के बीकानेर दौरे पर रहेंगे। इस दौरान पीएम मोदी सुबह करीब 11:30 बजे अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित देशनोक स्टेशन का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री के बीकानेर दौरे से पहले केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने बुधवार को मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जहां जाते हैं, वहां विकास के द्वार खोलते हैं।

केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने मीडिया से बात करते हुए कहा, पीएम मोदी कल (गुरुवार) बीकानेर आ रहे हैं। यहां वह देशनोक स्थित करणी माता मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद वह 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत पुनर्विकसित देशनोक स्टेशन का उद्घाटन करेंगे। इस योजना के तहत देशभर में 103 स्टेशनों को पुनर्विकसित किया गया है।

उन्होंने कहा, पीएम मोदी अपने दौरे के दौरान बीकानेर-मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। इसके बाद वह पलाना आएंगे और यहां एक सार्वजनिक समारोह को भी संबोधित करेंगे। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पीएम मोदी की यह पहली यात्रा है। उनके कार्यक्रम को लेकर आधिकारिक जानकारी नहीं है। लेकिन, मैं बताना चाहूंगा कि प्रधानमंत्री जहां भी जाते हैं, वहां विकास के द्वार खोलते हैं। अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि 8 जुलाई 2023 को जब प्रधानमंत्री नौरंगदेसर आए थे, तब भी विकास पर बात हुई थी। उसके बाद सोलर का विकास कार्य बहुत तेजी से हुआ।

आरएमएससीएल की बड़ी कार्रवाई

42 दवाएं अमानक कंपनियों पर प्रतिबंध

जयपुर, 21 मई (एजेंसियां)। राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन ने विभिन्न 42 दवाओं के सैम्पल अमानक पाए जाने पर कम्पनियों को इनकी आपूर्ति के लिए प्रतिबंधित किया है। जिन फर्मों के उत्पाद जाँच में अमानक पाए गए हैं, ये कंपनियां इन दवाओं के आगामी एक, दो अथवा तीन वर्ष तक टेंडर में भाग नहीं ले सकेंगी। आरएमएससी की प्रबंध निदेशक नेहा गिरि ने बताया कि दवाओं की गुणवत्ता एवं समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि फर्मों के उत्पाद जाँच में फेल पाए जाने पर दवाओं की आपूर्ति के लिए 32 फर्मों को एक वर्ष, 8 फर्मों को 2 वर्ष एवं 2 फर्मों को 3 वर्ष की अवधि के लिए प्रतिबंधित किया गया है। निगम की गुणवत्ता नीति के अनुसार प्रत्येक आपूर्तित दवा के प्रत्येक बैच की गुणवत्ता जाँच निगम की अनुमोदित लैब में कराई जाती है एवं जाँच में खरा पाए जाने पर ही अस्पतालों में वितरण हेतु सप्लाई की जाती हैं। ये सभी दवाएं निगम की प्रारम्भिक जाँच में अमानक पायी गयी थी, जिनके आगे जाँच में पुष्टि होने पर सम्बंधित सप्लायर कंपनियों के विरुद्ध यह कार्रवाई की गयी है।

राज्यवर्धन के नेतृत्व में शुरू हुए 12 ट्यूबवेल के कार्य

जयपुर, 21 मई (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री एवं झोटवाड़ा के लोकप्रिय विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के अथक प्रयासों से झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में 12 नए ट्यूबवेल का कार्य आरंभ हो चुका है। यह कार्य क्षेत्र में पीने के पानी की समस्या को दूर करने और जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कैबिनेट मंत्री, राजस्थान सरकार कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि इन नए ट्यूबवेल के निर्माण से न केवल झोटवाड़ा क्षेत्र के हजारों परिवारों को शुद्ध पेयजल सुलभ होगा, बल्कि यह आने वाले समय में जल संकट से स्थायी समाधान की दिशा में भी मील का पत्थर साबित होगा।

कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने की नीति ने राजस्थान में बुनियादी सुविधाओं को गति दी है। राजस्थान में भाजपा की डबल इंजन सरकार प्रधानमंत्री के विकासवादी दृष्टिकोण और सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मंत्र को तेजी से साकार कर रही है। झोटवाड़ा की जनता ने इस कार्य के लिए कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ जी का आभार जताया है।

जयपुर मेट्रो फेज-2 को हरी झंडी

भजनलाल शर्मा ने किया डीपीआर का अनुमोदन

जयपुर, 21 मई (एजेंसियां)। एक दूरदर्शी और महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर मेट्रो फेज-2 की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) का अनुमोदन किया है। इस निर्णय के उपरांत डीपीआर को मेट्रो रेल नीति, 2017 के तहत केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय से अनुमोदन के लिए भिजवाया गया है। केन्द्र सरकार की मंजूरी मिलते ही इस परियोजना का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025-26 के राज्य बजट में जयपुर मेट्रो के फेज-2 का कार्य हाथ में लिए जाने की घोषणा की गई थी।

इस परियोजना के साथ ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शहरी परिवहन के क्षेत्र में एक नया मील का पत्थर स्थापित करने जा रही है। यह परियोजना न केवल जयपुरवासियों के सफर को सुगम बनाएगी, बल्कि शहर की अर्थव्यवस्था और निवेश की संभावनाओं को भी नई ऊंचाई देगी। इस परियोजना का क्रियान्वयन राज्य एवं केंद्र सरकार की नई 50:50 संयुक्त उद्यम कंपनी राजस्थान मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन द्वारा किया जाएगा। यह कंपनी जयपुर शहर की सभी वर्तमान और भविष्य की मेट्रो परियोजनाओं की जिम्मेदारी निभाएगी। लगभग 12 हजार 260 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना के लिए एडीबी और एआईआईबी ने वित्तीय ऋण प्रदान करने की सहमति दी है।

यह परियोजना जयपुर शहर के उत्तर-दक्षिण मुख्य ट्रांजिट कॉरिडोर टोडी मोड से प्रह्लादपुरा तक प्रस्तावित है, जिसकी लंबाई लगभग 42.80 किलोमीटर होगी। इसमें कुल 36 स्टेशन प्रस्तावित हैं जिनमें से 34 एलीवेटेड और 2 अंडरग्राउंड होंगे।

कृषक हित में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कई महत्वपूर्ण निर्णय

प्रदेश की कृषि उपज मंडियों में विकास कार्यों को दी मंजूरी

जयपुर, 21 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार कृषकों के कल्याण एवं कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। अन्नदाता किसानों की आय बढ़ाने और उनका जीवन खुशहाल बनाने के लिए सरकार द्वारा निरंतर महत्व-पूर्ण फैसले किए जा रहे हैं। सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री शर्मा ने एक और महत्व-पूर्ण निर्णय करते हुए राज्य बजट वर्ष 2025-26 में घोषित सभी नवीन मंडियों, गौण मंडियों एवं फूड पार्क के लिए निःशुल्क भूमि आवंटन की स्वीकृति प्रदान की है।

राज्य बजट वर्ष 2025-26 में बीदासर (सुजानगढ़-चूरू), भिनाय, रूपनगढ़ (अजमेर), टपूकड़ा (खैरथल तिजारा), रामगढ़ (पचवारा-दौसा), नावां, खाटू खुर्द (डीडवाना-कुचामन), सीमलवाड़ा (डूंगरपुर), राजाखेड़ा (धौलपुर), रियाबड़ी (मेड़ता-नागौर) में कृषि उपज मंडी, सिरोही, माखूपुरा (अजमेर), बर (जैतारण-ब्यावर) में फल सब्जी मंडी, बनेठा (टोंक), मण्डार (सिरोही), बहरावण्डा कलां (सवाईमाधोपुर), नासिरदा (टोंक) व सेखाला (जोधपुर) में गौण कृषि मंडी की घोषणा की गई थी। साथ ही भरतपुर की अनाज एवं सरसों मंडी को शहर से बाहर स्थानांतरित किए जाने, अनूपगढ़ (श्रीगंगानगर) में मिनी फूड पार्क एवं सांचौर (जालौर) में एग्रो फूड पार्क की घो-षणा भी की गई थी।

मुख्यमंत्री ने सरकारी के साथ-साथ स्थानीय निकाय क्षेत्रों में भी इन मंडियों, गौण मंडियों एवं फूड पार्क के लिए निःशुल्क भूमि आवंटन किए जाने की सहमति प्रदान की। इस निर्णय के अन्तर्गत संबंधित निकायों द्वारा 25 प्रतिशत डीएलसी दर पर मंडियों के लिए भूमि आवंटन किया जाएगा तथा यह 25 प्रतिशत डीएलसी राशि भी राज्य सरकार द्वारा संबंधित निकायों को उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश की विभिन्न कृषि उपज मंडियों में नवीन निर्माण, चार दिवारी निर्माण एवं मरम्मत और नवीन सम्पर्क सड़कों के निर्माण के लिए 13 करोड़ 87 लाख रुपये से अधिक की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की है। इससे सूरजपोल अनाज मंडी जयपुर की 25, कृषि उपज मंडी बूंदी की 2 एवं कृषि उपज मंडी सीकर की 1 नवीन सम्पर्क सड़क के कार्य करवाए जा सकेंगे। साथ ही खातोली (कोटा) कृषि उपज मंडी में नवीन निर्माण कार्य, केशोरायपाटन (बूंदी) गौण मंडी कापरेन में चार दिवारी मरम्मत, उप मंडी बापिणी (ओसियां-मथानिया) में चार दिवारी निर्माण के कार्य भी करवाए जा सकेंगे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका आकर्षक बर्ताव दूसरों का ध्यान आपकी तरफ़ खींचेगा। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आप इस दिन को अपनी ज़िन्दगी में कभी नहीं भूलेंगे, अगर आप प्यार में डूबने के मौक़े को आज यूँ ही न गवाएँ तो। अगर आपका साथी अपना वादा न निभाए तो बुरा महसूस न करें- आपको बैठकर बातचीत के ज़रिए मामला सुलझाने की ज़रूरत है। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपको ख़ुद पर नियंत्रण रखना चाहिए, क्योंकि नाराज़गी सभी के लिए नुक़सानदेह है और यह सोचने-समझने की ताक़त को ख़त्म कर देती है। इससे सिर्फ़ मुश्किल बढ़ती है। आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. जो अपने प्रिय के साथ छुट्टियाँ बिता रहे हैं, ये उनकी ज़िन्दगी के सबसे यादगार लम्हों में से होंगे। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आप न चाहते हुए भी कोई गलती कर बैठेंगे जिसकी वजह से आपको अपने सीनियर्स की डांट सहनी पड़ सकती है। कारोबारियों के लिए दिन सामान्य रहने की उम्मीद है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

पैसे की अहमियत को आप अच्छे से जानते हैं इसलिए आज के दिन आपके द्वारा बचाया गया धन आपके बहुत काम आ सकता है और आप किसी बड़ी मुश्किल से निकल सकते हैं। पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। बुरा दौर ज़्यादा सिखाता है। आपके प्रिय का मूड ठीक नहीं है, इसलिए सोच-समझ कर कोई भी काम करें। आप लम्बे समय से दफ़्तर में किसी से बात करना चाह रहे थे। आज ऐसा होना मुमकिन है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन अपने धन का संचय करने का विचार बनाएं। पढ़ाई की क़ीमत पर घर से ज़्यादा देर तक बाहर रहना आपको माता-पिता के गुस्से का शिकार बना सकता है। करिअर के लिए योजना बनाना उतना ही आवश्यक है, जितना कि खेलना-कूदना। इसलिए माता-पिता को ख़ुश करने के लिए दोनों में संतुलन बनाना ज़रूरी है। प्यार के मामले में आज आप ग़लत समझे जा सकते हैं। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। लेकिन आज सारी शिकायतें दूर हो जाएंगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका ऊर्जा-स्तर ऊँचा रहेगा। करीबी रिश्तेदारों के घर जाना आज आपकी आर्थिक स्थिति को बिगाड़ सकता है। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आपके प्यार को न सुनना पड़ सकता है। यदि आप नई जानकारी और क्षमताएँ विकसित करने की थोड़ी ज़्यादा कोशिश करेंगे, तो आपको बहुत लाभ होगा। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। लंबे समय से कामकाज का दबाव आपके वैवाहिक जीवन के लिए कठिनाई खड़ा कर रहा है। लेकिन आज सारी शिकायतें दूर हो जाएंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। बाहरी चीज़ों का अब कोई ख़ास मायने आपके लिए नहीं बचा है, क्योंकि आप ख़ुद को हमेशा प्यार की ख़ुमारी में महसूस करते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके प्रतिद्वन्द्वियों को अपने ग़लत कामों का फल मिलेगा। वैवाहिक जीवन के लिहाज़ से यह बढ़िया दिन है। साथ में एक अच्छी शाम गुज़ारने की योजना बनाएँ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

ठूँस-ठूँस कर खाने और ज़्यादा कैलोरी की चीज़ें खाने से बचिए। माली सुधार की वजह से ज़रूरी ख़रीदारी करना आसान रहेगा। ऐसे दोस्तों के पास जाएँ, जिन्हें आपकी ज़रूरत है। आज आप कोई दिल टूटने से बचा सकते हैं। पेशेवर तौर पर अपने अच्छे काम की पहचान आपको मिल सकती है। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरुरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। आम परिचितों से व्यक्तिगत बातों को बांटने से बचें। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को ख़ुश रखने में कामयाब होंगे। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली-भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। लंबे अरसे के बाद जीवनसाथी के साथ काफ़ी वक़्त गुज़ारने का मौक़ा मिल सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फ़ायदेमन्द साबित होंगे। आज आपके माता-पिता में से कोई आप-को धन की बचत करने को लेकर लेक्चर दे सकता है, आपको उनकी बातों को बहुत गौर से सुनने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में परेशानी आपको ही उठानी पड़ेगी। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। कोई आपको दिल से सराहेगा। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियाँ आपके पक्ष में लगती हैं। जीवनसाथी से अच्छी बातचीत हो सकती है; आप महसूस करेंगे कि आप-दोनों में कितना प्यार है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बैंक से जुड़े लेन-देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है। घर में और आस-पास छोटे-मोटे बदलाव घर की सजावट में चार चांद लगा देंगे। आज आपको निराशा हाथ लग सकती है, क्योंकि मुमकिन है कि आप अपने प्रिय के साथ सैर-सपाटे पर न जा पाएँ। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। कोई व्यक्ति आपके जीवनसाथी में काफ़ी दिलचस्पी दिखा सकता है, लेकिन दिन के आख़िर तक आपको एहसास होगा कि इसमें कुछ ग़लत नहीं है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। घर पर आपके बच्चे आपके सामने किसी समस्या को तिल का ताड़ बनाकर पेश करेंगे- कोई भी क़दम उठाने से पहले तथ्यों की भली-भांति पड़ताल कर लें। जॉब करने वाले जातकों को आज कार्यक्षेत्र में सोच-समझकर चलने की जरुरत है। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। आपको अपने प्रिय के साथ समय बिताने की ज़रूरत है, ताकि आप दोनों एक-दूसरे को अच्छी तरह से जान व समझ सकेगें। आपका खाली समय आज मोबाइल या टीवी देखने में बर्बाद हो सकता है। इससे आपके जीवनसाथी को आपसे खिन्नता भी होगी क्योंकि आप उनसे बात करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाएँगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 22 मई 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : दशमी रात्रि 01:15 तक
नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपद सायं 05:48 तक
योग : विष्कुंभ रात्रि 09:48 तक
करण : वणिज दोपहर 02:24 तक
चन्द्रराशि : कुंभ दोपहर 12:09 तक
सूर्योदय : 05:42, सूर्यास्त 06:43 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:39 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:33 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:35 , सूर्यास्त 06:35 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा दोपहर 02:22 से रात्रि 01:33 तक, पंचक चालू है।

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मथुरा का छात्रवृत्ति घोटाला

शासन को भेजी गई 153 कॉलेजों की जांच रिपोर्ट

बीएसए कॉलेज में भी पकड़ाया 40 करोड़ का गड़बड़झाला

मथुरा, 21 मई (एजेंसियां)। छात्रवृत्ति डकारने वाले 153 कॉलेजों की जांच रिपोर्ट शासन को भेज दी गई है। दो साल पूर्व हुए इस मामले की जांच के लिए 10 टीम गठित की गईं थीं। अब शासन के आदेश के बाद अगली कार्रवाई होगी। मथुरा के जिलाधिकारी चंद्रप्रकाश सिंह ने जांच रिपोर्ट शासन को भेजी है। जांच अधिकारियों को इनमें से कई कॉलेज बंद मिले हैं। अब शासन के निर्देश के बाद आगे की दिशा तय की जाएगी।

दरअसल, दो वर्ष पहले बलदेव के विधायक पूरन प्रकाश ने विधानसभा में जिले के प्रोफेशनल कोर्स कराने वाले कॉलेज प्रबंधकों द्वारा छात्रवृत्ति के करोड़ों रुपए हड़पने का मुद्दा उठाया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि वर्ष 2015 से 2021 तक जिले के 153 कॉलेजों में छात्रवृत्ति का फर्जीवाड़ा कर विद्यार्थियों का हक मार लिया है। इसके बाद प्रदेश सरकार के गृह सचिव ने आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्लू) को जांच कराने के आदेश दिए थे, लेकिन दो साल बाद भी टीम जांच पूरी नहीं कर सकी।

इस पर गृह विभाग के सचिव ने प्रदेश के समाज कल्याण निदेशक को अधिकारियों की टीमें बनाकर जांच कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मामले की जांच के लिए जिला प्रशासन को निर्देशित किया था। जिलाधिकारी चंद्रप्रकाश सिंह ने तीन अप्रैल को मामले की जांच के लिए 10 टीमें गठित की थीं। इसमें एसडीएम समेत 30 अधिकारी अधिकारी शामिल किए गए थे। डीएम ने बताया है कि जांच पूरी होने के बाद शासन को रिपोर्ट भेजी गई है। अब शासन के निर्देश के बाद ही आगे की दिशा तय की जाएगी।

दूसरी तरफ मथुरा के बाबू शिवनाथ अग्रवाल (बीएसए) महाविद्यालय की ऑडिट में लगभग 40 करोड़ रुपए की हेराफेरी का प्रकरण भी सामने आ गया है। ऑडिट रिपोर्ट में कहा गया है कि कुलपति से अनुमोदन प्राप्त किए बिना ही इस रकम का लेनदेन हुआ। विभाग के उपनिदेशक ने निदेशक को आवश्यक कार्रवाई के लिए अपनी रिपोर्ट प्रेषित कर दी है। साथ ही कालेज के प्राचार्य को भी पत्र जारी कर आवश्यक कार्रवाई के बाद साक्ष्य सहित अनुपालन आख्या भेजने को कहा है।

वर्ष 2011-12 से 2022-23 का यह ऑडिट आगरा मंडल के स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग ने किया है। इसमें मुख्यत: चार बिंदुओं पर रिपोर्ट तैयार की गई है। कहा गया है कि कुलपति से बिना अनुमोदन प्राप्त किए प्रबंधन समिति द्वारा संस्था के आहरण-वितरण कार्य के लिए किए गए हस्ताक्षर अनियमित एवं आपत्तिजनक है। इससे 38.84 करोड़ रुपए धनराशि का आहरण वितरण किया गया। वहीं वर्ष 2015-16 में प्रोस्पेक्टस खाते से महाविद्यालय में सड़क निर्माण के लिए 1.70 लाख और टैंक निर्माण के लिए 35 लाख रुपए की निकासी की गई। इन सभी रकम निकासी में कुलपति या सक्षम अधिकारी की अनुमति नहीं ली गई। कुलपति के बिना अनुमति रकम निकालने पर कॉलेज प्रबंधन समिति जांच के घेरे में आ गई है। इसके अलावा बिना अनुमति प्रबंध समिति द्वारा महाविद्यालय की भूमि को इंजीनियरिंग कॉलेज के लिए पट्टे पर दिया जाना भी अनियमित एवं आपत्तिजनक बताया गया है। इस रिपोर्ट के बाद कॉलेज में अफरा-तफरी का माहौल है।

बीएसए कॉलेज के प्राचार्य डॉ. ललित मोहन शर्मा ने कहा, लेखा निधि परीक्षा विभाग की ओर से पत्र प्राप्त हुआ है। इसमें कुलपति के बिना अनुमति के संस्था के खाते से करीब 40 करोड़ रुपए की निकासी में आपत्तियां दर्ज की गई हैं। इस संबंध में वह उच्च शिक्षा निदेशक, प्रमुख सचिव और डॉ. बीआर अंबेडकर विवि आगरा के कुलपति को अवगत कराएंगे। वहीं से उच्च स्तरीय जांच कराकर आवश्यक कार्रवाई होगी। मामले का खुलासा होने के बाद कॉलेज से जुड़े संगठन के लोग आक्रोशित हैं। इसमें विभिन्न शिक्षक एवं छात्र संगठन गुस्से में हैं। बताया जा रहा है कि वे अदालत की शरण में जाने की तैयारी कर रहे हैं। मथुरा शहर के इस प्रतिष्ठित कॉलेज में यह मामला सामने आने के बाद अब यहां के विभिन्न गुटों में भी बहस शुरू हो गई है।

नाबालिग बिटिया ने सत्याग्रह कर रुकवाई अपनी शादी

शिवानी ने 11 अन्य बच्चियों का भी जीवन बचाया

बलरामपुर, 21 मई (एजेंसियां)। बलरामपुर की रहने वाली नाबालिग बेटी शिवानी ने अपनी शादी तय किए जाने के खिलाफ सत्याग्रह कर अन्न जल त्याग दिया तो परिजनों को उसकी जिद के आगे झुकना पड़ा। शिवानी यही नहीं रुकी, उसने 11 और बच्चियों की जिंदगी भी बचाई।

अभी वृद्धि की ओर बेल है, थोड़ी-सी बढ़ जाने दो। अभी ब्याहने की क्या जल्दी, थोड़ा लिख-पढ़ जाने दो। बाल विवाह अभिशाप है। इन नारों को देख-समझ रही शिवानी ने इस अभिशाप के खिलाफ लड़ने का साहस किया। इस साहस से उसने न केवल खुद को बचाया, बल्कि 11 अन्य लड़कियां भी बाल विवाह के त्रासद अभिशाप से मुक्त हुईं। बलरामपुर स्थित तुलसीपुर ब्लॉक के ग्राम जुगलीकलां की बेटी शिवानी अब तक कई लड़कियों को बाल विवाह के अभिशाप से बचा चुकी है।

शिवानी बताती है कि साल 2023 में उसके पिता का निधन हो गया था। आस-पड़ोस और गांववाले तो यही जताने में लग गए थे कि बिन बाप की बेटी बोझ की तरह होती है। मां को समझा भी रहे थे कि जल्द से जल्द बेटी की शादी कर विदा करो और बोझ से मुक्ति पाओ। मां को भी कच्ची उम्र में बेटी की शादी में भलाई नजर आने लगी थी। शिवानी को जब पता चला कि उसकी सगाई की तैयारी हो गयी है तो उसके पांव तले जमीन खिसक गई। उसको लगा कि उसके सपने मिट्टी में मिल गए। वह तब हाईस्कूल बोर्ड की तैयारी कर रही थी। उसने ठाना कि वह अभी किसी भी दशा में शादी नहीं करेगी। बस उसने घर में ही सत्याग्रह शुरू कर दिया। अन्न-जल त्याग दिया। बिटिया के विरोध पर मां पसीजी। बिटिया ने भी भरोसा दिया कि वह घर के लिए बेटे से ज्यादा करके दिखाएगी। अंततः बेटी की जीत हुई और शादी टल गयी। शिवानी को आगे पढ़ने का पूरा अवसर दिया गया।

अब शिवानी इलाके में बाल विवाह के खिलाफ एक रोल मॉडल है। अपनी शादी तो उसने रोकी ही, अब तक कई बेटियों को बाल विवाह से बचा चुकी है। बाल विवाह के खिलाफ उसके अभियान पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल उसे सम्मानित कर चुकी हैं। लखनऊ में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर इसी साल महिला कल्याण विभाग ने भी शिवानी को सम्मानित किया। बाल विवाह रोकने के लिए महिला कल्याण विभाग लगातार मुहिम चला रहा है। विभाग ने इस मुहिम के लिए शिवानी को रोल मॉडल बनाया है। शिवानी के समर्थन से विभाग ने पिछले पांच सालों में 11 बाल विवाह रोके हैं। इसमें वर्ष 2021 में एक, 2022 में छह, 2023 में एक, 2024 में दो और इस साल अब तक एक बाल विवाह रोका गया है।

जिला प्रोबेशन अधिकारी सुशील कुमार सिंह का कहना है कि बाल विवाह अधिनियम 2006 की धारा के तहत 18 वर्ष से कम की लड़की और 21 वर्ष से कम का लड़कों का विवाह कानूनन अपराध है। ऐसा करने पर दो वर्ष का कठोर कारावास और एक लाख रुपए तक जुर्माने का प्रावधान है। बाल विवाह रोकने के लिए लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

बर्ड फ्लू फैलने से सरकार चिंतित, किए जा रहे एहतियाती उपाय

यूपी के सभी चिड़ियाघर और इटावा लायन सफारी 27 मई तक बंद

लखनऊ, 21 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव अनुराधा वेमुरी ने बताया कि प्रदेश के सभी चिड़ियाघर और इटावा का लायन सफारी एक सप्ताह के लिए और बंद कर दिए गए हैं। बर्ड फ्लू के मद्देनजर पिछले सप्ताह लखनऊ, कानपुर और गोरखपुर का जू और लायन सफारी को बंद कर दिया गया था। वेमुरी ने बताया कि बर्ड फ्लू को देखते हुए आवश्यक प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है। स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है। नए आदेश के बाद से सभी चिड़ियाघर 27 मई तक कम से कम बंद रहेंगे। आगे का फैसला उस समय समीक्षा करने के बाद होगा। राजधानी लखनऊ स्थित नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान समेत सभी चिड़ियाघर 27 मई तक बंद रहेंगे। गोरखपुर स्थित शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणि उद्यान में एवियन इंफ्लूएंजा (बर्ड फ्लू) से एक बाघिन की मौत के बाद एहतियात के तौर पर सात दिनों के लिए बंद किया गया था। कानपुर प्राणि उद्यान में भी बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है जिसके बाद यह निर्णय लिया गया है। लखनऊ प्राणी उद्यान की निदेशक अदिति शर्मा ने बताया कि फिलहाल लखनऊ चिड़ियाघर में बर्ड फ्लू का कोई केस नहीं है। लेकिन प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य जीव के आदेश पर लखनऊ चिड़ियाघर को अगले सात दिनों के लिए दर्शकों के लिए बंद रखा जाएगा।

बैग, ड्रेस, स्वेटर, जूते-मोजे के लिए योगी सरकार दे रही धन

एक करोड़ बच्चों के खाते में जाएंगे 1200 रुपए

लखनऊ, 21 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में इसी महीने प्राइमरी स्कूल के एक करोड़ बच्चों को डायरेक्ट बेनीफिट ट्रांसफर के माध्यम से 1200 रुपए भेजे जाएंगे। प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले एक करोड़ से ज्यादा बच्चों को नि:शुल्क बैग, ड्रेस, स्वेटर, जूता-मोजे के लिए 1200 रुपए डायरेक्ट बेनीफिट ट्रांसफर (डीबीटी) किया जाएगा। यह डीबीटी बच्चों के अभिभावकों के खाते में भेजा जाएगा। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से इसके लिए आवश्यक तैयारी पूरी कर मुख्यमंत्री का कार्यक्रम के लिए समय मांगा गया है। प्रदेश के 1.33 परिषदीय विद्यालयों में पिछले सत्र 2024-25 में लगभग 1.51 करोड़ बच्चे पढ़ाई कर रहे थे। जबकि नए सत्र 2025-26 के लिए नामांकन की प्रक्रिया चल रही है। इसके तहत एक करोड़ से ज्यादा बच्चों का नामांकन पूरा हो चुका है। इसमें नए सत्र में कक्षा एक और छह में लगभग 4 लाख नए बच्चों के नामांकन भी हुए हैं। विभाग का प्रयास है कि नए सत्र की शुरुआत में ही बच्चों के अभिभावकों के खाते में यह पैसे भेज दिए जाए ताकि गर्मी की छुट्टियों के बाद जब स्कूल खुले तो बच्चे पूरे ड्रेस में बैग आदि के साथ आएं। पूर्व के वर्षों में डीबीटी होने में काफी समय लग जाता था। इसके तहत पिछले साल भी इसे जून-जुलाई में कराया गया था। इस साल इसे मई के आखिरी सप्ताह में भी कराने की तैयारी है। इसके लिए शासन व समग्र

शिक्षा आदि मद से बजट का प्रावधान भी कर लिया गया है। राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों के वार्षिक तबादला नीति के तहत ऑनलाइन प्रक्रिया के लिए शासन ने निर्देश जारी किए हैं। इसमें शिक्षकों के तबादले के लिए भारांक जारी करने के साथ ही माइनस मार्किंग को भी लागू किया गया है। लघु दंड पाने वाले शिक्षक के पांच नंबर और पिछले तीन साल में वृहद दंड पाने पर 10 नंबर काटे (नकारात्मक) जाएंगे। माध्यमिक शिक्षा विभाग के विशेष सचिव उमेश चंद्र की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि उन्हीं विद्यालयों में रिक्तियां प्रदर्शित की जाएंगी, जहां पर तीन या तीन से कम सहायक अध्यापक हैं। इंटर स्तर के विद्यालयों में तीन सहायक अध्यापक व तीन प्रवक्ता से कम शिक्षक कार्यरत हैं। इससे अधिक होने पर रिक्तियां नहीं दिखाई जाएंगी। हालांकि, आकांक्षी जिलों में सभी रिक्तियां प्रदर्शित की जाएंगी। तबादले ऑनलाइन आवेदन से होंगे। इच्छुक शिक्षक खाली पदों के लिए 10 विद्यालयों की वरीयता दे सकेंगे। 31 मार्च 2022 के बाद नियुक्त शिक्षक ऑनलाइन तबादले के लिए आवेदन नहीं कर सकेंगे। राजकीय बालिका इंटर व हाईस्कूल के लिए केवल महिला अभ्यर्थी ही आवेदन कर सकेंगी। एक पद आवेदकों का गुणांक समान होने पर अधिकतम आयु वाले को वरीयता मिलेगी। दिव्यांग आवेदक को 20 नंबर, दंपती के राजकीय सेवा में होने पर 20 नंबर, गंभीर बीमार होने या बच्चों के दिव्यांग होने पर 15 नंबर, सेवानिवृत्ति के दो साल से कम होने पर 15 नंबर, पहली नियुक्ति की तिथि से दस साल की सेवा पर अधिकतम 20 नंबर दिए जाएंगे। तबादले अधिकतम 10 फीसदी तक ही होंगे और प्रक्रिया 15 जून तक पूरी होगी।

फर्जी डिग्री रैकेट में 5 राज्यों के 15 विवि शामिल

सरगना ने फर्जी डिग्री के धंधे से कमाया अकूत धन

लखनऊ, 21 मई (एजेंसियां)। हापुड़ की मोनाड यूनिवर्सिटी में फर्जी डिग्री और मार्कशीट रैकेट का खुलासा होने के बाद इसके दायरे में 5 राज्यों के 15 से ज्यादा युनिवर्सिटी भी आ रही हैं। एसटीएफ की जांच में सामने आया है कि हरियाणा निवासी मास्टरमाइंड संदीप सेहरावत ने यूपी, बिहार, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान की कई निजी यूनिवर्सिटी को फर्जी डिग्री और मार्कशीट दी है। मोनाड समेत यूपी की 4 निजी यूनिवर्सिटी में भी उसने फर्जीवाड़ा अंजाम दिया है, जिसमें सहारनपुर की एक चर्चित युनिवर्सिटी भी शामिल है।

एसटीएफ के अधिकारी जल्द ही जांच के दायरे में आई बाकी यूनिवर्सिटी के बारे में भी छानबीन करने जा रहे हैं। वहीं अन्य राज्यों में चल रहे इस रैकेट के बारे में जांच में सामने आए तथ्यों को उन प्रदेशों की पुलिस के साथ साझा किया जाएगा ताकि उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई हो सके। वहीं दूसरी ओर एसटीएफ के अधिकारी मोनाड यूनिवर्सिटी के प्रबंध तंत्र में शामिल बाकी लोगों को भी तलाश रहे हैं, क्योंकि उनकी संलिप्तता के बिना इतना बड़ा फर्जीवाड़ा करना संभव नहीं था।

यह भी पता लगाया जा रहा है कि यह फर्जीवाड़ा कितने सालों से हो रहा था। वहीं जिन 2 लाख छात्रों आदि को फर्जी डिग्री दी गई है, उनके बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। एसटीएफ की कई टीमें सेहरावत गिरोह के बाकी सदस्यों की तलाश में हरियाणा के कई जिलों में छापे मार रही हैं। बता दें कि सोमवार को सेहरावत के सहयोगी को भी एसटीएफ ने गिरफ्तार किया है, जिसके बाद से भारी संख्या में फर्जी डिग्री मिली हैं।

जांच में सामने आया है कि यूनिवर्सिटी का चेयरमैन विजेंद्र हुड्डा और संदीप सेहरावत विदेश भागने की फिराक में थे। विजेंद्र ने संदीप का पासपोर्ट और वीजा बनवा लिया था। विजेंद्र को आभास हो गया था कि उसके खिलाफ कुछ शिकायतें हुई हैं, जिसके बाद उसने युनिवर्सिटी आना बंद कर दिया था। वहीं एसटीएफ उसकी सुरागरसी में जुटी थी। शनिवार को विजेंद्र के यूनिवर्सिटी आने की सूचना पर एसटीएफ ने तत्काल छापे मारने की योजना बनाई और उसे दबोच लिया।

एसटीएफ को विजेंद्र हुड्डा के बैग से 35 लग्जरी एसयूवी की चाबी भी मिली हैं। पूछताछ में उसने बताया कि चुनाव लड़ने के दौरान उसने यूनिवर्सिटी के कर्मचारियों के नाम पर 50 एसयूवी खरीदी थीं, जिनमें से अधिकतर फॉर्च्यूनर और स्कॉर्पियो थी। इनका डाउन पेमेंट करने के बाद उसने गाड़ियां अपने पास रख लीं और बैंक की किस्त देना बंद कर दिया। एसटीएफ को हर चाबी पर गाड़ी नंबर भी लिखा मिला है। जल्द इन गाड़ियों को बरामद कर जब्त किया जाएगा।

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड वक्फ कानून के खिलाफ करेगा आंदोलन

लखनऊ, 21 मई (एजेंसियां)। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ तहफ्फुज-ए-अवकाफ मुहिम का फिर से आगाज करने का निर्णय लिया है। ऑपरेशन सिंदूर और देश में आपात स्थिति के मददेनजर बोर्ड ने 16 मई तक सार्वजनिक कार्यक्रमों को स्थगित कर दिया था। बोर्ड ने आंदोलन को बहाल करते हुए देश के प्रमुख शहरों के कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की है।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के राष्ट्रीय प्रवक्ता और ऑल इंडिया तहफ्फुज-ए-अवकाफ कमेटी के संयोजक डॉ. सैयद कासिम रसूल इलियास ने बताया कि आपरेशन सिंदूर के बाद देश में आपात स्थिति के मददेनजर बोर्ड ने सार्वजनिक सभाएं, धरने और रैलियों को स्थगित कर दिया था। उन्होंने बताया कि बोर्ड ने वक्फ बचाओं आंदोलन के तहत होने वाले सार्वजनिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर ली है। उन्होंने बताया कि विधानसभा चुनाव को देखते हुए बोर्ड का का मुख्य फोकस बिहार पर रहेगा। बोर्ड ने बिहार के विभिन्न शहरों में कार्यक्रमों के आयोजन की जिम्मेदारी इमारत-ए-शरिया बिहार ओड़ीशा और झारखंड को दी है। इमारत ए शरिया पटना, अररिया, किशनगंज, भागलपुर, बेगूसराय, सहरसा, मधुबनी, सिवान और दरभंगा आदि जगहों पर कार्यक्रम का आयोजन करेगा। उन्होंने बताया कि हैदराबाद में 22 मई को महिलाओं के लिए जनसभा होगी। तेलंगाना के निजामाबाद में 30 मई को जनसभा का आयोजन होगा। महाराष्ट्र के जलगांव में 23 मई, नांदेड़ में 24 मई और औरंगाबाद में 25 मई को सभा का आयोजन होगा। इसके अलावा केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, झारखंड और पश्चिम बंगाल में भी बड़े पैमाने पर कार्यक्रमों की तैयारियां फिर से शुरू हो गई हैं। उन्होंने बताया कि कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार द्वारा फैलाए गए भ्रम को दूर किया जाएगा।

जासूस शहजाद ने रामपुर के युवाओं को भेजा था पाकिस्तान

लखनऊ, 21 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की एंटी टेररिस्ट स्काड ने पिछले दिनों मुरादाबाद से शहजाद को गिरफ्तार किया, जो भारत में बड़ा आतंकी हमला करने की साजिश रच रहा था। खुफिया एजेंसियों को जब इस बारे में जानकारी मिली, तो उन्होंने शहजाद पर नजर रखनी शुरू की और समय रहते उसे दबोच लिया। जांच में सामने आया है कि शहजाद अकेले काम नहीं कर रहा था।

उसने रामपुर के कई युवाओं को बहला-फुसलाकर पाकिस्तान भेजा, जहां उन्हें जासूसी और आतंकी गतिविधियों की ट्रेनिंग दी गई। हैरानी की बात यह है कि इन युवकों के लिए वीजा की व्यवस्था भी खुद शहजाद ने की थी। इसमें उसकी मदद पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के एजेंटों ने की।

बताया जा रहा है कि यह वीजा नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास से जारी किए गए थे। शहजाद दानिश नाम के आईएसआई एजेंट के सम्पर्क में था, जो दूतावास में तैनात था और वीजा दिलवाने में अहम भूमिका निभा रहा था। इसी दानिश का नाम पहले भी एक मामले में सामने आ चुका है, जब उसने हरियाणा की ज्योति मेहरोत्रा को जासूसी के लिए पाकिस्तान भेजा था।

ज्योति को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। शुरुआत में शहजाद का आईएसआई से सम्पर्क तस्करी के दौरान हुआ था। फिर व्हाट्सऐप जैसे सुरक्षित ऐप्स के जरिए बातचीत चलती रही। आईएसआई एजेंटों ने शहजाद को भारत से संवेदनशील जानकारी भेजने और देश में अशांति फैलाने के लिए कहा था। शहजाद ने बहुत चालाकी से रामपुर के कुछ मासूम युवकों को अपने साथ जोड़ लिया। पहले उन्हें सौंदर्य प्रसाधन, नकली गहनों और महिलाओं के कपड़े बेचने जैसे वैध कारोबार में लगाया गया, ताकि किसी को शक न हो। बाद में धीरे-धीरे उन्हें मानसिक रूप से तैयार कर पाकिस्तान भेज दिया गया।

एटीएस को शक है कि पाकिस्तान में इन युवकों को कट्टरपंथी विचारों की ट्रेनिंग दी गई और भारत में पैसे और जानकारी के लेन-देन के लिए उनका इस्तेमाल किया गया। अब यह भी जांच हो रही है कि पाकिस्तान से आया पैसा कहीं भारत में देशविरोधी गतिविधियों में तो नहीं खर्च किया गया। शहजाद से अभी न्यायिक हिरासत में पूछताछ चल रही है। उसके मोबाइल और बाकी इलेक्ट्रॉनिक चीजों की गहराई से जांच की जा रही है ताकि यह पता चल सके कि उसने किससे कितना पैसा लिया और किसे दिया।

मध्य प्रदेश लीग की शुरुआत 12 जून से, ग्वालियर करेगा मेजबानी

ग्वालियर ,21 मई (एजेंसियां)। शंकरपुर स्थित श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में 12 जून से मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) का नया सीज़न शुरू होने जा रहा है। पहले इसका आयोजन इंदौर में किया जाना था, लेकिन मौसम की परिस्थितियों और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के देर से समापन के कारण इस वर्ष एमपीएल को इंदौर से स्थानांतरित कर ग्वालियर में आयोजित किया जा रहा है।

पिछले वर्ष एमपीएल के पहले संस्करण की मेज़बानी भी ग्वालियर ने ही की थी, जिससे यह स्थान खिलाड़ियों और आयोजकों दोनों के लिए परिचित है। ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन (जीडीसीए) द्वारा मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित यह लीग मूल रूप से 27 मई से इंदौर में शुरू होने वाली थी, लेकिन आईपीएल के शेड्यूल में बदलाव के चलते निर्धारित कार्यक्रम से मेल खा रही थी। पिछले सीजन में पुरुषों की प्रतियोगिता में पांच टीमें शामिल थीं, लेकिन इस बार इसमें बुंदेलखंड और चंबल क्षेत्रों की दो नई टीमों को जोड़ा गया है।

मध्य प्रदेश लीग को लेकर अध्यक्ष महानार्यमन सिंधिया ने एक आधिकारिक बयान में कहा,प्रथम संस्करण के आयोजन के चलते ग्वालियर हमारे खिलाड़ियों और प्रशंसकों के दिलों में एक विशेष स्थान रखता है और हम यहां दोबारा लौटकर बेहद उत्साहित हैं। इसके अलावा दो नई पुरुष टीमों और पहली बार महिला लीग की शुरुआत के चलते ये हमारे हमारे लिए और भी खास हो गया है। मैं सभी टीमों और खिलाड़ियों को उनके भविष्य के लिए बधाई देता हूं।

टूर्नामेंट में बदलाव को लेकर एमपीएल के सीईओ रवि पाटनकर ने कहा, मुझे यह जानकारी देते हुए बहुत खुशी हो रही है कि स्थानांतरण की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। नई तारीख के साथ हम एक रोमांचक और सुचारू टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

टीमों की जर्सी का अनावरण समारोह 27 मई को ग्वालियर में आयोजित किया जाएगा। इस बार के सीज़न में पहली बार महिला क्रिकेट लीग का आयोजन भी किया जा रहा है, जो पुरुषों के मैचों के साथ ही खेली जाएगी। महिला प्रतियोगिता में तीन टीमें शामिल होंगी, जिनमें भोपाल की टीम भी शामिल है।

पुरुष टीमें: ग्वालियर चीता, भोपाल लेपर्ड्स, जबलपुर रॉयल लायंस, रीवा जैगुआर्स, इंदौर पिंक पैंथर्स, चंबल घड़ियाल्स, बुंदेलखंड बुल्स

महिला टीमें: चंबल घड़ियाल्स, भोपाल वोल्व्स, बुंदेलखंड बुल्स।

न्यूज ब्रीफ

मलेशिया मास्टर्स 2025: प्रणय और करुणाकरण दूसरे दौर में, सिंधु बाहर

नई दिल्ली। मलेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट 2025 में भारत के एच.एस. प्रणय और सतीश करुणाकरण ने शानदार जीत दर्ज करते हुए पुरुष सिंगल्स के दूसरे दौर में जगह बना ली है। हालांकि, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी.वी. सिंधु का सफर पहले ही दौर में समाप्त हो गया। प्रणय ने दिन की शुरुआत करते हुए जापान के पांचवीं वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोटो को कड़े मुकाबले में 19–21, 21–17, 21–16 से हराया। यह मैच एक घंटे 22 मिनट तक चला। इसके बाद सतीश करुणाकरण ने भी बड़ा उलटफेर करते हुए ताइवान के तीसरी वरीयता प्राप्त चोउ तिएन चेन को सिर्फ 39 मिनट में 21–13, 21–14 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। पुरुष खिलाड़ियों के लिए यह दिन शानदार रहा, क्योंकि भारत के युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने भी ब्रायन यांग (कनाडा) को 20–22, 21–10, 21–8 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। वहीं, महिला एकल में पी.वी. सिंधु का खराब फॉर्म जारी रहा। वह सुपर 500 श्रेणी के इस टूर्नामेंट के पहले दौर में वियतनाम की गुयेन थुई लिन्ह के खिलाफ 11–21, 21–14, 15–21 से हारकर बाहर हो गईं।

केकेआर ने आईपीएल के अतिरिक्त समय नियम पर उठाए सवाल

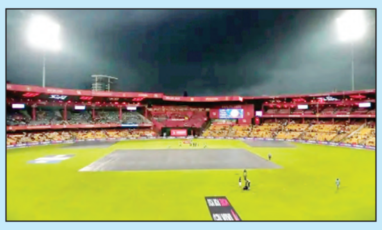

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष लीग मुकाबलों के लिए 120 मिनट का अतिरिक्त समय देने के फैसले को अस्थायी और असंगत बताते हुए डिफेंडिंग चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने कहा है कि अगर यह प्रावधान टूर्नामेंट के दोबारा शुरू होते ही लागू कर दिया जाता, तो शायद वे अभी भी प्लेऑफ की दौड़ में बने रहते। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने मंगलवार को यह फैसला किया कि अब शेष बचे नौ लीग मुकाबलों में बारिश के कारण बाधित मैचों को पूरा करने के लिए 120 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। पहले केवल एक घंटे का अतिरिक्त समय ही उपलब्ध था, जबकि प्लेऑफ के मुकाबलों में पहले से ही दो घंटे का रिजर्व समय रखा गया था। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार,आईपीएल के सीओओ हेमांग अमीन ने सभी 10 फ्रेंचाइजियों को भेजे गए ईमेल में बताया कि यह फैसला इसलिए लिया गया क्योंकि मानसून के जल्दी आने से कई मैच बारिश की चपेट में आने की संभावना है। केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर ने इस ईमेल के जवाब में नियम में बदलाव के समय पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह नियम आईपीएल के फिर से शुरू होने के साथ ही लागू किया जाना चाहिए था। उन्होंने लिखा, हालांकि इन परिस्थितियों में बीच सीज़न में नियम बदलना ज़रूरी हो सकता है, लेकिन इन बदलावों में निरंतरता की उम्मीद की जाती है। 17 मई को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच हुआ मुकाबला आईपीएल के फिर से शुरू होने के बाद पहला मैच था। यह मैच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाना था, लेकिन लगातार बारिश के कारण एक भी गेंद फेंकी नहीं जा सकी और दोनों टीमों को एक–एक अंक से संतोष करना पड़ा।

आयरलैंड को झटका, वेस्टइंडीज वनडे सीरीज से बाहर हुए क्रेग यंग और कर्टिस कैंफर

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के खिलाफ 21 मई से डबलिन में शुरू हो रही वनडे सीरीज से पहले आयरलैंड टीम को बड़ा झटका लगा है।

तेज गेंदबाज क्रेग यंग और ऑलराउंडर कर्टिस कैंफर चोटिल होकर सीरीज से बाहर हो गए हैं। दोनों की जगह युवा खिलाड़ियों को मौका दिया गया है। यंग की जगह जॉर्डन नील और कैंफर की जगह विकेटकीपर बल्लेबाज स्टीफन डोहेनी को टीम में शामिल किया गया है। यंग की हैमस्ट्रिंग और कैंफर की फ्रैक्चर बनी वजह क्रेग यंग को यह चोट इंटर–प्रोविंशियल कप के एक मुकाबले में लगी थी जब वे नॉर्थ वेस्ट वॉरियर्स की ओर से खेलते हुए अपना नौंवा ओवर पूरा नहीं कर सके। उन्होंने 8.5 ओवर में 49 रन देकर 1 विकेट लिया और आखिरी गेंद पर बैरी मैकार्थी को आउट किया। वहीं, कर्टिस कैंफर की चोट हाल ही में नेट अभ्यास के दौरान लगी। बल्लेबाजी करते समय उनकी उंगली में फ्रैक्चर हो गया, जिससे वे सीरीज से बाहर हो गए। आयरलैंड के मुख्य चयनकर्ता एंड्रयू व्हाइट ने कहा, हमारे पास अब एक लंबी चोटिल खिलाड़ियों की सूची है, जिसमें मार्क अडायर, ग्राहम ह्यूम, क्रेग यंग, फियॉन हैंड और कर्टिस कैंफर शामिल हैं।

मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स का दिल चूर-चूर किया

सैंटनर-बुमराह को 3-3 विकेट मिले

मुंबई,21 मई (एजेंसियां)। स्लो स्टार्टर कही जाने वाली मुंबई इंडियंस ने अपने अभेद्य किला वानखेड़े स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स का शिकार करते हुए कमाल कर दिया है। उसने आखिरी 8 में से 7 मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर लिया है। इस तरह से मुंबई इंडियंस, गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स के बाद प्लेऑफ की चौथी टीम बन गई है। हालांकि, क्वालीफायर मुकाबले अभी तय नहीं हैं, क्योंकि अभी भी टॉप–4 में कौन कहां रहेगा यह तय नहीं है। मुंबई इंडियंस ने सूर्या की हाफ सेंचुरी के दम पर 180 रन बनाए थे। जवाब में दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने घुटने टेक दिए। उसके पास मुंबई की पेस का कोई जवाब नहीं था। मिचेल सेंटनर ने 3 विकेट झटके।इससे पहले मुंबई इंडियंस सूर्यकुमार यादव (नाबाद 73 रन) के अर्धशतक और अंत में नमन धीर (नाबाद 24 रन) के साथ छठे विकेट के लिए 21 गेंद में नाबाद 57 रन की साझेदारी से दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ धीमी पिच पर पांच विकेट पर 180 रन बनाने में सफल रही। पांच दफा की आईपीएल विजेता टीम के लिए सूर्यकुमार ने 43 गेंद की बेहतरीन नाबाद पारी खेली जिसमें सात चौके और चार छक्के जड़े थे। उनके अलावा तिलक वर्मा ने 27 रन और रेयान रिकलटन ने 25 रन का योगदान दिया। नमन ने अंत में आठ गेंद में दो चौके और इतने ही छक्के से नाबाद 24 रन का योगदान दिया।

वानखेड़े स्टेडियम की असामान्य पिच पर स्पिनरों के लिए काफी टर्न था। दिल्ली कैपिटल्स के लिए स्पिनरों में कुलदीप यादव ने 25 रन देकर एक विकेट झटका जबकि विप्रज निगम ने 25 रन दिए और कोई विकेट हासिल नहीं कर पाए। मुकेश कुमार ने 48 रन देकर दो विकेट चटकाए। सूर्यकुमार ने अपनी टीम के लिए दो अहम साझेदारियां करके लड़खड़ाती पारी को संवारा। दिल्ली कैपिटल्स के स्पिनरों के दबदबे के बावजूद सूर्यकुमार ने पहले तिलक वर्मा के साथ चौथे विकेट के लिए 55 रन जोड़े और अंत में नमन के साथ 21 गेंद में पर 57 रन बनाए।आखिरी दो ओवरों में स्थिति पूरी तरह बदल गई जब भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार और नमन ने पांच छक्के और चार चौके लगाकर 48 रन जुटाए। एक समय ऐसा लग रहा था कि मुंबई के बल्लेबाजों को रन जुटाने में बहुत मुश्किल हो रही है। खिलाड़ी पावरप्ले के अंत से लेकर 18वें ओवर के शुरू तक संघर्ष करते रहे। रोहित शर्मा (05) इस सत्र में चौथी बार बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान (30 रन देकर एक विकेट) की गेंद पर आउट हुए।सूर्यकुमार जब छह रन पर थे, उन्हें जीवनदान मिला। सातवें ओवर में कुलदीप की गेंद पर शॉर्ट लेग पर मुकेश कुमार डाइव करने के बावजूद कैच लेने में असफल रहे। लेकिन अगली गेंद पर रेयान रिकलटन डीप स्क्वायर लेग पर माधव तिवारी को सीधा कैच दे बैठे जिसके साथ कुलदीप ने आईपीएल में अपने 100 विकेट भी पूरे किए। तिलक अपनी पारी के दौरान कुलदीप के खिलाफ संघर्ष करते दिखे, जब उनकी टीम को जरूरत थी तब वह रन बनाने में विफल रहे।तिलक गलत टाइमिंग की वजह से मुकेश का शिकार बने और तुरंत बाद हार्दिक पांड्या (03) भी आउट हो गए जिन्हें दुष्मंथा चामिरा (54 रन देकर एक विकेट) की धीमी लेग–कटर ने आउट कर दिया। तिलक की तरह सूर्यकुमार भी दिल्ली के स्पिनरों के खिलाफ संघर्ष करते दिखे लेकिन उन्होंने अंत में मौके का फायदा उठाया और इस सत्र की अपनी सबसे बेहतरीन पारी खेली।

केविन डी ब्रुएने को मैनचेस्टर सिटी का खास सम्मान, अकादमी में बना मोज़ेक और सड़क का नाम किया समर्पित

लंदन ,21 मई (एजेंसियां)। मैनचेस्टर सिटी ने अपने दिग्गज मिडफील्डर केविन डी ब्रुएने को एक यादगार सम्मान देते हुए सिटी फुटबॉल अकादमी में उनका एक भव्य मोज़ेक स्थापित किया है और अकादमी से फर्स्ट टीम सेंटर को जोड़ने वाली सड़क का नाम 'केविन डी ब्रुएने क्रेसेंट' रखा है।

डी ब्रुएने को यह सम्मान क्लब के चेयरमैन खलदून अल मुबारक ने मंगलवार को व्यक्तिगत रूप से सौंपा। ट्रेनिंग पिच के पास लगाए गए इस मोज़ेक में डी ब्रुएने का एक जश्न मनाने वाला पोज दर्शाया गया है। इसे मैनचेस्टर के स्थानीय कलाकार और क्लब समर्थक मार्क कैनेडी ने तैयार किया है। यह स्मृति–चिन्ह क्लब के महान खिलाड़ियों—याया टूर, जो हार्ट, डेविड सिल्वा, विंसेंट कंपनी, सर्जियो एगुएरो, फर्नांडिन्हो और इल्काय गुंडोगन—को पहले दिए गए सम्मानों की श्रृंखला में नया नाम है।

क्लब छोड़ने से पहले अंतिम घरेलू मुकाबला केविन डी ब्रुएने ने मंगलवार को बोरनमाउथ के खिलाफ एतिहाद स्टेडियम में अपना अंतिम घरेलू मुकाबला खेला। जून में अनुबंध समाप्त होने के बाद वह क्लब को अलविदा कहेंगे।

गौरवशाली रहा 10 साल का सफर

2015 में जर्मन क्लब वोल्फ्सबर्ग से सिटी से जुड़ने के बाद डी ब्रुएने ने क्लब के लिए 420 मैचों में 108 गोल किए। 33 वर्षीय इस बेल्जियम मिडफील्डर ने अपने दशक लंबे कार्यकाल में सिटी के सबसे सफल खिलाड़ी का दर्जा प्राप्त किया। उन्होंने क्लब को छह प्रीमियर लीग खिताब, दो एफए कप, पांच लीग कप, एक चैंपियंस लीग, एक सुपर कप और एक क्लब वर्ल्ड कप दिलाया। डी ब्रुएने को मिला यह विशेष सम्मान उनके योगदान को सदा के लिए क्लब इतिहास में दर्ज कर गया है।

जीत के साथ राजस्थान ने खत्म किया अपना आईपीएल 2025 का सफर, चेन्नई को 6 विकेट से दी मात

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के अपने अंतिम लीग मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 6 विकेट से शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही राजस्थान ने टूर्नामेंट से विजयी विदाई ली। अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में राजस्थान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। चेन्नई ने निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 187 रन बनाए। चेन्नई की ओर से डेवाल्ड ब्रेविस ने 42, आयुष म्हात्रे ने 43 और शिवम दुबे ने 39 रन की उल्लेखनीय पारियां खेलीं। अनुभवी कप्तान एमएस धोनी ने 17 गेंदों में 16 रन बनाए और टी–20 क्रिकेट में अपने 350 छक्के पूरे किए। राजस्थान की गेंदबाजी में युद्धवीर सिंह और आकाश मधवाल ने घातक प्रदर्शन करते हुए 3–3 विकेट अपने नाम किए। जबकि तुषार देशपांडे और वनिंदु हसरंगा को एक–एक विकेट मिला।

पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में उतरेंगी भारतीय महिला बॉक्सर

थाईलैंड ओपन और वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में लेंगी भाग

नई दिल्ली ,21 मई (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार भारतीय महिला मुक्केबाज़ अंतरराष्ट्रीय रिंग में उतरने के लिए तैयार हैं। भारतीय बॉक्सर दो बड़े टूर्नामेंट थाईलैंड ओपन और वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में हिस्सा लेंगी।

थाईलैंड ओपन 24 मई से बैंकॉक में खेला जाएगा, जबकि वर्ल्ड बॉक्सिंग कप का आयोजन 30 जून से अस्ताना, कज़ाखस्तान में किया जाएगा।

थाईलैंड ओपन में उतरेंगी रजत पदक विजेता, वर्ल्ड कप में दिखेंगी राष्ट्रीय चैंपियन

भारतीय बॉक्सिंग फेडरेशन (बीएफआई) की नई चयन नीति के अनुसार, वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में राष्ट्रीय चैंपियन उतरेंगी, जबकि थाईलैंड ओपन में रजत पदक विजेताओं को मौका मिलेगा। यह चयन प्रक्रिया पुरुष और महिला दोनों वर्गों पर समान रूप से लागू की गई है।

पिछले एक साल में चूके कई अहम टूर्नामेंट

ओलंपिक साइकिल के दौरान बीएफआई के राष्ट्रीय कैंप्स में देरी और महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप को कई बार स्थगित किए जाने के चलते भारतीय मुक्केबाज़ों को एशियन चैंपियनशिप और स्ट्रैंडजा मेमोरियल जैसे अहम टूर्नामेंटों से बाहर रहना पड़ा। पुरुष बॉक्सर्स ने अप्रैल में वर्ल्ड बॉक्सिंग कप के ज़रिए वापसी कर ली थी, लेकिन महिलाओं के राष्ट्रीय मुकाबले मार्च के अंत में आयोजित होने के कारण उन्हें देर से मौका मिला। फिलहाल वर्ल्ड बॉक्सिंग की अंतरिम समिति के अधीन है भारतीय बॉक्सिंग बीएफआई के चुनाव फिलहाल अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हैं। ऐसे में विश्व बॉक्सिंग संस्था द्वारा गठित अंतरिम समिति भारतीय मुक्केबाज़ी से जुड़ी सभी गतिविधियों का संचालन कर रही है।

पीकेएल 2025: गुजरात जाइंट्स के जयवीर शर्मा बने नए हेड कोच

वरिंदर सिंह संधू को असिस्टेंट कोच नियुक्त किया गया

अहमदाबाद ,21 मई (एजेंसियां)। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) 2025 की प्लेयर ऑक्शन 31 मई से एक जून तक होने वाली है। इसके पहले, अदानी स्पोर्ट्सलाइन के स्वामित्व वाली गुजरात जाइंट्स ने नए सत्र के लिए रणनीतिक बदलाव करते हुए अपनी कोचिंग स्टाफ में बदलाव किया है। जयवीर शर्मा को गुजरात जाइंट्स का नया हेड कोच नियुक्त किया गया है, जबकि वरिंदर सिंह संधू असिस्टेंट कोच की भूमिका निभाएंगे।

तीन दशकों से अधिक अनुभव वाले जयवीर भारतीय कबड्डी के सबसे सम्मानित कोचों में से एक हैं। वह चैंपियनशिप जीतने वाले कोच हैं और उनके पास शानदार रिकॉर्ड के साथ गहन तकनीकी समझ भी है।

1992 से स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) के साथ काम कर रहे जयवीर ने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के करियर को आकार दिया है। उनकी कोचिंग में भारतीय टीम ने एशियाई खेलों, कबड्डी वर्ल्ड कप और कई बड़े टूर्नामेंट में गोल्ड मेडल जीते हैं।

जयवीर शर्मा ने फ्रेंचाइजी की ओर से जारी एक बयान में कहा, गुजरात जाइंट्स का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं। मैं टीम में एक निडर और विनम्र सोच विकसित करना चाहता हूं, ताकि हम पीकेएल में सबसे मजबूत दावेदार बन सकें। अदानी स्पोर्ट्सलाइन का धन्यवाद, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया और यह अवसर दिया। मैं ऑक्शन और टीम बनाने के लिए उत्सुक हूं।

2017 से पीकेएल में खेल रही गुजरात जाइंट्स ने कई सितारों जैसे रोहित गुलिया,

सचिन तंवर, सुनील कुमार, पर्वेश भैंसवाल और पवन सहरावत को निखारा है, जो लीग के अहम खिलाड़ी बन गए हैं। गुजरात जाइंट्स को युवा कोचिंग टैलेंट को मौका देने का भी गर्व है। इसका उदाहरण है मनप्रीत सिंह, जो अब तक पीकेएल के सबसे सफल कोचों में से एक हैं।

इस परंपरा को जारी रखते हुए वरिंदर संधू को टीम में शामिल किया गया है। वरिंदर के पास 17 साल भारतीय सशस्त्र बलों में सेवा का अनुभव है। वे नेतृत्व, अनुशासन और आधुनिक तकनीकी कौशल लेकर आए हैं। वरिंदर जयवीर के मार्गदर्शन में पीकेएलकी दुनिया में कदम रखेंगे।

वरिंदर भारतीय महिला कबड्डी टीम के हेड कोच रह चुके हैं और 19वें एशियाई खेल 2023 (हांग्जो, चीन) और 6वें एशियाई कबड्डी चैंपियनशिप 2025 (ईरान) में कई ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीताए हैं। उन्होंने पंजाब राज्य टीम और भारतीय वायु सेना को भी नेशनल गेम्स 2023 और 2025 में कोचिंग दी है। वरिंदर ने कहा, गुजरात जाइंट्स परिवार का हिस्सा बनकर मैं बहुत खुश हूं। यह दुनिया की सबसे बड़ी कबड्डी लीग का हिस्सा बनने का शानदार मौका है। मैं पहली बार खिलाड़ी ऑक्शन का अनुभव लेने को उत्सुक हूं और नई टीम बनाने में मदद करना चाहता हूं। मैं हेड कोच जयवीर के साथ मिलकर टीम की सफलता में योगदान दूंगा। अदानी स्पोर्ट्सलाइन के चीफ बिजनेस ऑफिसर संजय अदेसरा ने नए कोचिंग स्टाफ का स्वागत करते हुए कहा, हम जयवीर शर्मा और वरिंदर सिंह संधू को गुजरात जाइंट्स परिवार में शामिल करके खुश हैं। दोनों के पास बेहतरीन कोचिंग अनुभव और काबिलियत है, जो टीम को खिताब तक पहुंचाने में मददगार साबित होगी। उन्होंने आगे कहा, अदानी स्पोर्ट्सलाइन का दर्शन है कि युवा खिलाड़ियों और कोचों को सही मंच देना चाहिए ताकि वे तरक्की कर सकें। वरिंदर संधू का टीम में आना, हेड कोच जयवीर के नेतृत्व में, हमारे लिए एक मजबूत भविष्य की ओर कदम है।

एप्पल पर ट्रंप की धमकियों का असर नहीं, सहयोगी कंपनी करेगी निवेश

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एप्पल के सीईओ टिम कुक को भारत में एप्पल प्रोडक्ट्स का प्रोडक्शन भारत में नहीं करने की सलाह दी थी, लेकिन एप्पल इस सलाह पर अमल करने के मूड में नहीं है। एप्पल की प्रमुख सप्लायर और आईफोन निर्माता होन हाई प्रिसिजन इंडस्ट्री ने भारत में 13 हजार करोड़ रुपए निवेश करने की बात कही है। होन हाई प्रिसिजन, फॉक्सकॉन के नाम से मशहूर यह निवेश चीन से प्रोडक्शन हटाकर भारत में स्थानांतरित करने की रणनीति के तहत किया जा रहा है।

होन हाई प्रिसिजन इंडस्ट्री ने 13 हजार करोड़ के निवेश करने की बात कही

होन हाई प्रिसिजन ने ताइवानी स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि यह निवेश उसकी सिंगापुर स्थित सहायक कंपनी के जरिए किया गया है। फिलहाल कंपनी दक्षिण भारत में नए मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स तैयार कर रही है और उत्पादन क्षमता को बढ़ा रही है। एप्पल की योजना है कि वह अगले साल के आखिर तक अमेरिका में बिकने वाले ज्यादातर आईफोन का आयात भारत से करे। यह कदम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पसंद नहीं आया। उन्होंने कहा कि वह एप्पल के सीईटो टिम कुक से भारत में मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स न बनाने को कहा। ट्रंप की टिप्पणी से साफ जाहिर होता है कि चीन पर निर्भरता कम करने के लिए कंपनियां तेज़ी से विकल्प तलाश रही हैं। टैरिफ और भू-राजनीतिक तनाव को देखते हुए एप्पल अब चीन के बाहर प्रोडक्शन को बढ़ा रहा है। फिलहाल एप्पल अपने ज्यादातर आईफोन चीन में बनाता है और अमेरिका में उसकी कोई स्मार्टफोन निर्माण इकाई नहीं है। हालांकि कंपनी ने अमेरिका में ज्यादा लोगों को नौकरी देने और अगले चार सालों में 500 बिलियन डॉलर निवेश करने का वादा किया है।

मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि एप्पल ने भारत में आईफोन 17 सीरीज का ट्रायल प्रोडक्शन शुरू किया है। भारत में फॉक्सकॉन और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ मिलकर ये ट्रायल चल रहा है। ये दोनों कंपनियां एप्पल के बड़े मैन्युफैक्चरर्स में शामिल हैं। ऐपल को उम्मीद है कि साल 2026 तक अमेरिका में बिकने वाले सभी आईफोन मेड इन इंडिया होने वाले हैं।

न्यूज ब्रीफ

यूट्यूबर को हर महीने 427 करोड़ रुपए की कमाई : 26 साल की उम्र में मिस्टर बीस्ट अरबपति बने, अब मंदिर में वीडियो बनाने पर विवाद में फसे

मुंबई। मेक्सिको के मंदिर से जुड़े वीडियो को लेकर विवादों में घिरे बिलेनियर यूट्यूबर और बिजनेसमैन

मिस्टर बीस्ट हर महीने 50 मिलियन डॉलर यानी, करीब 427 करोड़ रुपए कमाते हैं। 2024 में वे 26 साल की उम्र में अरबपतियों की लिस्ट में शामिल हुए थे। अभी उनकी नेटवर्थ 8,500 करोड़ रुपए के करीब है। सेलेब्रिटी नेटवर्थ के मुताबिक वे दुनिया के 8वें सबसे युवा अरबपति हैं। उनका नाम जेम्स स्टीफन डोनाल्डसन है। हालांकि, सेलिब्रिटी नेट वर्थ में जो 50 मिलियन डॉलर का मंथली फिगर दिया गया है वो मिस्टर बीस्ट के एनुअल ग्रॉस रेवेन्यू के आधार पर लिया गया है। 2024 में मिस्टरबीस्ट के एनुअल ग्रॉस रेवेन्यू का 600 मिलयन डॉलर-700 मिलियन डॉलर यानी, करीब 5 हजार करोड़ रुपए से 6 हजार करोड़ रुपए के बीच अनुमान लगाया गया है। अगर हम 600 मिलियन डॉलर को 12 से डिवाइड करते हैं तो ये 50 मिलियन डॉलर महीना होता है। रुपए में इसे बदले तो ये 427 करोड़ होगा। मैक्सिको माया मंदिर वीडियो से विवाद में फसे मिस्टर बीस्ट ने मैक्सिको के माया मंदिर में आई सर्वाइव्ड 100 आवर्स इन एन एंशिएंट वीडियो शूट किया था। इसने 60 मिलियन से अधिक व्यूज हासिल किए। मैक्सिको के राष्ट्रीय पुरातत्व संस्थान ने मिस्टर बीस्ट पर आरोप लगाया कि उन्हें केवल फिल्मिंग की अनुमति थी, लेकिन उन्होंने कंटेंट को मुनाफे के लिए इस्तेमाल किया। इसके जवाब में मिस्टर बीस्ट ने कहा हमने मैक्सिकन और माया संस्कृति का सम्मान किया। यह वीडियो दुनिया को उनकी संस्कृति से जोड़ने के लिए था। उन्होंने दावा किया कि सरकारी एजेंसियों, पुरातत्वविदों और साइट प्रतिनिधियों की मौजूदगी में फिल्मिंग हुई। 12 साल की उम्र में शुरू किया था यूट्यूब चैनल 7 मई 1998 को अमेरिका के कंसास में जन्में मिस्टर बीस्ट ने महज 12 साल की उम्र में नाम से यूट्यूब चैनल शुरू किया था। शुरुआती दिनों में वे गेमिंग और दूसरे यूट्यूबर्स की कमाई का अनुमान लगाने जैसे वीडियो बनाते थे।

टिकट से ट्रेन स्टेटस तक, एक एप पर सभी सेवाएं : रेलवे ने रोलआउट किया स्वरेल एप; लाइव ट्रैकिंग और शिकायत की सुविधा भी उपलब्ध

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने अपना नया एप स्वरेल एंड्रॉयड यूजर्स के लिए रोलआउट कर दिया है। यह

एप यात्रियों को टिकट बुकिंग से लेकर ट्रेन स्टेटस और खाना ऑर्डर करने तक की सभी सेवाएं एक ही जगह पर देगा। इसके अलावा, इस एप का उपयोग करके यूजर्स अपनी यात्रा से जुड़ी किसी भी समस्या का समाधान आसानी से कर सकेंगे। इसे सेंटर फॉर रेलवे इंफॉर्मेशन सिम ने डेवलप किया है। स्वरेल भारतीय रेलवे की अलग-अलग डिजिटल सेवाओं को एक ही प्लेटफॉर्म पर इंटीग्रेट करता है, जिससे यात्रियों को अलग-अलग एप डाउनलोड करने की जरूरत नहीं होगी। इसलिए इसे सुपर एप कहा जा रहा है। कैसे इस्तेमाल करें स्वरेल गूगल प्ले स्टोर पर एंड्रॉयड यूजर्स (वर्जन 1127) के लिए अवेलेबल हो गया है। इसे अब तक 1 लाख से ज्यादा लोग डाउनलोड कर चुके हैं। हालांकि, यह एपल एप स्टोर में अवेलेबल नहीं है।

एसयूवी की बिक्री को लेकर मारुति सुजुकी के बाद दूसरे स्थान पर महिंद्रा

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी महिंद्रा देश में सबसे ज्यादा एसयूवी बेचने वाली कंपनियों में मारुति सुजुकी के बाद दूसरे स्थान पर है। महिंद्रा ने अब बोलेरो और बोलेरो नियो के स्पेशल एडिशन लॉन्च किए हैं, जिन्हें 'बोल्ड एडिशन' नाम दिया गया है। इस नए एडिशन में ग्राहकों को स्टाइल और फीचर्स के लिहाज से पहले से ज्यादा आकर्षक विकल्प मिलते हैं। इन एडिशनों के जरिए महिंद्रा ग्राहकों को एक ज्यादा स्टाइलिश और फीचर-समृद्ध विकल्प देने का प्रयास कर रही है, जो रफ एंड टफ उपयोग के साथ प्रीमियम लुक भी चाहता है। महिंद्रा बोलेरो बोल्ड एडिशन में कंपनी ने एक हिंदी टैगलाइन दी है बेमिसाल जज्बे की शान, बोल्ड की नई पहचान। इस संस्करण में डार्क क्रोम थीम वाला एक्सटीरियर और प्रीमियम ब्लैक इंटीरियर दिया गया है, जिससे इसका लुक ज्यादा दमदार और आकर्षक हो गया है। साथ ही इसमें स्पोर्टी ब्लैक फ्रंट बंपर भी शामिल है, जो इसकी मजबूती और स्टाइल को और बढ़ाता है। हालांकि, पावरट्रेन में कोई बदलाव नहीं किया गया है, यानी इंजन वही पुराने मॉडल जैसा रहेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

वक्फ कानून...

मुर्शिदाबाद हिंसा के अगले दिन शनिवार 12 अप्रैल 2025 को हिंदू पिता-पुत्र की उनके मुस्लिम पड़ोसियों ने ही हत्या कर दी। इसके बाद हुई हिंसा में इलाके की दुकानें और बाजार पूरी तरह तबाह हो गए। किराना स्टोर, हार्डवेयर की दुकानें, इलेक्ट्रॉनिक्स और कपड़े की दुकानों को नष्ट कर दिया गया। मंदिरों को भी नहीं बख्शा गया। यह सब स्थानीय पुलिस स्टेशन से सिर्फ 300 मीटर की दूरी पर हुआ। जांच रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि घोषपारा (मुर्शिदाबाद का इलाका) में 29 दुकानें फूंकी गई या तोड़फोड़ की शिकार हुई। इस दौरान एक शॉपिंग मॉल जैसा बाजार लूट लिया गया और उसे बंद कर दिया गया।

जांच समिति में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण और न्यायिक सेवा के सदस्य शामिल थे। इस समिति ने गांवों का दौरा किया और हिंसा के शिकार लोगों से बात की। इसके बाद यह रिपोर्ट तैयार की गई, जिसे मंगलवार 20 मई 2025 को हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच के सामने पेश किया गया।

हाईकोर्ट को सौंपी गई इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि धूलियन में हुई हिंसा का नेतृत्व सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय पार्षद मेहबूब आलम ने किया था और एक मॉल को भी लूट लिया गया था। समिति ने यह रिपोर्ट हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा करने और पीड़ितों से बातचीत के बाद तैयार की है। तीन सदस्यीय जांच समिति में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के रजिस्ट्रार जोगिंदर सिंह, पश्चिम बंगाल विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव सत्य अर्नब घोषाल और डब्लूबीजेएस के रजिस्ट्रार सौगत चक्रवर्ती शामिल थे। इन्होंने अपनी रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र किया है कि शुक्रवार को पहली बार हुए हमले के बाद स्थानीय तृणमूल नेताओं ने इलाके का दौरा किया और हिंदुओं के उन घरों की निशानदेही की जो हमले में बच गए थे। उसके बाद दंगाई मुसलमानों की भीड़ ने दोबारा हमला किया और इन घरों में आग लगाई। उन्होंने पानी का भी कनेक्शन काट दिया था ताकि आग नहीं बुझाई जा सके। वारदात के बाद पूरे क्षेत्र में स्थानीय महिलाएं डरी हुई हैं। सबसे अधिक वेटबोना गांव में दर्दनाक हादसा हुआ, जहां 113 घर आग के हवाले कर दिए गए और हरगोविंद दास और उनके बेटे चंदन दास को घर से खींचकर मौत से घाट उतारा गया। इसका कारण केवल इतना था कि वे हिंदू थे।

हाईकोर्ट ने 17 अप्रैल को इस समिति का गठन वक्फ अधिनियम को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान विस्थापित हुए लोगों की पहचान और पुनर्वास के लिए किया था। कोलकाता हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सौमेन सेन और न्यायमूर्ति राजा बसु चौधरी की खंडपीठ ने जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर कहा है कि राज्य सरकार के नाकाम रहने की स्थिति में पीड़ितों के लिए योग्य मूल्यांकन विशेषज्ञों की नियुक्ति ही एकमात्र उपाय है। खंडपीठ ने यह भी कहा कि प्रत्येक पीड़ित को अलग-अलग और विशेष पुनर्वास पैकेज की आवश्यकता है, जिसके लिए मूल्यांकन विशेषज्ञों की सेवा अत्यावश्यक है।

इससे पहले पश्चिम बंगाल सरकार ने भी हाईकोर्ट को एक रिपोर्ट सौंपी थी जिसमें आठ अप्रैल से 12 अप्रैल तक मुर्शिदाबाद जिले के विभिन्न क्षेत्रों में वक्फ अधिनियम को लेकर हुए प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा की जानकारी दी गई थी। सरकारी रिपोर्ट में कहा गया है कि जंगीपुर पुलिस जिला के अंतर्गत आने वाले सभी थाना क्षेत्रों में चार अप्रैल से ही वक्फ अधिनियम, 2025 को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे। ये प्रदर्शन आठ अप्रैल से हिंसक रूप लेने लगे। सबसे दर्दनाक घटना 12 अप्रैल को सामने आई जब शमशेरगंज थाना क्षेत्र के जाफराबाद में हरगोविंद दास और उनके बेटे चंदन दास की भीड़ द्वारा हत्या कर दी गई। स्थिति के नियंत्रण से बाहर होने पर 11 अप्रैल को शमशेरगंज में केंद्रीय बलों की तैनाती की गई और 12 अप्रैल को हाईकोर्ट के आदेश पर और अधिक केंद्रीय बल भेजे गए। सरकारी रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि बीएसएफ के हस्तक्षेप के बाद सुति, धूलियन, शमशेरगंज और जंगीपुर में स्थिति को नियंत्रण में लाया गया।

मुर्शिदाबाद में फैली इस हिंसा और प्रशासन की भूमिका पर अदालत की निगरानी में हुई जांच ने राज्य सरकार के समक्ष गंभीर सवाल खड़े किए हैं। यह हिंसा वक्फ संशोधन बिल के पास होने के दौरान शुरू हुई थी, जिसमें सोच-समझ कर हिंदुओं को निशाना बनाया गया। जब पीड़ित लोगों ने मदद के लिए पुलिस को फोन किया, तो पुलिस ने कोई जवाब नहीं दिया और पूरी तरह निष्क्रिय रही।

सोनिया और...

उन्होंने कहा कि उन्हें हाल ही में करीब 5,000 पन्नों के दस्तावेज मिले हैं और मई का महीना कोर्ट और वकीलों के लिए व्यस्त रहता है। इसलिए उन्होंने जून के अंत या जुलाई के पहले सप्ताह तक का समय मांगा। कोर्ट ने उनकी मांग को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए मामले को 2 जुलाई से 8 जुलाई तक रोजाना सुनवाई के लिए स्थगित कर दिया। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यह मामला एमपी-एमएलए कोर्ट के दायरे में आता है, इसलिए नियमित सुनवाई जरूरी है।इसके अलावा कोर्ट ने सुब्रमण्यम स्वामी की उस याचिका को भी मंजूरी दे दी, जिसमें उन्होंने नेशनल हेराल्ड केस की चार्जशीट और अन्य दस्तावेजों की कॉपी मांगी थी। ईडी ने सुनवाई के दौरान यह दलील दी कि सरकारी मंजूरी की जरूरत नहीं है, क्योंकि चार्जशीट एक अधिकृत अधिकारी के जरिए दायर की गई है, जो ईडी में सहायक निदेशक के पद पर है। राजू ने एक सरकारी आदेश का हवाला देते हुए कहा कि सरकार किसी अधिकारी को धारा 45 के तहत शिकायत दायर करने के लिए अधिकृत कर सकती है।

हाल ही में आरोपपत्र दाखिल करने वाली ईडी ने 2021 में अपनी जांच शुरू की थी, जब एक मजिस्ट्रेट अदालत ने 26 जून 2014 को स्वामी की ओर से दायर एक निजी शिकायत पर संज्ञान लिया था। नेशनल हेराल्ड धन शोधन मामले में संघीय एजेंसी का प्रतिनिधित्व कर रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि आरोपी तब तक अपराध की आय का आनंद ले रहे थे जब तक कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नवंबर 2023 में नेशनल हेराल्ड से जुड़ी 751.9 करोड़ रुपए की सम्पत्ति जब्त नहीं कर ली।

ईडी ने दावा किया कि गांधी परिवार ने न केवल अपराध से प्राप्त धन को अर्जित करके धन शोधन किया, बल्कि उस पैसे को अपने पास भी रखा। ईडी ने बताया कि नेशनल हेराल्ड के संबंध में सोनिया गांधी, सैम पित्रोदा, सुमन दुबे और अन्य के खिलाफ प्रथम दृष्टया धन शोधन का मामला सामने आया है। इस बीच, न्यायाधीश ने संघीय एजेंसी को शिकायतकर्ता सुब्रमण्यम स्वामी को एक प्रति उपलब्ध कराने का आदेश दिया। ईडी ने 2021 में अपनी जांच शुरू करने के बाद हाल ही में अपना आरोपपत्र दाखिल किया।

नेशनल हेराल्ड मामले में पहली शिकायत 2012 में दर्ज की गई थी। हालांकि, ईडी ने 2014 में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामले की जांच शुरू की। यह तब हुआ जब एक ट्रायल कोर्ट ने 2012 में स्वामी की ओर से दायर एक निजी आपराधिक शिकायत के आधार पर अनियमितताओं की आयकर जांच का संज्ञान लिया था। आरोपों के अनुसार 2010 में, नेशनल हेराल्ड प्रकाशित करने वाली एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) में 1,057 शेयरधारक थे। स्वामी की शिकायत के अनुसार, गांधी परिवार ने धोखाधड़ी, आपराधिक गबन और विश्वासघात के जरिए यंग इंडियन लिमिटेड (वाईआईएल) का इस्तेमाल कर एजेएल का अधिग्रहण किया।

2008 में भारी कर्ज के बोझ तले दबी एजेएल ने वित्तीय तंगी का हवाला देते हुए नेशनल हेराल्ड का प्रकाशन बंद कर दिया। दो साल बाद वाईआईएल बना। सोनिया और राहुल गांधी के पास इसके 38-38 फीसदी शेयर थे, जो संयुक्त रूप से 78 फीसदी था। चूंकि एजेएल पर कांग्रेस का 90.25 करोड़ रुपए बकाया था, इसलिए पार्टी ने 50 लाख रुपए में इस लोन को वाईआईएल को हस्तांतरित कर दिया। इस हस्तांतरण के साथ ही एजेएल का नियंत्रण वाईआईएल को हस्तांतरित हो गया, अब इस पर अब एजेएल का 99 प्रतिशत स्वामित्व है। ये सारे बदलाव राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) या किसी अन्य नियामक संस्था की निगरानी के बगैर किया गया। जिससे इस लेनदेन पर सवाल उठने लगे।

वक्फ इस्लाम...

संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की 36 बैठकें हुईं। कुछ याचिकाकर्ता पूरे मुस्लिम समुदाय की राय का दावा नहीं कर सकते।

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा था कि संसद से पारित किसी भी कानून को संवैधानिक माना जाता है, जब तक कि उसके खिलाफ कोई बहुत ही स्पष्ट और गंभीर मामला पेश न किया जाए। याचिकाकर्ताओं की ओर से बहस कर रहे सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने जब अपनी दलीलें शुरू कीं, तो सीजेआई बीआर गवई ने कहा कि हर कानून के पक्ष में संवैधानिकता की धारणा होती है। अंतरिम राहत के लिए आपको एक बहुत मजबूत और स्पष्ट मामला बनाना होगा।

घुसपैठिए छीन...

मैंने डीजीपी को पत्र लिखकर तट पर कड़ी निगरानी रखने को कहा है।

डिप्टी सीएम ने कहा कि अतीत में हुए जघन्य हमलों से यह साबित होता है कि दक्षिणी राज्य आतंकवादियों के लिए संवेदनशील लक्ष्य हैं। कोयंबटूर और हैदराबाद में हुए आतंकवादी हमले आज भी दिल की धड़कन बढ़ा देते हैं। उन्होंने तेलंगाना और आंध्र प्रदेश पुलिस द्वारा चलाए गए संयुक्त अभियान का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने राज्य में कथित तौर पर आतंकवादियों से जुड़े एक व्यक्ति का पता चलने के बाद पुलिस को अतिरिक्त सतर्कता बरतने के लिए लिखा था।

कल्याण ने कहा कि मैंने सुझाव दिया कि प्रशासनिक मशीनरी के साथ कोऑर्डिनेशन करके आतंकवाद का समर्थन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। अगर उचित निगरानी रखी जाए, खासकर प्रवासियों के मामले में तो भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है।तटीय क्षेत्र में निरंतर निगरानी और निगरानी बढ़ाने की भी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों काकीनाडा में नावों पर बाहर से लोगों के आने की कुछ खबरें आई थीं। हमारे तटों पर कौन उतर रहा है, इस पर नजर रखें। जन सेना पार्टी चीफ ने कहा कि रोहिंग्या प्रवास पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अतीत में, रोहिंग्या प्रवासी पश्चिम बंगाल से आंध्र प्रदेश के कई हिस्सों में आए थे। खासकर 2017-18 में बड़ी संख्या में लोग सुनार के रूप में काम करने के लिए कोलकाता से राज्य के विभिन्न हिस्सों में आए थे। रोहिंग्या की जड़ें म्यांमार में हैं। उनके पलायन के साथ, स्थानीय युवाओं को बेरोजगारी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। मुख्य मांग तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में स्थानीय लोगों के लिए नौकरियों की है। हालांकि, रोहिंग्या देश भर से आने के बाद यहां स्थायी निवास स्थापित करने के लिए राशन, आधार और मतदाता कार्ड प्राप्त कर रहे हैं। वे ऐसी नौकरियां और व्यवसाय कर रहे हैं जो हमारे युवाओं का होना चाहिए।

कल्याण ने कहा कि रोहिंग्याओं के लिए स्थायी निवास स्थापित करने में हमारी व्यवस्था लापरवाह है। उन्हें आधार, वोटर और राशन कार्ड कैसे मिल रहे हैं? यह स्पष्ट है कि उन्हें कौन दे रहा है। यह समझा जाता है कि हमारी व्यवस्था में कुछ लोग उनके साथ सहयोग कर रहे हैं। सभी को इस बात से अवगत कराया जाना चाहिए कि कैसे रोहिंग्या इस देश के नागरिक बन रहे हैं और हमारे अवसरों को छीन रहे हैं।

अमृत स्टेशनों से ...

और शिलान्यास का भी सुअवसर मिलेगा। इनमें अनेक सड़क परियोजनाएं भी शामिल हैं। इनसे जहां आवाजाही की सुविधाएं बढ़ेंगी, वहीं सीमावर्ती क्षेत्रों में हमारे डिफेंस इंफ्रास्ट्रक्चर को भी और मजबूती मिलेगी।

कैश वाले जज...

बेंच ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने कार्रवाई की मांग करते हुए राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के सामने कोई भी प्रतिवेदन दायर नहीं किया है, इसलिए परमादेश की मांग करने वाली रिट याचिका पर विचार करने का कोई मतलब नहीं है। जैसे ही इस मामले की सुनवाई शुरू हुई जस्टिस ओका ने वरिष्ठ वकील नेदुंपरा से कहा, एक इंटरनल इंक्वायरी रिपोर्ट थी। इसे भारत के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेज दिया गया है। इसलिए मूल नियम का पालन करें। अगर आप परमादेश रिट की मांग कर रहे हैं, तो आपको पहले उन अधिकारियों के सामने अभिवेदन करना होगा जिनके सामने यह मुद्दा पेंडिंग है। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री द्वारा कार्रवाई की जानी है।

जस्टिस ओका ने कहा, हम यह नहीं कह रहे हैं कि आप रिपोर्ट दाखिल नहीं कर सकते। आपको रिपोर्ट की विषय-वस्तु नहीं पता है। हमें भी उस रिपोर्ट की विषय-वस्तु नहीं पता है। आप उन्हें कार्रवाई करने के लिए कहते हुए एक प्रतिवेदन दें। यदि वे कार्रवाई नहीं करते हैं, तो आप यहां आ सकते हैं। इसके बाद नेदुंपरा ने वीरास्वामी फैसले पर सवाल उठाया जिसके आधार पर इन-हाउस इंक्वायरी की गई थी और कहा कि फैसले पर फिर से विचार किया जाना चाहिए। जस्टिस ओका ने कहा कि आखिरकार आपकी मुख्य प्रार्थना यह है कि संबंधित जज के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

उल्लेखनीय है कि जज यशवंत वर्मा 14 मार्च को अपने आधिकारिक आवास के स्टोर रूम में आग लगने की रिपोर्ट के बाद जांच के दायरे में आए। उनके आवास से बड़ी मात्रा में नकदी बरामद की गई थी। 21 मार्च को भारत के चीफ जस्टिस ने दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय की रिपोर्ट के बाद मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया। इसमें आगे की जांच की सिफारिश की गई थी। जज के घर पर कैश मिलने का मामला उपराष्ट्रपति धनखड़ भी कई बार उठा चुके हैं। पीठ ने याचिकाकर्ता मैथ्यूज नेद-ुम्परा और अन्य को पहले उचित कार्यकारी प्राधिकरण से सम्पर्क करने की सलाह दी। यह दूसरी बार था जब याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उनका पिछला प्रयास भी खारिज कर दिया गया था।

एक करोड़ का...

मारे गए 27 खूंखार माओवादियों में सीपीआई-माओवादी का महासचिव, शीर्ष नेता और नक्सल आंदोलन की रीढ़ नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू भी शामिल हैं। नक्सलवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई के तीन दशकों में यह पहली बार है कि सुरक्षाबलों द्वारा महासचिव स्तर का नेता मारा गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस उपलब्धि पर खुशी जताई और सुरक्षाबलों को उनकी बहादुरी के लिए बधाई दी है। अमित शाह ने कहा, मैं इस बड़ी सफलता के लिए हमारे बहादुर सुरक्षा बलों और एजेंसियों की सराहना करता हूं। यह बताते हुए भी खुशी हो रही है कि ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट के पूरा होने के बाद, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र में 54 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है और 84 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। मोदी सरकार 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद को खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

बसव राजू ने 2018 में गणपति की जगह सीपीआई (माओवादी) के महासचिव का पद संभाला। गणपति या मुप्पला लक्ष्मण राव 2004 में पीपुल्स वार और एमसीसी के विलय के बाद सीपीआई (माओवादी) के पहले महासचिव थे। माना जाता है कि वह फिलीपींस भाग गया। आरईसी वारंगल से बसवा राजू ने बीएससी और बीटेक की डिग्री भी हासिल की। अभी उसकी उम्र लगभग 70 साल है। बसवा राजू को चिंतलनार में सीआरपीएफ के 76 जवानों को मारने वाले माओवादियों का नेतृत्वकर्ता माना जाता है। इतना ही नहीं झीरम घाटी में कांग्रेस के काफिले पर घात लगाकर हमला करने के लिए भी उसे जाना जाता है। इसमें राज्य के पार्टी नेताओं को चाकू घोंप दिया था और गोली मार दी गई थी।

वह आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले से है और बचपन से ही सीपीआई (एमएल) पीपुल्स वार ग्रुप की तरफ उसका ज्यादा आकर्षण रहा है। 1980 के दशक की शुरुआत में वह इसमें शामिल हो गया।

माओवादी विचारधारा की तरफ आने से पहले बसवा राजू स्कूल और जूनियर कॉलेज में कबड्डी खिलाड़ी था। उसने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वारंगल से बीटेक की डिग्री हासिल की थी। बसव राजू सीपीआई (माओवादी) सैन्य आयोग का नेतृत्व कर रहा था। केशव राव ने ऐसे समय में अपनी ग्रेजुएशन पूरी की थी, जब एनआईटी माओवादी विचारधारा का केंद्र बन गया था। इतना ही नहीं इंस्टीट्यूट में पढ़ने वाले कई छात्र माओवादी आंदोलन में शामिल हो गए थे। उसे लिट्टे जैसे अन्य गुरिल्ला आंदोलनों के साथ मेलजोल रखने और आंध्र प्रदेश, ओड़ीशा और छत्तीसगढ़ में बड़े पैमाने पर काम करने के लिए जाना जाता है।

बसवा राजू को एक्सप्लोसिव एक्सपर्ट के तौर पर भी जाना जाता है। वह सुरक्षाबलों पर घात लगाने के लिए घातक आईईडी तैयार करता था। एनआईए ने उस पर करीब 1 करोड़ रुपए का इनाम भी रखा था। 23 सितंबर 2018 को माओवादियों ने अराकू तेलुगु देशम पार्टी के विधायक किदारी सर्वेश्वर राव और पूर्व विधायक सिवेरी सोमा की हत्या कर दी थी। यह सब कुछ बसवराज की प्लानिंग का ही नतीजा मान रहे थे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 22 मई, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

लायन्स क्लब आफ हैदराबाद राजधानी की मासिक बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। लायन्स क्लब आफ हैदराबाद राजधानी की अप्रैल माह की मासिक बैठक अध्यक्ष राजेंद्र जैन की अध्यक्षता में होटल बीकानेरवाला, बंजारा हिल्स में सम्न्न हुई।

लायन रमेश गांधी ने ध्वज वंदन किया। प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में सर्व प्रथम उपस्थित सभी सदस्यों ने गुलज़ार हाउस अग्नि प्रमाद में मारे गये मोदी अग्रवाल परिवार के 17 सदस्यों को दो मिनट का मौन रखा कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की तथा सभी को सद्गति प्राप्ति के लिए प्रार्थना की।

इसके साथ ही आपरेशन सिंदूर की अजेय सफलता व भारतीय सैनिकों के अदम्य पराक्रम की अनुमोदन करते हुए समस्त देशवासियों को हार्दिक बधाई दी।

तत्पश्चात अध्यक्ष राजेंद्र जैन ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में बैठक में पधारे सभी सदस्यों का स्वागत व अभिन्नदन किया तथा अपने कार्यकाल में सदस्यों द्वारा क्लब के द्वारा सेवा कार्य संचालित करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

क्लब के मानद मंत्री लायन प्रकाश एच. भंडारी ने विगत वर्ष 2024-25 के विगत 11 माह में किये गये सेवा कार्य का विवरण प्रस्तुत किया व सभी सदस्यों द्वारा क्लब को संचालित करने में प्रदत्त सहयोग व मार्गदर्शन के लिए आभार ज्ञापित किया। कोषाध्यक्ष लायन मुन्नालाल बंग ने आय व्यय विवरण प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर क्लब के आगामी लायनिस्टिक वर्ष 2025-26 के लिए पुन: सर्वसम्मति से लायन श्रीगोपाल अट्टल (टिंकू) को अध्यक्ष, लायन प्रकाश एच. भंडारी को मानद मंत्री, लायन मुन्नालाल बंग को कोषाध्यक्ष व लायन रमेश गांधी को उपाध्यक्ष मनोनीत करने की अनुमोदना की तथा सभी उपस्थित सदस्यों ने श्रीगोपाल अट्टल के आगामी कार्यकाल में संपूर्ण तरह से सहयोग की भावना व्यक्त की।

उपस्थित सदस्यों ने नव मनोनीत अध्यक्ष व अन्य पदाधिकारियों को बधाई व शुभकामनाएं दी।लायन रमेश गांधी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया व सामुहिक राष्ट्र गान के साथ बैठक समाप्त हुई।

इस अवसर पर क्लब के पूर्व अध्यक्ष पुरुषोत्तम दास मान्धाना, गौतम आलिजार, लक्ष्मीनारायण राठी, श्रीकिशन बंग, मुन्ना लाल बंग, गोविंद चांडक, रमेश गांधी, बालकृष्ण नावंदर, श्रीगोपाल अट्टल, पुरुषोत्तम अटल, दीपक अग्रवाल, कमल किशोर गोयनका, राजेश अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

बिहार अग्रवाल संघ तेलंगाना अग्नि दुर्घटना के मृतकों को दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुलजार हाउस में हुए भीषण अग्नि दुर्घटना में मारे गये अग्रवाल एवं मोदी परिवार के 17 सदस्यों की दर्दनाक वं अकाल मृत्यु पर संघ की ओर से गहन संवेदना और श्रद्धांजलि अर्पित की।प्रेस को जारी विज्ञप्ति में शोक संदेश में कहा कि संघ अपनी ह्रदय की गहराइयों से दिवंगत आत्माओं को विनम्र नमन और उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं रखना है। इस घटना समाज को विचलित कर दिया । नियति के इस ह्रदय विचारक घटना से संपूर्ण मानव समाज व हर कोई शोकाकुल व स्तब्ध है। इस अथाह दुखद घड़ी में बिहार अग्रवाल समाज के सभी सदस्य पीड़ित परिवार को दुख में पूर्णतया सहभागी है । हमारी संवेदनाएं अग्रवाल मोदी परिवार एवं उनके सभी संबंधियों के साथ हैं। हम परमपिता परमेश्वर से दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करते हुए उनको भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि घायलों को शीघ्र अति शीघ्र स्वस्थ करें और पीड़ित परिवार को यह असीम वेदना और दुख सहन करने की शक्ति दें। संपूर्ण समाज इस दुख की घड़ी में अग्रवाल मोदी परिवार के साथ खड़ा है। बिहार अग्रवाल संघ अध्यक्ष. विकास किशान, उपाध्याक्ष संतोष टांटिया, मंत्री भीम फिटकिरी वाला, सहमंत्री अनूप झुनझुनवाला, कोषाध्यक्ष विकि सराफ व अन्य ने शोक व्यक्त किया।

श्री गायत्री संस्कृत वेद विद्यालय ने जताया शोक

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। गायत्री वेद फाउंडेशन द्वारा संचालित श्री गायत्री संस्कृत वेद विद्यालय के प्रांगण में गुलजार हाउस के पास भीषण अग्नि दुर्घटना में मोदी परिवार के सत्रह सदस्यों के निधन पर शोक व्यक्त किया गया। इस ह्रदय विदारक एवं कठिन घड़ी में गायत्री वेद फाउंडेशन के अध्यक्ष पं. पुरुषोत्तम लाला एवं समस्त सदस्यों ने संवेदनाएँ व्यक्त करते हुए कहा कि वह दिवंगतों परिवारों के साथ हैं। वेद फाउंडेशन द्वारा भगवान नारायण के चरणों में प्रार्थना कर समस्त वेद विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा पितृ सूक्त का पाठ कर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करने हेतु प्रार्थना की गई। साथ ही शोक संतप्त परिवारों को असहनीय पीड़ा के समय धैर्य एवं साहस प्रदान करने हेतु परमपिता परमात्मा से प्रार्थना की गई।

अध्यक्ष पं. पुरुषोत्तम लाला, एडवोकेट सुरेंद्र सिंह चौधरी, सीए हरिगोविंद प्रसाद, महासचिव पं. विशेष शर्मा, संजय अग्रवाल, प्रदीप रेड्डी, आशीष शर्मा, अक्षय शर्मा, जगदीश शर्मा, हिमांशु उपाध्याय, वेद मूर्ति आदित्य पाठक, आकाश शुक्ल व अन्य ने शोक व्यक्त किया।

सिखवाल प्रगति समाज ने दी मृतकों को श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल प्रगति समाज ने रविवार, दि. 18 मई को गुलजार हाउस के अग्निकांड में मारे गये मोदी परिवार के मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में उपाध्यक्ष रामदेव नागला ने कहा कि उक्त घटना ने संपूर्ण मानव जाति को झकझोर दिया। यह एक असहनीय क्षति है। सिखवाल प्रगति समाज के अध्यक्ष नंदकिशोर व्यास बिलाल, महासचिव घनश्याम उपाध्याय व सभी पदाधिकारियों ने उक्त घटना को झकझोरने वाली बताया और परिवार के 17 लोगों की दु:खद मृत्यु पर गहरा शोक जताया। समाज ने परमपिता परमेश्वरद से प्रार्थना करते हुए दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान और शोकाकुल परिवारजनों को असहनीय पीड़ा को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

राजस्थानी ब्राह्मण सभा ने अग्निकांड पर जताया शोक

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्नैनी ब्राह्मण सभा हैदराबाद-सिकंदराबाद ने चारमीनार स्थित गुलजार हाउस में हुई अग्नि दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में महासचिव रामदेव नागला ने अग्नि दुर्घना को अत्यंत दुखद बताते हुए कहा कि इस दुख की घड़ी में उनकी संवेदनाएं शोक संतम्प परिवार के साथ है। घांसी बाजार स्थित कार्यालय में अध्यक्ष प. पुरुषोत्तम लाला व सभी पदाधिकारियों ने अपने शोक संदेश में कहा कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति सभा हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं और शोक संतप्त परिवार को इस असहनीय पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत बुधवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

भाजपा गोलकुंडा जिला द्वारा तिरंगा यात्रा निकली गई। यात्रा में भाग लेते हुए... भारतीय जनता पार्टी के महामन्त्री चन्द्रशेखर तिवारी, काव्या रेड्डी, जिला अध्यक्ष टी. उमा महेंद्र, वैकुंठम, राजेश करवा, अविनाश देवड़ा, मनीष व्यास, श्री राम व्यास, जीतेंद्र तिवारी, नारायण सारदा, नरेंद्र अग्रवाल, विपिन रामावत, स्वरूप व्यास एवं अन्य।

तेज रफ्तार डीसीएम-कार की आमने-सामने भिड़त, तीन की मौत

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर के सीमांत क्षेत्र हयातनगर में भीषण सड़क हादसा हुआ। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने घायल व्यक्ति को नजदीकी अस्पताल में भर्ती किया है।मिली जानकारी के अनुसार, रंगारेड्डी जिले के हयातनगर के कुंट्लुरु गांव के पास तेज रफ्तार डीसीएम और कार के बीच आमने-सामने भिड़ंत हो गई। कार में सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों की घायलों की हालत चिंताजनक बताई गई है। स्थानीय लोगों ने मृतकों को शवों को बेलचा से बाहर निकाला। इस हादसे का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है।

राजस्थानी प्रगति समाज एवं रामायण मेला समिति द्वारा नृसिंह मंदिर, हॉल में आयोजित सनातन धर्म संस्कृति का जारी चतुर्थ शिविर में उपस्थित संचालक राधेश्याम राठी, श्यामा लता नावंदर, राजेश तोषनीवाल, सुरेखा सारडा, रेखा राठी, ललीता सोनीएवं बालक बालिकाएं।

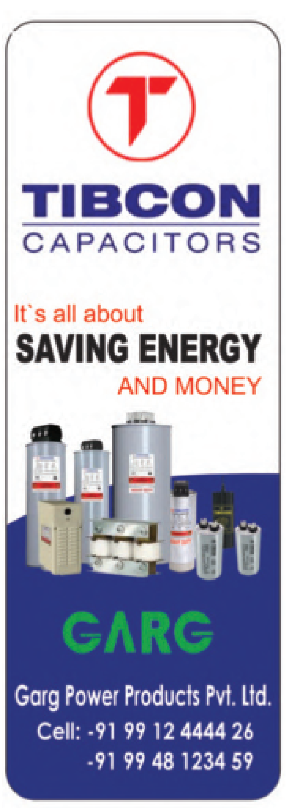

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29^0
न्यूनतम : 24^0

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 98,330/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,00,651/- (प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

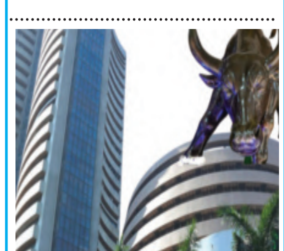

बीएसई : 81,596.63
+410.19 +0.51% ↑
एनएसई :24,813.45
129.55 (0.52%) ↑

सर्वे भवन्तु सुखिन:
मानव सेवा-माधव सेवा

अग्रवाल समाज, तेलंगाना

301, तीसरा माला, राघव रत्ना टॉवर्स, चिराग अली लेन, आबिड्स, हैदराबाद
Email : agarwalsamajtelangana.gmail.com Website : www.agarwalsamajtelangana.com

सार्वजनिक जागरूकता: आग लगने से बचाव के उपाय

Public Awareness : Measures to Prevent Fire Accidents

घरों में (At Home):

1. **गैस का उपयोग सावधानी से करें :** प्रति छह माह में गैस पाइप बदले । खाना बनाते समय गैस को कभी जलती हालत में न छोड़ें। सिलेंडर से गैस लीक न हो इसका ध्यान रखें।
2. **इलेक्ट्रिक उपकरणों की जाँच करें :** खराब वायरिंग या ढीले प्लग से आग लग सकती है। समय-समय पर निरीक्षण और मरम्मत करवाएँ। जिन घरों में MCB / RCCB नहीं है - तुरंत लगवाए
3. **ओवरलोडिंग से बचें :** एक ही सॉकेट में कई उपकरण न लगाएँ - इससे शॉर्ट सर्किट हो सकता है।
4. **रसोई में अग्निशामक रखें :** एक छोटा फायर एक्सटिंग्विशर रखना सुरक्षा के लिए ज़रूरी है।
5. घर बनाते समय या खरीदते समय वेंटिलेशन पर अवश्य ध्यान दे

कार्यालयों और व्यावसायिक स्थानों में (In Offices Commercial Areas):

6. **आपातकालीन निकासी योजना बनाएं :** भवन में साफ़-साफ़ एग्जिट संकेत और नक्शा लगाएं
7. **फायर अलार्म और एक्सटिंग्विशर लगवाएँ :** अच्छी क्वालिटी का अलार्म सिस्टम और पर्याप्त अग्निशामक यंत्र जरूरी हैं।

आग लगने की स्थिति में तुरंत किए जाने वाले उपाय

1. **आपातकालीन सेवा को कॉल करें :** जैसे ही सुरक्षित हो, फायर ब्रिगेड को कॉल करें (भारत में 101 नंबर डायल करें)।
2. **तुरंत बाहर निकलें :** सबसे नजदीकी सुरक्षित रास्ते से भवन खाली करें। लिफ्ट का प्रयोग न करें।
3. **नीचे झुककर चलें :** धुआँ ऊपर की ओर उठता है - साँस लेने के लिए नीचे झुककर चलें।
4. **नाक और मुँह ढकें :** गीले कपड़े या रूमाल से मुँह और नाक को ढकें, ताकि धुएं से बचा जा सके।
5. **रुकें, गिरें और लुड़के :** यदि कपड़ों में आग लग जाए तो रुकें, नीचे गिरें और लुड़के - इससे आग बुझ सकती है।
6. **दरवाज़े बंद करें :** बाहर निकलते समय घर के अंदर के दरवाज़े बंद करदें - यह आग और धुएं को फैलने से रोकता है।
7. **सीढ़ियों का उपयोग करें, लिफ्ट नहीं :** लिफ्ट रुक सकती है या आग वाले स्थान पर खुल सकती है।

अगर आप अंदर फँस गए हैं

8. **कमरे को सील करें :** दरवाजों की दरारों को गीले कपड़े से बंद कर दें ताकि धुआँ अंदर न आए।

बाहर निकलने के बाद

9. **वापस अंदर न जाएँ :** जब तक फायर ब्रिगेड अनुमति न दे, भवन में दोबारा प्रवेश न करें।

अग्रवाल समाज तेलंगाना

अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	मानद मंत्री	सह-मंत्री	कोषाध्यक्ष	निवर्तमान अध्यक्ष
मनीष अग्रवाल	पुरुषोत्तम अग्रवाल	कपूरचन्द गुप्ता	कंचन अग्रवाल	नवीन कुमार अग्रवाल	अंजनी कुमार अग्रवाल

महाश्रमण वाटिका में पंच दिवसीय कन्या संस्कार निर्माण शिविर का भव्य उद्घाटन

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

साध्वीश्री डॉक्टर गवेषणाश्री जी के सानिध्य मे जे.श्वे.ते.महासभा के तत्वावधान में तेरापंथ सभा सिकंदराबाद द्वारा महाश्रमण वाटिका, हैदराबाद में आज से पंच दिवसीय कन्या संस्कार निर्माण शिविर का भव्य आयोजन किया गया है।

राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार साध्वी श्री के मंगलाचरण से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। सिकंदराबाद सभा सदस्यों एवं प्रशिक्षिकाओं द्वारा सुमधुर गीतिका का संगान किया गया तत्पश्चात कन्या मंडल द्वारा मंगलाचरण की प्रस्तुति हुई। पंच दिवसीय इस शिविर में लगभग 101 कन्याओं ने अपना पंजीयन करवाया है ।

इस गरिमामय कार्यक्रम में जैन तेरापंथ वेलफेयर सोसायटी एवं जैन फाउंडेशन के चेयरमेन श्री महेंद्र भंडारी की अध्यक्षता में आयोजित उद्घ घाटन समारोह में मुख्य अतिथि महासभा महामंत्री श्री विनोद बैद विशिष्ट अतिथि समाज सेवी श्री सुनील सुर-णा,जैन वेलफेयर सोसाइटी एवं जैन रिलीफ फाऊंडेशन के मैनेजिंग ट्रस्टी श्री मनोज दुगड, तेरापंथ महिला मंडल अध्यक्षा कविता आच्छा, तेरापंथ युवक परिषद अध्यक्ष अभिनंदन नाहटा, अणुव्रत समिति मंत्री रीता सुराणा, ज्ञानशाला आंचलिक संयोजिका सीमा दस्सानी, आंचलिक सह संयोजिका सरोज लोढ़ा कन्यामण्डल प्रभारी शीतल कोठारी, रेखा संकलेचा आदि अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही ।

डॉ. साध्वी गवेषणा ने अपने मंगल उद्बोधन में कहा- आज की संस्कृति में संस्कारों की संपदा धूमिल होती जा रही है। अपनी सभ्यता और संस्कृति को कन्याएं भूलती जा रही है। इसी संपदा की सुरक्षित और जीवित करने को एक माध्यम है- शिविर । कन्याओं के शिविर का अर्थ है-दोनों घरों को रोशन करना। जीवन का निर्माण करना। परिवार, समाज, राष्ट्र और देश का उत्थान करना ।जैन धर्म में नमस्कार महामंत्र का विशिष्ट महत्व है। यह किसी व्यक्ति विशेष के नामकरण से जुड़ा हुआ नहीं है। यह मंत्रो का राजा है। अनेक घटनाओं के साथ महामंत्र के महत्व को उजागर किया गया।

साध्वी मयंकप्रभा ने कहा- अनेक कलाओं का ज्ञान और विज्ञान है किन्तु जीवन जीने का ज्ञान न हो तो सारी कलाएं व्यर्थ है। शिविर में हमारी कन्याओं को संकल्प करना है अशुभ से शुभ, नश्वर से ईश्वर, अर्श से अर्थ तक प्रस्थान करने का।

इस कार्यक्रम की सयोजना में कार्यक्रम संयोजक लक्ष्मीपत बैद एवं संगीता गोलछा का अत्यधिक श्रम लगा है। घंटो घंटो कार्यकताओं के साथ बैठकर सुंदर रूपरेखा तैयार कर अनेक कार्यकर्ताओ की मेहनत रंग लाई है। जिनका श्रम मुखर हुआ है,उन्हें साधुवाद एवं आगे बढ़ने की प्रेरणा। कन्याएं संस्कारो के आलोक से जीवन को आलोकित करे यही मंगलकांमना है।

साध्वी दक्षप्रभा ने नमस्कार महामंत्र से संबंधित सुमधुर गितिका प्रस्तुत की।

जैन तेरापंथ वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष श्री महेंद्रचंद भंडारी ने कहा जिस पुण्य भूमि पर आचार्य श्री महाश्रमण जी का ऐतिहासिक चातुर्मास हुआ उसी पुण्य भूमि पर आज ऐतिहासिक कार्य होने जा रहा है। साध्वी श्री जी के पावन सानिध्य में इतनी कन्याओं का एक साथ संस्कार निर्माण के लिए एकत्र होना ,किसी ऐतिहासिक कार्य से कम नहीं है।

श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद के अध्यक्ष श्री सुशील संचेती ने उपस्थित मंच व शिविरार्थियों का स्वागत करते हुए कहा की कन्या संस्कार शिविर अपने आप में एक अनूठा प्रॉजेक्ट है,जो हमें महासभा से मिला है।एक कन्या को संस्कारित करना अर्थात पूरे घर, समाज, परिवार और राष्ट्र को संस्कारित करने के बराबर है। जैन श्वेतांबर तेरापंथ महासभा के महामंत्री श्रीमान विनोद जी बैद मुख्य अतिथि के रूप में शिविर के उद्धघाटन सत्र में उपस्थित हुए। संकल्पों द्वारा नारी आसमान को छू सकती है। सफलता संस्कारों के बिना अधूरी है।कन्या शिविर की संयोजक संगीता गोलछा ने शिविर की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा ज्ञानशाला की पोषक संस्था सिकंदराबाद सभा द्वारा आयोजित शिविर को महिला समाज ने भी सफल बनाने के लिए दृढ़ संकल्प लिया है।

आभार ज्ञापन सभा मंत्री हेमंत जी संचेती द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में न्यूट्रिशनिस्ट चित्रा जी दुगड़ द्वारा कन्याओं को फूड हैबिट्स और लाइफस्टाइल के प्रति जागरूक किया गया। कैसे हम बैलेंस डाइट करें और अपनी हेल्थ तथा एनर्जी लेवल को बेहतरीन बनाएं ,बताया गया।

सुनीता जी लोढा द्वारा कन्याओं को पैकिंग के नए-नए हुनर सिखाए गए एवं उसमें कन्याओं ने उसमें बढ़- चढ कर भाग लिया। प्रियंका संकलेचा ने 25 बोल में से 5 बोल को चित्रों के द्वारा पीपीटी के माध्यम से समझाया एवं जिज्ञासा समाधान किया ।

मोनिका जी खटेड द्वारा बताया गया कि जिंदगी में लेखन का कितना महत्व है एवं वह हमारे जीवन की पारदर्शिता को किस प्रकार दर्शाते हैं लेखन के द्वारा हम अपने जीवन में किस प्रकार बदलाव ला सकते हैं इस सेशन के अंदर बताया गया।सीमा जी दस्सानी, रीटा जी सुराणा, पुष्पा जी बरडिया, सुमन जी सेठिया, डिंपल जी बैद, अरिहंत गुजराती, कुशाल भंसाली, रूद्र वेद, ऋषभ चिंडालिया के साथ तेरापंथ सभा, तेरापंथ युवक परिषद , तेरापंथ महिला मंडल, तेरापंथ किशोर मंडल , कन्या मंडल एवं कार्यक्रम संयोजिकाओं का विशेष सहयोग रहा। साध्वी मेरुप्रभा ने कुशलतापूर्वक कार्यक्रम का संचालन किया।

लोकमाता अहिल्याबाई की 300वीं जयंती पर सिकंदराबाद महाकाली मंदिर के पास प्रसाद वितरित करते हुए भाजपा नेता सपना गुप्ता, मुख्य अतिथि शशिधर रेड्डी, भरत गोंड व अन्य।

समाधि पार्क में इक्षापूर्ति गणेशजी की पूजा में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस अवसर पर राजेंद्र कुमार अग्रवाल, पद्मा किरण संध्या रानी अग्रवाल, पुष्पलता, विजया सेसैया गारू, बाबुल समर्पण कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदेवा, पीसी जैन, जवाहरलाल सोलंकी, महेश कुमार डकोटिया, विनोद टिकमानी, सुभाष अग्रवाल, विट्ठलदास अग्रवाल, प्रमोद कुमार सरायवाला, हेमंत शाह, बद्रीनारायण मेंथा रॉय, नित्या रॉय, वैष्णवी प्रतुया सौएबग, ईशा दीक्षांजलि आदि उपस्थित थे।

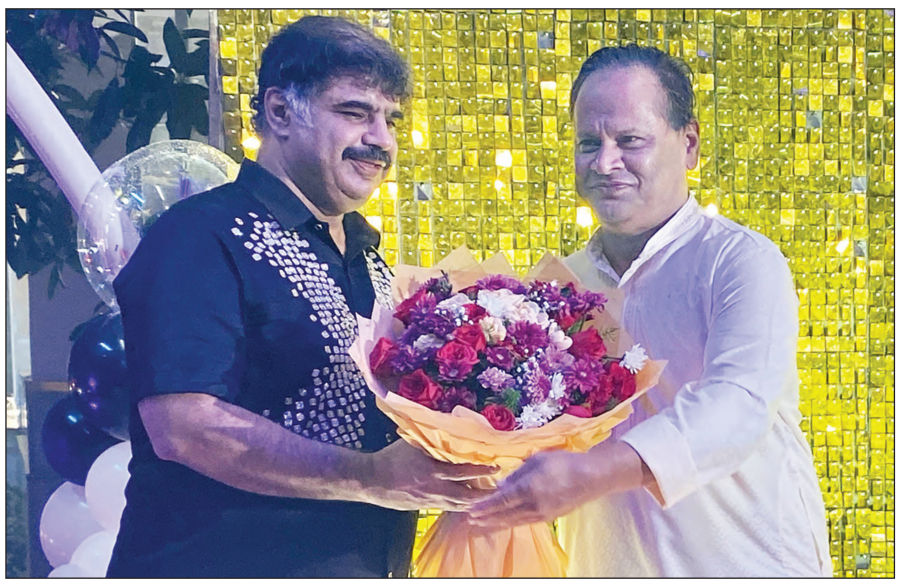

पुराने शहर के प्रसिद्ध समाज सेवी एवं बारकस बिग बॉस से मशहूर हबीब अल हामद को उनके जन्म दिन पर बधाई देते हुए स्पोर्ट्स विलेज के सीईओ मो. शम्सुद्दीन।

तेलंगाना के डीजीपी जितेन्द्र ने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 52 पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) डॉ. जितेन्द्र ने अपराध जांच, पता लगाने और पुलिसिंग के अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उनके अस-ाधारण प्रदर्शन के लिए 52 पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया।यह समारोह बुधवार को डीजीपी कार्यालय में आयोजित किया गया, जहां अधिकारियों को प्रशंसा पत्र और नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।कार्यक्रम में बोलते हुए, डॉ. जितेन्द्र ने कहा कि इंडिया जस्टिस रिपोर्ट 2025 के अनुसार, तेलंगाना पुलिस देश में शीर्ष प्रदर्शन करने वाला पुलिस विभाग बन गया है।उन्होंने मोबाइल फोन बरामदगी में विभाग के नेतृत्व पर भी प्रकाश डाला और इन उपलब्धियों का श्रेय राज्य भर के पुलिसकर्मियों के समर्पण और निरंतर प्रयासों को दिया। उन्होंने अधिकारियों से उत्कृष्टता के लिए प्रयास जारी रखने, ईमानदारी बनाए रखने और ईमानदारी से सेवा के माध्यम से जनता का विश्वास मजबूत करने का आग्रह किया।सीआईडी की महानिदेशक शिखा गोयल ने विस्तार से बताया कि 2024 में उनके प्रदर्शन की विस्तृत समीक्षा के बाद 52 अधिकारियों का चयन किया गया। मूल्यांकन में गंभीर अपराध का पता लगाना, दोषसिद्धि सुनिश्चित करना, अनसुलझे मामलों का निपटारा, गैर-जमानती वारंटों का निष्पादन, पोक्सो मामलों का समय पर निपटान, राष्ट्रीय लोक अदालतों में उच्च प्रदर्शन, साइबर अपराध मामलों में धन की वसूली और संपत्ति अपराधों का पता लगाने जैसे प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया गया। व्यक्तिगत पुरस्कारों के अलावा, शीर्ष प्रदर्शन करने वाली इकाइयों - हैदराबाद, मेडक और रामागुंडम - के साथ-साथ क्यूआर कोड प्रतिक्रियाओं सहित नागरिक प्रतिक्रिया तंत्र के आधार पर पहचाने गए शीर्ष 10 पुलिस स्टेशनों को भी उनकी सेवा उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किया गया। डीजीपी कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि समारोह में महानिदेशक (खुफिया) बी शिवधर रेड्डी, अतिरिक्त डीजीपी महेश एम. भागवत और अनिल कुमार, आईजीपी एम. रमेश, चंद्रशेखर रेड्डी, रमेश नायडू और श्रीनिवास, सीआईडी के डीआईजी श्री नारायण नायक, सीआईडी के एसपी श्रीनिवास और अन्य गणमान्य व्यक्तियों सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

तेलंगाना सरकार ने नए राशन कार्ड जारी करना शुरू किया

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना राज्य सरकार ने नए राशन कार्ड जारी करना शुरू कर दिया है , कई आवेदकों को ये कार्ड मिल भी चुके हैं। अन्य लोगों के नाम मौजूदा कार्ड में जोड़े जा रहे हैं, जबकि सत्यापन के दौरान कुछ नाम हटाए जा रहे हैं।

प्रजा पालना कार्यक्रम के दौरान कई नागरिकों ने नए राशन कार्ड के लिए आवेदन किया था , जो ऑफ़लाइन आयोजित किया गया था। हालाँकि, आवेदन की स्थिति को ट्रैक करना उन आवेदकों के लिए एक बड़ी चिंता का विषय बन गया है।

मीसेवा के ज़रिए राशन कार्ड के लिए आवेदन करने वाले आवेदकों को आवेदन संख्या मिलती है और वे ऑनलाइन अपना स्टेटस चेक कर सकते हैं, लेकिन प्रजा पालना के ज़रिए आवेदन करने वालों को यह सुविधा नहीं मिलती। पारदर्शिता की कमी की वजह से कई ग्रामीण और शहरी आवेदकों में भ्रम और चिंता की स्थिति पैदा हो रही है।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि पात्र आ-वेदकों को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है , क्योंकि सभी वैध आवेदन स्वीकृत किए जाएंगे। जिन लोगों ने प्रजा पालना अभियान के दौरान आवेदन किया था, वे अपने स्थानीय पंचायत सचिव से संपर्क करके अपने आवेदन की स्थिति की जांच कर सकते हैं ।

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में एक सप्ताह तक भारी बारिश और तूफान का खतरा

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दोनों तेलुगु भाषी राज्यों- तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में एक सप्ताह तक भारी बारिश की आशंका हैं, क्योंकि बंगाल की खाड़ी के ऊपर दबाव बना हुआ है। भारतीय मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि परिस्थितियाँ और भी गंभीर हो सकती हैं और शक्ति नामक चक्रवात का रूप ले सकता है, जिसका व्यापक प्रभाव होगा।आईएमडी अधिकारियों के अनुसार, दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने पहले दबाव के कारण समुद्र तल से 3.1 किमी से 5.8 किमी की ऊंचाई पर बादल बन गए हैं। तटीय आंध्र प्रदेश के पास बंगाल की खाड़ी के मध्य में दूसरा दबाव विकसित हुआ है, जिसमें लगभग 1.5 किमी की ऊंचाई पर बादलों का चक्कर देखा गया है।इस प्रणाली के कम दबाव वाले क्षेत्र में विकसित होने और तत्पश्चात चक्रवात शक्ति में विकसित होने की संभावना है, जिससे कम से कम अगले दो सप्ताह तक दोनों राज्यों में मौसम प्रभावित रहेगा।अगले सात दिनों तक तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग का अनुमान है - तेज़ बिजली के साथ गरज के साथ तूफ़ान।हवा की गति 30 से 50 किमी/घंटा तक , झोंके 60 से 70 किमी/घंटा तक पहुंच सकते हैं।रायलसीमा में तेज़ हवाएं चलने की संभावना है शाम 4 बजे के बाद मौसम में उथल-पुथल के कारण तेलंगाना, खासकर पश्चिमी जिलों में बारिश होने की संभावना है दोनों राज्यों में दिन भर बादल छाए रहेंगे , तथा आंध्र प्रदेश, विशेषकर रायलसीमा में रात भर तथा रविवार की सुबह तक भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है ।आईएमडी के अधिकारी स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और दोनों राज्यों के निवासियों से सतर्क रहने का आग्रह किया है, खासकर निचले और तटीय क्षेत्रों में, क्योंकि आने वाले दिनों में मौसम की स्थिति और खराब हो सकती है।

पुराने शहर में फिर लगी आग, तीन दिन में तीसरी घटना

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

18 मई को गुलज़ार हाउस में हुई दुखद आग दुर्घटना के बाद, हैदराबाद में मंगलवार 20 मई को चत्रिनाका में एक आवासीय-सह-वाणिज्यिक इमारत की तीसरी मंजिल पर आग लगने की तीसरी घटना सामने आई।चत्रिनाका पुलिस स्टेशन से कुछ ही दूरी पर स्थित इमारत के फ्लैट से घना धुआं निकल रहा था।स्थानीय लोगों ने तुरंत चत्रिनाका पुलिस को सूचित किया और चंद्रायनगुट्टा अग्निशमन केंद्र से एक दमकल गाड़ी आग बुझाने के लिए मौके पर पहुंची।

विजयवाड़ा में वित्त विभाग के कार्यालय में आग लगी

विजयवाड़ा, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आंध्र प्रदेश में मंगलागिरी स्थित वित्त विभाग के मुख्यालय निधि भवन की दूसरी मंजिल में बुधवार को आग लगने से वहां काम कर रहे कर्मचारियों में दहशत फैल गई। सूत्रों ने बताया कि सुबह वित्त विभाग के मुख्यालय निधि भवन की दूसरी मंजिल पर आग लग गई। आग निदेशक के कक्ष में लगी और पूरे कार्यालय में फैल गई जिससे उस समय वहां काम कर रहे।

समृद्ध देश वह है जहां लोग सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा पर भरोसा करते हैं : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बुधवार को सिविल जज ज्योतिर्मयी द्वारा अपने दूसरे बच्चे के जन्म के लिए सरकारी अस्पताल को चुनने के बाद राज्य की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में बढ़ते सार्वजनिक विश्वास की प्रशंसा की।मुख्यमंत्री रेड्डी ने कहा कि सिविल जज ने प्रसव के लिए सरकारी सुविधा का चयन करके एक उदाहरण प्रस्तुत किया है।एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, एक समृद्ध, खुशहाल देश वह नहीं है जहां लोग निजी स्वास्थ्य सेवा का खर्च उठा सकें, बल्कि लगभग सभी लोग सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों पर भरोसा करते हैं। वेमुलावाड़ा ने पिछले 17 महीनों में कई ऐसी कहानियों को सामने लाया है, जब से लोगों की सरकार ने तेलंगाना की बागडोर संभाली है।उनकी पोस्ट में लिखा गया है, सिविल जज ज्योतिर्मयी गरु ने अपने प्रसव के लिए सरकारी सुविधा का चयन करके एक मिसाल कायम की है। यह उनके दूसरे बच्चे के लिए भी एक दोहराना था। यह बच्चा तेलंगाना की आशा है, और उसके बड़े होने और उन्नति में, हम तेलंगाना को एक अजेय यात्रा के रूप में आगे बढ़ते हुए देखेंगे।इस बीच, भारत ने आज 78वीं विश्व स्वास्थ्य सभा के पूर्ण सत्र को संबोधित किया, तथा स्वास्थ्य के लिए एक विश्व विषय के अंतर्गत वैश्विक स्वास्थ्य समानता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने बताया कि भारतीय प्रतिनिधिमंडल का प्रतिनिधित्व करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने नव निर्वाचित समिति अध्यक्षों को बधाई दी और सार्थक अंतर्राष्ट्रीय संवाद एवं सहयोग के अवसर का स्वागत किया।समावेशी और सार्वभौमिक स्वास्थ्य के प्रति भारत की प्रतिबद्धता पर बोलते हुए श्रीवास्तव ने आयुष्मान भारत जैसी प्रमुख पहलों के तहत किए गए परिवर्तनकारी कदमों पर जोर दिया, जिससे व्यापक स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच में नाटकीय रूप से विस्तार हुआ है।उन्होंने कहा, इस कार्यक्रम ने व्यापक स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच का विस्तार किया है, बुनियादी ढांचे में सुधार किया है, उन्नत उपचारों के लिए वित्तीय सुरक्षा प्रदान की है और डिजिटल स्वास्थ्य अपनाने में तेजी लाई है - जिससे सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज का मार्ग प्रशस्त हुआ है।केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने इस बात पर प्रकाश डाला कि मातृ स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, बाल मृत्यु दर और मृत जन्म में कमी लाने के लिए भारत के प्रयासों को संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष और संयुक्त राष्ट्र अंतर-एजेंसी समूह सहित वैश्विक निकायों द्वारा स्वीकार किया गया है।उन्होंने बताया कि भारत को हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा ट्रैकोमा-मुक्त प्रमाणित किया गया है, तथा देश टीबी, कुष्ठ रोग, फाइलेरिया, खसरा, रूबेला और कालाजार जैसी बीमारियों को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।उन्होंने बताया कि एक प्रमुख नीतिगत कदम के रूप में भारत ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिकों को स्वास्थ्य कवरेज प्रदान किया है, चाहे उनकी आर्थिक स्थिति कुछ भी हो।

CHANGE OF NAME & DOB
I, Army No.15815493X L/Nk SHRI JAVAR SINGH of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana hereby state that my mother name and DOB is to be changed from ANU BHAI, DOB:10-4-1964 to ANAND BAI, DOB:01-01-1956.

लूट का पर्दाफाश होगा

टीपीसीसी प्रमुख ने कालेश्वरम परियोजना जांच को लेकर केसीआर पर निशाना साधा

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के प्रमुख महेश कुमार गौड़ ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस पार्टी को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकाल के दौरान हुए भ्रष्टाचार को उजागर करने के वादे पर सत्ता में चुना गया था। पीसी घोष आयोग द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) और अन्य को समन जारी किए जाने के बाद यह बात सामने आई है।ये सम्मन तेलंगाना में बीआरएस के 10 साल के शासन के दौरान कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना (केएलआईपी) में कथित अनियमितताओं से संबंधित थे ।एएनआई से बात करते हुए गौड़ ने कहा, लोगों ने हमें (कांग्रेस को) सत्ता में लाने के लिए वोट दिया क्योंकि हमने वादा किया था कि बीआरएस के 10 साल के कार्यकाल में हुई लूट और भ्रष्टाचार को उजागर किया जाएगा।उन्होंने पुष्टि की कि वर्तमान कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने कालेश्वरम परियोजना में कथित भ्रष्टाचार की जांच के लिए एक आयोग का गठन किया है। गौड़ ने जोर देकर कहा कि केसीआर और कथित भ्रष्टाचार में शामिल अन्य लोगों को घटनाओं के बारे में अपना पक्ष स्पष्ट करना चाहिए।टीपीसीसी प्रमुख ने इस बात पर जोर दिया कि दोषी पाए जाने वालों को दंडित किया जाना चाहिए और तेलंगाना की जनता जवाबदेही की मांग करती है।टीपीसीसी प्रमुख ने कहा, तेलंगाना सरकार ने कालेश्वरम परियोजना की अनियमितताओं की जांच के लिए एक आयोग का गठन किया है। आयोग में केसीआर और अन्य लोग शामिल हैं जो इस लूट में शामिल हैं। उन्हें आकर अपना पक्ष रखना चाहिए। लोग मांग कर रहे हैं कि सभी भ्रष्ट लोगों को दंडित किया जाना चाहिए।इस बीच, भारतीय राष्ट्र समिति के एमएलसी के कविता ने बीआरएस शासन के दौरान कालेश्वरम परियोजना में अनियमितताओं की जांच के लिए तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को बुलाने के लिए पीसी घोष आयोग की आलोचना की।

एक्स पर एक पोस्ट में कविता ने इस बात पर जोर दिया कि कालेश्वरम का निर्माण किसानों के कल्याण के लिए किया गया था और कहा कि यह केसीआर के खिलाफ एक सुनियोजित राजनीतिक साजिश का हिस्सा है ।कविता ने कहा, कालेश्वरम परियोजना पर केसीआर गारू को नोटिस एक सच्चे जननेता की छवि को धूमिल करने की सोची-समझी राजनीतिक साजिश का हिस्सा है। कालेश्वरम का निर्माण किसानों और भावी पीढ़ियों के कल्याण के लिए किया गया था, राजनीति के लिए नहीं। आज, यह अक्षम कांग्रेस सरकार उसी प्रगति को खत्म कर रही है जिसके लिए तेलंगाना ने लड़ाई लड़ी थी।बीआरएस एमएलसी ने आगे कहा कि केसीआर ने अपना जीवन तेलंगाना और बंजर भूमि को समृद्धि के क्षेत्रों में बदलने के लिए समर्पित कर दिया है, जिसे अब दृष्टिहीन शासन द्वारा निशाना बनाया जा रहा है।के. कविता ने कहा, के.सी.आर. गारू, जिन्होंने अपना जीवन तेलंगाना के लिए समर्पित कर दिया और बंजर भूमि को समृद्धि के क्षेत्रों में बदल दिया, अब एक दूरदर्शी शासन द्वारा निशाना बनाया जा रहा है। कोई भी प्रतिशोधी सरकार उनकी विरासत को कम नहीं कर सकती। सच्चाई की जीत होगी और इतिहास याद रखेगा कि कौन लोगों के लिए खड़ा था और किसने उन्हें नीचे लाने की कोशिश की।न्यायमूर्ति पीसी घोष आयोग ने मंगलवार को तेलंगाना के पूर्व सीएम के चंद्रशेखर राव (केसीआर), पूर्व मंत्री हरीश राव और भाजपा सांसद इटेला राजेंद्र को समन जारी किया, जिन्होंने बीआरएस शासन के दौरान मंत्री के रूप में भी काम किया था, कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना (केएलआईपी) में कथित अनियमितताओं की चल रही जांच में।करोड़ों रुपये की सिंचाई परियोजना में वित्तीय और प्रक्रियात्मक खामियों की जांच कर रहे आयोग ने तीनों राजनीतिक नेताओं को जून के पहले सप्ताह में पूछताछ के लिए उपस्थित होने का निर्देश दिया है।सूत्रों के अनुसार, केसीआर को 5 जून को आयोग के समक्ष पेश होने को कहा गया है, इसके बाद हरीश राव को 6 जून को और इटेला राजेंद्र को 9 जून को आयोग के समक्ष पेश होने को कहा गया है।

मेहदीपट्टनम में नया स्काईवॉक जुलाई से चालू होने की संभावना

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

व्यस्त मेहदीपट्टनम जंक्शन पर शहर के नवीनतम प्रतिष्ठित स्काईवॉक का काम तेजी से चल रहा है और हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एचएमडीए) ने तीन महीने के भीतर काम पूरा करने की योजना बनाई है।हुमायूं नगर पुलिस स्टेशन और रायथू बाजार के बीच तथा गुडीमलकापुर ट्रैफिक जंक्शन से मेहदीपटनम बस बे तक स्टील पैदल यात्री स्काईवॉक का निर्माण पूरा हो चुका है, तथा लिफ्टों का निर्माण कार्य चल रहा है। मेहदीपटनम रायथू बाजार और सरोजिनी देवी नेत्र अस्पताल की ओर बस बे (रक्षा क्षेत्र) को जोड़ने वाले फुट-ओवर-ब्रिज का निर्माण कार्य प्रगति पर है।रक्षा मंत्रालय ने जनवरी 2024 में मेहदीपट्टनम में अपनी 2,500 वर्ग गज जमीन पर स्काईवॉक बनाने के लिए अपनी मंजूरी दे दी थी। तय कार्यक्रम के अनुसार, प्रस्तावित स्काईवॉक मार्च 2023 में पूरा होना था, लेकिन इसमें देरी हो गई।390 मीटर लंबे एलिवेटेड स्काईवॉक में रायथू बाजार, डिफेंस कंपाउंड वॉल (सैन्य गैरीसन), बस बे एरिया (मेहदीपटनम), हुमायूं नगर पुलिस स्टेशन के पास और गुडीमलकापुर जंक्शन पर पांच प्रवेश और निकास बिंदु हैं। एचएमडीए के एक अधिकारी ने कहा, स्काईवॉक परियोजना की लागत 38 करोड़ रुपये है और इसे अगस्त तक पूरा करने की योजना है।अधिकारियों ने बताया कि स्काईवॉक में 21,061 वर्ग फीट का व्यावसायिक स्थान भी है और प्रस्तावित स्काईवॉक पर कॉफी शॉप, गेटवे कॉर्नर और लाउंज स्नैक्स की योजना बनाई गई है। इस शानदार स्काईवॉक में 13 लिफ्ट, दो इंटरमीडिएट टनल वॉक और स्ट्रेच हैं। उम्मीद है कि यह एक दिन में 30,000 लोगों की भारी आवाजाही को ध्यान में रखेगा और मेहदीपट्टनम जंक्शन पर यातायात की भीड़ को कम करने के अलावा पैदल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। अधिकारियों ने बताया कि स्काईवॉक का निर्माण कांच और स्टील से किया गया है और इसमें कई तरह की सुविधाएं हैं, जिसमें जमीन से 6.15 मीटर की ऊंचाई पर छह एक्सेस पॉइंट शामिल हैं। 380 मीटर लंबे इस पुल को सस्पेंशन कॉर्ड द्वारा सहारा दिया जाएगा और इसमें 13 लिफ्ट हैं, जिनकी संयुक्त क्षमता 450 यात्रियों की है।

शारीरिक रूप से विकलांग लोगों के लिए एक विशेष लिफ्ट कुर्सी प्रस्तावित है। स्काईवॉक क्षेत्र की सुंदरता को बढ़ाने के लिए मेहराब, केबल और वॉकवे सुरंगों के साथ एलईडी स्ट्रिप लाइट्स बनाई जाएंगी। एचएमडीए के कार्यकारी अभियंता, हरि कृष्ण ने कहा, जुलाई के अंत तक स्काईवॉक तैयार हो जाएगा और नागरिकों के लिए खोल दिया जाएगा।

केटीआर के हस्तक्षेप से मलेशिया की जेल में बंद तेलंगाना के 6 लोग घर लौटे

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मलेशिया की जेल में बंद तेलंगाना के निजामाबाद जिले के छह लोग आखिरकार भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) के हस्तक्षेप से घर वापस आ पाए। पूर्व आईटी मंत्री ने उनकी परेशानी जानने के बाद बीआरएस खानपुर प्रभारी जॉनसन नाइक को मलेशिया भेजा था।केटीआर के कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, तेलंगाना के छह लोग निजामाबाद जिले के कदम मंडल के लिंगपुर और दस्तूराबाद मंडल के मुन्याल के रहने वाले हैं।

वे पिछले साल रोजगार की तलाश में मलेशिया गए थे और स्थानीय कानूनों की जानकारी न होने के कारण उन्हें हथियार संबंधी आरोपों के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था।जेल में बंद व्यक्तियों में शामिल हैं: राचकोंडा नरेश, तलारी भास्कर, गुरुजाला शंकर, गुरजाला राजेश्वर, गुंडा श्रीनिवास (लिंगपुर से) और यमुनूरी रविंदर (मुन्याल से)। विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रारंभिक यात्रा के बाद, मई में बीआरएस नेता नाइक ने फिर से मलेशिया का दौरा किया और अपने स्वयं के धन से अदालत द्वारा लगाए गए जुर्माने का भुगतान किया, उनके हवाई टिकट की व्यवस्था की और उन्हें सफलतापूर्वक भारत वापस लाया। केटीआर के कार्यालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में आरोप लगाया गया, आज बचाए गए लोगों ने जॉनसन नाइक के साथ नंदीनगर में केटीआर के आवास पर उनसे मुलाकात की।

भावनाओं से अभिभूत होकर उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने अपने परिवारों से दोबारा मिलने की उम्मीद खो दी थी। उन्होंने केटीआर और जॉनसन नाइक को अपनी सुरक्षित वापसी का श्रेय दिया और आजीवन आभार व्यक्त किया।

इंटर सप्लीमेंट्री परीक्षा 2025 के लिए छूट दी गई

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना इंटरमीडिएट शिक्षा बोर्ड ने घोषणा की है कि इंटर एडवांस्ड सप्लीमेंट्री परीक्षा 2025 में शामिल होने वाले छात्रों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश के लिए पांच मिनट की छूट मिलेगी।प्रथम वर्ष की इंटरमीडिएट एडवांस्ड सप्लीमेंट्री परीक्षाएं सुबह 9:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक आयोजित की जाएंगी, जबकि द्वितीय वर्ष की परीक्षाएं दोपहर 2:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक होंगी।

छात्रों को सुबह के सत्र के लिए सुबह 9:05 बजे तक और दोपहर के सत्र के लिए दोपहर 2:35 बजे तक परीक्षा हॉल में प्रवेश की अनुमति होगी।

इस उपाय का उद्देश्य परीक्षा अनुशासन बनाए रखते हुए छोटी-मोटी देरी को समायोजित करना है।इंटर एडवांस्ड सप्लीमेंट्री परीक्षा 2025 के लिए कुल 413597 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया है।

इनमें से 266207 प्रथम वर्ष और 147390 द्वितीय वर्ष के छात्र हैं।तेलंगाना इंटर सप्लीमेंट्री परीक्षा 892 केंद्रों पर आयोजित की जाएगी।बोर्ड ने राज्य भर में 14 नामित शिविरों में उत्तर पुस्तिकाओं के लिए एक स्पॉट मूल्यांकन प्रक्रिया शुरू की है। पहला मूल्यांकन चरण 29 मई से शुरू होगा जिसमें संस्कृत, अंग्रेजी, तेलुगु, हिंदी, गणित, राजनीति विज्ञान, भौतिकी और अर्थशास्त्र जैसे विषय शामिल होंगे। दूसरा चरण 31 मई को वनस्पति विज्ञान, प्राणीशास्त्र, रसायन विज्ञान, वाणिज्य और इतिहास के पेपर के लिए शुरू होगा।

कोत्तागुडेम में तेज रफ्तार कोयला टिपर ने मां-बेटे की जान ली, दो दिन में दूसरी टिपर दुर्घटना

कोत्तागुडेम, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिले में कोठागुडेम-विजयवाड़ा राजमार्ग पर बुधवार को तेज रफ्तार कोयला टिपर और कार की टक्कर में एक महिला और उसके बेटे की मौत हो गई।पुलिस के अनुसार, आंध्र प्रदेश के कोनसीमा जिले के चिरुतापुडी के एक परिवार के छह सदस्य 19 मई को सरस्वती नदी पर आयोजित पुष्करम में भाग लेने के लिए कालेश्वरम गए थे। वे भद्राद्रि मंदिर के दर्शन के लिए मंगलवार रात भद्राचलम पहुंचे।बुधवार की सुबह वे अपने गांव जाने से पहले अपने रिश्तेदारों से मिलने के लिए आंध्र प्रदेश के तिरुवुर के लिए निकले थे। जब वे पेनागडापा के पास सैंड्रुकुंटा चौराहे पर पहुंचे, तो सथुपल्ली से कोठागुडेम के रुद्रमपुर कोल हैंडलिंग प्लांट की ओर आ रहे एक कोयला ढोने वाले ट्रक ने उनकी कार को टक्कर मार दी।महिला ममीदीशेट्टी कनकदुर्गा (54) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके बेटे वेंकट रत्नम (36) की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई।वाहन चला रहे वेंकट रत्नम क्षतिग्रस्त कार में फंस गए और उन्हें निकालने के लिए वहां से गुजर रहे वाहन चालकों को करीब एक घंटे तक मशक्कत करनी पड़ी।

कार में सवार अन्य यात्रियों- वेंकटपति, ज्योति स्वरूपा और चेतन सिरीश को मामूली चोटें आईं, जबकि दीक्षिता नाम की एक लड़की के सिर में गंभीर चोट आई और उसे इलाज के लिए खम्मम ले जाया गया।कोठागुडेम-विजयवाड़ा रोड पर कोयला ढोने वाले ट्रक यात्रियों की जान के लिए गंभीर खतरा बन गए हैं, क्योंकि कई ड्राइवर अक्सर लापरवाही से गाड़ी चलाते हैं।

मंगलवार को येरगुंटा के शेख मौलाना नामक एक बुजुर्ग व्यक्ति की उस समय कुचलकर मौत हो गई जब वह नमाज अदा करने के लिए मस्जिद जा रहा था।

आंप्र मुख्यमंत्री नायडू ने मंत्रिमंडल सहयोगियों से शराब घोटाले पर टिप्पणी करने से परहेज करने को कहा

विजयवाड़ा, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

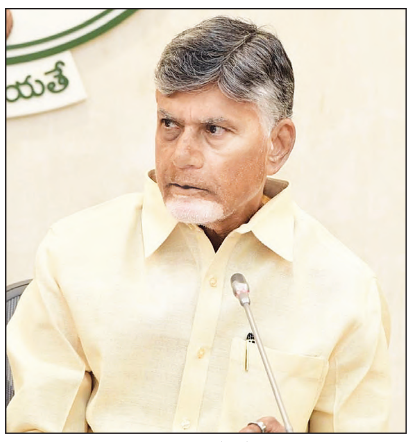

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों को आगाह किया है कि वे शराब घोटाले पर सार्वजनिक रूप से कोई बयान न दें, क्योंकि इससे चल रही जांच पर असर पड़ेगा।मंगलवार को कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री नायडू ने मंत्रियों को स्पष्ट कर दिया कि उन्हें शराब घोटाले की जांच के बारे में सार्वजनिक रूप से नहीं बोलना चाहिए।सूत्रों ने श्री नायडू के हवाले से कहा, कोई भी अनावश्यक बयानबाजी मामले को दूसरी दिशा में ले जा सकती है। शराब घोटाले पर सार्वजनिक टिप्पणी करने से अवांछनीय परिणाम हो सकते हैं। जांच एजेंसियों को पूरी छूट दी जानी चाहिए। विशेष जांच दल (एसआईटी) निष्पक्ष जांच कर रहा है। उसे बिना किसी हस्तक्षेप के अपना काम करने दिया जाना चाहिए। शराब घोटाले के बारे में मीडिया रिपोर्ट के आधार पर किसी को भी टिप्पणी नहीं करनी चाहिए।मंत्रिमंडल ने कृषि उपज की निगरानी, किसानों के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने तथा आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर नजर रखने के लिए छह सदस्यीय मंत्रिमंडल उप-समिति के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी दी। सरकार की कार्रवाई से जमीनी स्तर पर नतीजे सामने आने चाहिए, जिससे किसानों को सीधे लाभ मिले। एनडीए सरकार किसानों को समर्थन और बचाव देने के लिए तैयार है।अधिकारियों ने श्री नायडू को मिर्च, तंबाकू, जलीय कृषि उत्पादों (झींगा और मछली), कोको, गन्ना, आम और अन्य फसलों की कीमतों में गिरावट के कारणों के बारे में बताया।पिछले साल की तुलना में इस साल फसल की पैदावार में बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम और अनोखी घरेलू और विदेशी परिस्थितियों ने फसलों की कीमतों को प्रभावित किया है। मुख्यमंत्री ने दीपम योजना के बारे में भी जानकारी ली। मुफ़्त एलपीजी सिलेंडरों के वितरण के इर्द-गिर्द एक दिलचस्प चर्चा हुई। श्री नायडू ने इस विषय पर मंत्रियों से अचानक सवाल पूछे। सरकार राज्य में महिलाओं को मुफ़्त एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री ने पूछा, उनमें से कितने (मंत्री) लाभार्थियों के घर गए हैं और उनसे एक कप कॉफी मांगी है?

जब मंत्रियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने ऐसा नहीं किया है, तो श्री नायडू ने कहा कि वे जिला दौरे के दौरान लाभार्थियों से मिलेंगे। उन्होंने सभी मंत्रियों को अनिवार्य रूप से ऐसे दौरे करने का निर्देश दिया।

आंप्र में राक्षसी शासन

वाईएसआरसीपी प्रमुख जगन ने आंध्र में सीएम नायडू के शासन की आलोचना की, राजनीतिक लड़ाई का संकल्प लिया

विजयवाड़ा, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पांच जिलों के वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के जनप्रतिनिधियों के साथ बंद कमरे में हुई बैठक में आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वाईएसआरसीपी अध्यक्ष वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने सत्तारूढ़ तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) सरकार पर तीखा हमला किया और इसे राक्षसी युग कहा और मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू पर लोकतांत्रिक मानदंडों को खत्म करने का आरोप लगाया।रामचंद्रपुरम नगर पालिका (कोनसीमा), पार्वतीपुरम नगर पालिका (पार्वतीपुरम मन्यम), येलमंचिली मंडल (पलाकोल्लु, पश्चिम गोदावरी), रामगिरी मंडल (रप्पाडु, श्री सत्य साईं) और ग्रेटर विशाखापत्तनम नगर निगम के पार्टी प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए, जगन ने कहा कि राज्य लोकतांत्रिक मूल्यों के अभूतपूर्व पतन का गवाह बन रहा है।उन्होंने कहा, हम इस समय राक्षसी युग में जी रहे हैं। चंद्रबाबू नायडू के शासन में राजनीति में नैतिकता पूरी तरह खत्म हो गई है। बेतरतीब मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं और अंधाधुंध गिरफ्तारियां की जा रही हैं। लेकिन हमें इन मुकदमों या जेलों से डरना नहीं चाहिए। केवल वे ही जीवित रह सकते हैं और आज राजनीति में शामिल हो सकते हैं जो इसका सामना कर सकते हैं।जगन ने आरोप लगाया कि हाल ही में स्थानीय निकाय उपचुनावों में टीडीपी ने बहुमत के बिना जीत का दावा करने के लिए अनैतिक रणनीति का सहारा लिया।रेड्डी ने आगे कहा, हाल ही में स्थानीय निकाय उपचुनावों में टीडीपी ने बहुमत के बिना भी जीत का दावा करने के लिए नई नीचता पर उतर आई है। वे विपक्ष को दबा रहे हैं और बिना किसी लोकतांत्रिक जनादेश के अपने लिए पदों की घोषणा कर रहे हैं। सिर्फ़ एक साल के भीतर ही लोगों में गठबंधन सरकार के प्रति गहरी नाराज़गी पैदा हो गई है। चुनावों के दौरान किए गए किसी भी वादे को पूरा नहीं किया गया है। यही वजह है कि लोग अब चंद्रबाबू से घृणा करते हैं। अगले चुनाव में उन्हें फुटबॉल की तरह बाहर कर दिया जाएगा।उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि वे सत्ता में आए तो पार्टी कार्यकर्ताओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।रेड्डी ने कहा, राज्य के इतिहास में पहली बार हम बनावटी गवाहों के निर्माण को देख रहे हैं। किसी अपराध से कोई संबंध न रखने वाले व्यक्ति को उठा लिया जाता है, उसे 'अनुमोदक' करार दिया जाता है और उसे जो भी कहना हो कहने के लिए मजबूर किया जाता है। इसके आधार पर किसी और को गिरफ्तार कर लिया जाता है। यह खतरनाक मिसाल चंद्रबाबू ने कायम की है। जगन 2.0 में पार्टी कैडर को सर्वोच्च प्राथमिकता मिलेगी। मैं आपके सामने आने वाले संघर्षों को देखता हूं और समझता हूं। जिन लोगों ने आपके साथ गलत किया है, उनके नाम लिख लें, चाहे आप कोई भी किताब इस्तेमाल करें; उन्हें रिकॉर्ड करें। हमारी सरकार वापस आएगी और हम उन्हें असली फिल्म दिखाएंगे। भले ही वे रिटायर हो जाएं या देश छोड़कर भाग जाएं, हम उन्हें वापस लाएंगे।जब हम सत्ता में थे, तो हमने कभी किसी को परेशान नहीं किया। यहां तक कि ताड़ीपटरी जैसी जगहों पर भी, जहां टीडीपी के 18 के मुकाबले हमारे 16 पार्षद थे, हमने अनैतिक राजनीति का सहारा नहीं लिया। मैंने अपने विधायक को विपक्षी सदस्यों को अपने पाले में न लाने की सलाह भी दी। इसके बजाय, हमने चेयरमैन का चुनाव निष्पक्ष रूप से कराने के लिए अपने विधायक को नजरबंद करके प्रक्रिया को आगे बढ़ने दिया।रेड्डी ने आगे कहा, हमने जाति, धर्म या राजनीतिक संबद्धता से परे लोगों के मुद्दों को सीधे संबोधित करने के लिए 'जगन्नान्ना चेबुधाम' और 'स्पंदन' जैसे कार्यक्रम शुरू किए। हमने जिन मुद्दों को हल किया उनमें से कई टीडीपी समर्थकों के थे।

इस तरह का शासन हमने प्रदान किया। आज, दिनदहाड़े लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। लोगों को चुप कराया जा रहा है और ऐसी परिस्थितियों में, हम अपनी राजनीतिक यात्रा जारी रखने के लिए मजबूर हैं। चंद्रबाबू के शासन में राजनीति की यही सच्चाई है।पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने तिरुवुरु से लेकर पलाकोल्लू तक की कुछ घटनाओं का हवाला देते हुए सत्तारूढ़ टीडीपी सरकार पर आंध्र प्रदेश में लोकतंत्र को नष्ट करने का आरोप लगाया है ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.

बिहार अग्रवाल संघ®

138, श्रीकृपा मार्केट, मलकपेट, हैदराबाद

की ओर से

भावभीनी श्रद्धांजलि

हैदराबाद के गुलजार हौज़ क्षेत्र में हुई भीषण एवं हृदय विदारक अग्नि दुर्घटना में मोदी अग्रवाल परिवार के 17 सदस्यों के असमय दुःखद निधन से समस्त समाज शोक संतप्त है। इस कठिन एवं दुःखद घड़ी में हम सभी शोकसंतप्त परिवारों के साथ हैं।

दिवंगत आत्माओं को चिर शांति प्राप्त हो, परिजनों को इस अथाह दुःख को सहने की शक्ति मिले एवं घायल पीड़ितों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ हो – ऐसी हमारी ईश्वर से प्रार्थना है।

श्री प्रह्लादरायजी मोदी, श्रीमती मुन्नी बाई मोदी, श्री राजेन्द्रजी मोदी, श्रीमती सुमित्रा मोदी, श्री पंकजजी मोदी, श्रीमती वर्षा मोदी

श्री अभिषेक मोदी, श्रीमती शीतल जैन, श्रीमती रजनी अग्रवाल, अनन्या मोदी, इद्धिका मोदी, ईराज मोदी

आरुषी जैन, ऋषभ जैन, प्रथम अग्रवाल, प्रांशी अग्रवाल, हर्षिला गुप्ता

– श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता –

समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यगण

बिहार अग्रवाल संघ

विकास कुमार केशान	संतोष टांटिया	भीम फिटकरीवाला	अनूप झुनझुनवाला	बिक्की सर्राफ
अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	मंत्री	महामंत्री	कोषाध्यक्ष

राजस्थानी प्रगति समाज

की ओर से

भावभीनी श्रद्धांजलि

श्री प्रह्लादरायजी मोदी, श्रीमती मुन्नीबाई मोदी, श्री राजेन्द्रजी मोदी, श्रीमती सुमित्रा मोदी, श्री पंकजजी मोदी, श्रीमती वर्षा मोदी

श्री अभिषेक मोदी, श्रीमती शीतल जैन, श्रीमती रजनी अग्रवाल, अनन्या मोदी, इद्धिका मोदी, ईराज मोदी

आरुषी जैन, ऋषभ जैन, प्रथम अग्रवाल, प्रांशी अग्रवाल, हर्षिला गुप्ता

हैदराबाद के चारमीनार के पास गुलजार हाउस में हुई आग की दुःखद घटना में अग्रवाल मोदी परिवार के 17 लोगों की असमय मृत्यु से पूरा समाज बहुत दुखी है।
इस कठिन समय में हम सभी शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं।
ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति दें और घायलों को जल्द स्वस्थ करें।
भगवान परिवार को यह दुःख सहने की शक्ति दें।
सम्पूर्ण समाज व राष्ट्र इस दुःख की घड़ी में मोदी परिवार के साथ खड़ा है।

* श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता *

राजस्थानी प्रगति समाज

कमलनारायण अग्रवाल	गोविन्द राठी
(अध्यक्ष)	(महा-मंत्री)

समस्त गुजराती समाज

दि गुजराती सोश्यल वेल्फेयर सोसाईटी

THE GUJARATI SOCIAL WELFARE SOCIETY – TGSWS – ESTD : 1984

TGSWS 40 YEARS 1984-2024

हैदराबाद-सिकन्दराबाद (तेलंगाना) द्वारा

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

चारमीनार स्थित गुलजारहाउस, हैदराबाद में हुई भीषण अग्निकांड की घटना ने सम्पूर्ण समस्त गुजराती समाज को गहरे शोक में डुबो दिया है। इस दर्दनाक हादसे में अग्रवाल एवं मोदी परिवार के 17 सदस्यों का दुर्भाग्यपूर्ण निधन हुआ, यह क्षति अपूरणीय है। इस कठिन समय में हम पूरी संवेदना और श्रद्धांजलि के साथ शोकाकुल परिवारों के साथ खड़े हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और घायलों को शीघ्र स्वस्थ करें।

भगवान शोक संतप्त परिजनों को इस असहनीय पीड़ा को सहने की शक्ति और साहस दें। यह केवल एक परिवार की नहीं, पूरे समाज और राष्ट्र की त्रासदी है – समस्त गुजराती समाज मोदी परिवार के साथ हैं।

श्री प्रह्लादरायजी मोदी, श्रीमती मुन्नीबाई मोदी, श्री राजेन्द्रजी मोदी, श्रीमती सुमित्रा मोदी, श्री पंकजजी मोदी, श्रीमती वर्षा मोदी, श्री अभिषेक मोदी, श्रीमती शीतल जैन, श्रीमती रजनी अग्रवाल

अनन्या मोदी, इद्धिका मोदी, ईराज मोदी, आरुषी जैन, ऋषभ जैन, प्रथम अग्रवाल, प्रांशी अग्रवाल, हर्षिला गुप्ता

-- श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता --

समस्त गुजराती समाज

दि गुजराती सोश्यल वेल्फेयर सोसाईटी

अध्यक्ष **जिग्नेश भाई दोशी** * कोषाध्यक्ष **हेतल सामानी**

एवं समस्त वर्किंग कमिटी सदस्य एवं सोसाईटी सदस्य